@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 12 अप्रैल 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 157 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

संक्षिप्त समाचार

महाराष्ट्र के तीन जिलों में भूकंप के हल्के झटके, कोई हताहत नहीं

●भूकंप का केंद्र ज़मीन से 10 किलोमीटर नीचे था।

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के तीन जिलों हिंगोली, नांदेड़ और परभणि में शनिवार को सुबह करीब आठ बजे भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी ने इस भूकंप की तीव्रता 4.7 मापी है। भूकंप का केंद्र हिंगोली जिले के वसमत तहसील के शिरली गांव में ज़मीन से 10 किलोमीटर नीचे था। इन तीनों जिलों में प्रशासन अभी भूकंप से हुए नुकसान का आकलन कर रहा है। नांदेड जिले प्राशसनिक एक अधिकारी ने बताया कि भूकंप के झटके पड़ोसी नांदेड़ जिले के अर्धापुर, हदगांव और हिमायत नगर तहसील में तथा परभणी जिले के कुछ हिस्सों में भी महसूस किए गए। हालांकि, प्रभावित जिलों में से अब तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है, लेकिन इमारतों को मामूली नुकसान पहुंचने की खबरें ज़रूर आई हैं। नागरिकों से शांत रहने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। अधिकारी ने यह भी कहा कि एहतियात के तौर पर इन तीनों जिलों में इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीमों को तैयार रखा गया है।

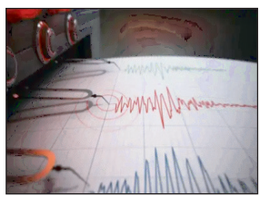

'चुनाव के बाद द्रमुक बिखर जाएगी'

●कनिमोझी अलग पार्टी बनाएंगी: अन्नामलाई

एजेंसी

कोयंबटूर। तमिलनाडु में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई कुप्पुसामी ने द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (द्रमुक) सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसियों ने सरकार के खिलाफ दर्ज शिकायतों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की है। कोयंबटूर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अन्नामलाई ने दावा किया कि उन्होंने करीब 160 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार से जुड़े सबूत भ्रष्टाचार निरोधक एवं सतर्कता निदेशालय को सौंपे थे, लेकिन अब तक इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि जांच अधिकारी भाजपा कार्यालय 'कमलालयम' तक पहुंचे, लेकिन मामले में कोई ठोस प्रगति देखने को नहीं मिली। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर अन्नामलाई ने विश्वास जताया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) 210 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज करेगा। उन्होंने दावा किया कि चुनाव में हार के बाद द्रमुक बिखर जाएगी और कनिमोझी अलग पार्टी का गठन कर सकती हैं। उन्होंने यह भी कहा कि तमिलनाडु में द्रमुक दोबारा सत्ता में नहीं लौट पाएगी और सत्ता परिवर्तन के बाद भ्रष्टाचार में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जेल भेजा जाएगा।

वंदे मातरम का अपमान करने वाली दो महिला पार्षदों पर कार्रवाई नहीं तो जीतू इस्तीफा दें : मोहन यादव

●नगर निगम की कांग्रेस की दो मुस्लिम महिला पार्षद चर्चाओं में

एजेंसी

भोपाल/इंदौर । मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर नगर निगम की कांग्रेस की दो मुस्लिम महिला पार्षद चर्चाओं में है। इन महिला पार्षदों ने पार्षद निगम की बैठक में वंदे मातरम नहीं गाया और भारत माता की जय नहीं बोला। इस पर भाजपा हमलावर है और कांग्रेस की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इसी को लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा है कि अगर इन दोनों पार्षदों पर कार्रवाई नहीं की जा रही है तो कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी को इस्तीफा दे देना चाहिए।

दरअसल पिछले दिनों नगर निगम इंदौर की एक बैठक हुई जिसमें कांग्रेस की महिला पार्षद फोजिया शेख ने बजट बैठक में वंदे मातरम गाने से इंकार कर दिया, साथ ही भारत माता की जय नहीं बोला। उन्होंने संविधान का हवाला देते हुए अपनी बात कही। इसी तरह रुबीना खान पार्षद ने चुनौती दे दी कि अगर किसी में दम है तो वह वंदे मातरम कहलवा कर दिखाएं। वंदे मातरम न गाने और भारत माता की जय न बोलने का मामला सियासी मुद्दा बन गया है। भाजपा हमलावर है और विरोध प्रदर्शन का दौर जारी है। इसी बीच राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव का एक बयान आया है। उन्होंने कहा है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस की पार्षद ने नगर निगम परिषद में वंदे मातरम गाने से इंकार किया, आगे इस पर कोई कार्रवाई नहीं करते हैं तो जीतू पटवारी और कांग्रेस के अन्य नेताओं को इस्तीफा देना चाहिए।

जम्मू-कश्मीर में ड्रग तस्करी में शामिल लोगों के पासपोर्ट और आधार कार्ड किए जाएंगे रद्द

'नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई एक सामूहिक जिम्मेदारी'

एजेंसी

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने शनिवार को 100 दिन लंबे 'नशा मुक्त जम्मू-कश्मीर अभियान' की शुरुआत करते हुए ड्रग तस्करों के खिलाफ दंडात्मक कदम उठाने की घोषणा की। उन्होंने कहा, 'नशा तस्करों के पासपोर्ट, आधार कार्ड और ड्राइविंग लाइसेंस रद्द कर दिए जाएंगे। उनकी चल और अचल संपत्तियां जब्त कर ली जाएंगी, बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएंगे और वित्तीय जांच शुरू की जाएगी।' एलजी ने मौलाना आजाद स्टेडियम में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खिलाफ लड़ाई एक सामूहिक जिम्मेदारी है। यह बुराई हर गांव, हर जिले और समाज के हर वर्ग तक फैल चुकी है। उन्होंने कहा कि नशा नेटवर्क को आर्थिक और कानूनी रूप से खत्म करने के लिए एक नई मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) लागू की गई है। मनोज सिन्हा ने कहा कि जवाबदेही सुनिश्चित करने और दूसरों को सबक सिखाने के लिए पुलिस थाना स्तर पर शीर्ष नशा तस्करों की सार्वजनिक रूप से पहचान की जाएगी। नशीली दवाओं की तस्करी का इस्तेमाल आतंकवाद को वित्तपोषित करने और समाज को अस्थिर करने के एक हथियार के रूप में किया जा रहा है।उन्होंने कहा, 'एक पड़ोसी देश हमारे युवाओं को खोखला करने के लिए नशीली दवाएं भेज रहा है। यहां पहुंचने वाली हर खेप न केवल जहर है, बल्कि हमारे

भविष्य के खिलाफ एक हथियार भी है। ' उन्होंने प्रवर्तन एजेंसियों को 'निर्दोषों को परेशान न करें', लेकिन दोषियों को भागने न दें ' के सिद्धांत अपनाने का निर्देश दिया। शनिवार को अभियान की शुरुआत करते हुए एलजी ने पूरे जम्मू और कश्मीर में 'पद यात्रा' और बड़े पैमाने पर जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने युवाओं, नागरिक समाज और सामुदायिक नेताओं से इस आंदोलन की बागडोर अपने हाथों में लेने का आग्रह किया।

लेफ्ट की कार्बन कॉपी बन गई है टीएमसी : मोदी

● मुर्शिदाबाद में बरसे पीएम मोदी, कहा- घुसपैठियों की सरकार का अंत तय

एजेंसी

कोलकाता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के जंगीपुर में जनसभा को संबोधित करते हुए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) सरकार पर हमला बोला है। पीएम मोदी ने साफ लफ्जों में कहा कि बंगाल की जनता अब 'भय' से ऊब चुकी है और 'भरोसे' की ओर बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि बंगाल में भाजपा चुनाव जीत रही है। पीएम मोदी ने कहा कि जो गुंडे और सिंडिकेट पहले वामपंथी दल सीपीआईएम के लिए काम करते थे, वे अब टीएमसी का हिस्सा बन चुके हैं।

पीएम ने आरोप लगाया कि भ्रष्टाचार, 'कट मनी' और कमीशनखोरी का जो खेल लेफ्ट ने शुरू किया था, टीएमसी ने उसे और खतरनाक बना दिया है। हथियारों की तस्करी, ड्रग्स और मवेशी तस्करी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है।

बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे- पीएम मोदी- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि बंगाल में टीएमसी मां, माटी, मानुष का नारा लगाकर सत्ता में आई थी। लेकिन अब बंगाल में घुसपैठियों द्वारा, घुसपैठियों के वोट से, घुसपैठियों की सरकार बनाना चाहती है। बंगाल अब तुष्टीकरण और वोटबैंक के खेल को और बर्दाश्त नहीं करेगा। हम पश्चिम बंगाल में बंगालियों को अल्पसंख्यक नहीं बनने देंगे।

शरणार्थियों को नागरिकता की गारंटी-पीएम मोदी

पीएम मोदी ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने और तुष्टीकरण की राजनीति को खत्म करने का वादा किया है। उन्होंने विशेष रूप से मतुआ और नामशूद्र समुदायों को संबोधित करते हुए कहा कि आप किसी टीएमसी नेता की दया पर यहां नहीं हैं, आपको भारत का संविधान सुरक्षा देता है। यह मोदी की गारंटी है कि भाजपा सरकार बनते ही सीएए के तहत नागरिकता देने की प्रक्रिया में तेजी लाई जाएगी।

'किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़'

● इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है : राजनाथ सिंह

एजेंसी

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि देश की सीमा पर जवान और खेतों में किसान दोनों का समान महत्व है। दोनों ही अपनी मिट्टी के प्राण-प्रण से सेवा में तत्पर रहते हैं। किसान हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, हमारी ताकत हैं। इनके बिना हमारे भोजन की थाली अधूरी है। उन्होंने किसानों के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि गांव, गरीब, नारी, युवा और खेती-किसानों का कल्याण हमारा लक्ष्य है। इनकी बेहतरी के लिए हम संकल्पबद्ध होकर प्रयास कर रहे हैं। सम्मान निधि के रूप में हर पात्र किसान के बैंक खाते में 6000 रुपये सीधे ट्रांसफर किये जा रहे हैं, जिससे

● रक्षा मंत्री ने रायसेन में तीन दिवसीय उन्नत कृषि महोत्सव-2026 का किया शुभारंभ

किसानी की लगातार बेहतरी के लिए हमारे प्रयास आगे भी इसी तरह जारी रहेंगे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शनिवार को मध्य प्रदेश के रायसेन जिला मुख्यालय स्थित दशहरा मैदान में आयोजित उन्नत कृषि महोत्सव-2026 को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि किसानों की मुस्कान ही हमारी पूंजी है। खेती-किसानी बड़े जोखिम का काम है, फिर भी हमारे किसान पूरी मेहनत और लगन से देशवासियों का उदर-पोषण करते हैं।

मृदा परीक्षण के लिए स्वॉइल मोबाइल ऐप ई-फॉर्म लान्च

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा त्रि-दिवसीय कृषि महोत्सव प्रदर्शनी एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्ज्वलित कर विधिवत शुभारंभ किया गया। केन्द्रीय कृषि मंत्रालय एवं राज्य शासन के कृषि विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में किसानों को मृदा परीक्षण में मदद के लिए स्वॉइल मोबाइल ऐप ई-फॉर्म लान्च किया गया। इस ऐप की मदद से किसान बंधु खुद अपने खेत की मिट्टी की सेहत जांच सकेंगे। कार्यक्रम में नरवाई प्रबंधन, कस्टम हायरिंग एवं अन्य शासकीय योजनाओं के 10 क्षेत्रीय हितग्राही किसानों को मंच से हितलाभ वितरित किए गए।

उन्होंने कहा कि वे स्वयं एक किसान पुत्र हैं। किसानों की वेदना और उनकी जरूरतों से वाकिफ हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि देश के किसानों के कल्याण की दिशा में हमारा मजबूत प्रयास है। किसान वे खाद, बीज और खेती-किसानी के अन्य जरूरी समान खरीद सकें। यह किसानों की मेहनत का सम्मान है। अब तक हमारी सरकार हजारों करोड़ रुपए की सहायता किसान भाइयों को दे चुकी है।

बंगाल चुनाव-2026 | 'सिंडिकेट राज' खत्म करेंगे:शाह

● घुसपैठियों को खदेड़ेंगे : अमित शाह ● 'पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है'

एजेंसी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के बांकुड़ा जिले के ओंडा-विष्णुपुर क्षेत्र में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राज्य की ममता बनर्जी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने 'सिंडिकेट राज ', भ्रष्टाचार और घुसपैठ जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए दावा किया कि भाजपा की सरकार बनने पर इन समस्याओं का स्थायी समाधान किया जाएगा।

सभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा कि राज्य में हर स्तर पर सिंडिकेट का प्रभाव है। चाहे वह निर्माण कार्य हो या रोजमर्रा की जरूरतें। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने जनता से 23 अप्रैल को कमल के निशान पर वोट देने की अपील करते हुए कहा 'प्रचंड बहुमत से भाजपा

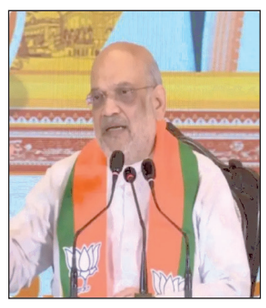

को जिताइए, हम बंगाल से सिंडिकेट राज को समाप्त कर देंगे। ' अमित शाह ने बांकुड़ा क्षेत्र के विकास को लेकर भी राज्य सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 15 वर्षों में इस इलाके की उपेक्षा हुई है, जिसके कारण युवाओं को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा। साथ ही किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भाजपा सरकार बनने पर विष्णुपुर में औद्योगिक क्षेत्र स्थापित किया जाएगा और क्षेत्रीय विकास को गति दी जाएगी।

● घुसपैठ के मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा 'घुसपैठिए देश की सुरक्षा के लिए खतरा हैं।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार बनने पर ऐसे लोगों की पहचान कर उन्हें बाहर किया जाएगा और मतदाता सूची से भी अवैध नाम हटाए जाएंगे।

महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर भी अमित शाह ने राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि हुई है और स्थिति चिंताजनक है। भाजपा सरकार बनने पर 24 घंटे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। अपने संबोधन में शाह ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने का वादा भी दोहराया। उन्होंने कहा कि इससे देश के सभी नागरिकों के लिए समान कानून सुनिश्चित होगा।

इसके अलावा उन्होंने महिलाओं, किसानों और युवाओं के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं और आर्थिक सहायता देने की भी घोषणा की।

बिहार में सरकारी डॉक्टरों के निजी प्रैक्टिस पर प्रतिबंध

एजेंसी

पटना। बिहार की नीतीश कुमार सरकार ने एक अहम निर्णय लेते हुए सरकारी चिकित्सकों की निजी प्रैक्टिस पर पूर्ण रूप से रोक लगा दी है। इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के सचिव लोकेश कुमार सिंह ने शनिवार को आधिकारिक पत्र जारी कर दिया। अब राज्य के सरकारी डॉक्टर निजी क्लीनिक या अन्य स्थानों पर प्रैक्टिस नहीं कर सकेंगे। यह निर्णय 'सात निश्चय-3' योजना के तहत लिया गया है, जिसके अंतर्गत एलोपैथी चिकित्सा पद्धति में कार्यरत बिहार स्वास्थ्य सेवा संवर्ग, बिहार चिकित्सा सेवा संवर्ग तथा इंदिरा गांधी हृदय रोग संस्थान के चिकित्सा सेवा संवर्ग के डॉक्टरों और मेडिकल शिक्षकों पर यह प्रतिबंध लागू होगा।बिहार सरकार का मानना है कि निजी प्रैक्टिस के कारण कई बार डॉक्टरों का ध्यान बंट जाता है, जिससे सरकारी अस्पतालों में मरीजों को समय पर और समुचित इलाज नहीं मिल पाता। इस रोक के बाद डॉक्टरों की अस्पतालों में उपस्थिति बढ़ेगी और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आने की उम्मीद है। सरकार ने यह भी स्वीकार किया है कि इस फैसले से

डॉक्टरों की आय प्रभावित हो सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए उन्हें गैर-अभ्यास भत्ता (नॉन-प्रैक्टिसिंग अलाउंस) (एनपीए) या अन्य प्रोत्साहन राशि देने का प्रावधान किया गया है। इसके लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जल्द जारी किए जाएंगे।

23 मार्च से अब तक जरूरतमंदों को 12 लाख से अधिक 5-किलो के एलपीजी सिलेंडर बेचे गए: केंद्र

● जबकि फरवरी 2026 में यह दैनिक औसत 77,000 था।

एजेंसी

नई दिल्ली । सरकार ने शनिवार को बताया कि 10 अप्रैल को 51.5 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। साथ ही, देश भर में लगभग 1 लाख 5-किलो के एफटीएल सिलेंडर बेचे गए, जबकि फरवरी 2026 में यह दैनिक औसत 77,000 था। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि 23 मार्च, 2026 से अब तक छात्रों और प्रवासी मजदूरों सहित जरूरतमंद समुदायों को 12 लाख से अधिक 5-किलो के एलपीजी सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सरकार ने सूचित किया है कि प्रवासी श्रमिकों को वितरित करने के लिए प्रत्येक राज्य में उपलब्ध 5 किलोग्राम एफटीएल सिलेंडरों की दैनिक मात्रा को 2-3 मार्च के दौरान प्रवासी श्रमिकों को दी गई औसत दैनिक आपूर्ति (सिलेंडरों की संख्या) के आधार पर दोगुना किया जा रहा है।

ये 5 किलोग्राम के एफटीएल सिलेंडर राज्य सरकार के पास उपलब्ध रहेंगे और इनका उपयोग केवल राज्य में प्रवासी श्रमिकों को तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) की सहायता से किया जाएगा। सरकार ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की ओएमसी कंपनियों ने पिछले 8 दिनों में 5 किलोग्राम के एफटीएल सिलेंडरों के लिए लगभग 2,900 जागरूकता शिविर आयोजित किए, जिनमें 29,000 से अधिक 5 किलोग्राम के एफटीएल सिलेंडर बेचे गए। मंत्रालय के अनुसार नागरिकों को पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की घबराहट में खरीदारी से बचने और जानकारी के लिए केवल आधिकारिक स्रोतों पर भरोसा करने की सलाह दी जाती है। एलपीजी उपभोक्ताओं से अनुरोध है कि वे डिजिटल बुकिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग करें और वितरकों के पास जाने से बचें। नागरिकों को पीएनजी और इलेक्ट्रिक या इंडक्शन कुकटॉप जैसे वैकल्पिक ईंधनों का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

बंगाल चुनाव-2026 : कोयलांचल में खिलेगा कमल, बंगाल में आएगा परिवर्तन : रेखा गुप्ता

● दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रानीगंज में जनसभा को किया संबोधित

एजेंसी

आसनसोल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज होती जा रही है। तमाम राजनीतिक दलों के नेता चुनाव प्रचार में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को रानीगंज में एक जनसभा को संबोधित किया।

कोयलांचल क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचीं रेखा गुप्ता ने आज एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि अब कोयले की खदानों में 'कमल खिलेगा' और राज्य की जनता बदलाव चाहती है। उन्होंने दावा किया कि यह परिवर्तन केवल भाजपा के नेतृत्व में ही संभव है और जनता का भरोसा लगातार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर बढ़ रहा है।

रेखा गुप्ता ने अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि पिछले 15 वर्षों में

राज्य में भ्रष्टाचार और भय का माहौल बना है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के रोजगार और किसानों की स्थिति गंभीर चिंता का विषय है और सरकार इन मुद्दों पर विफल रही है। रेखा गुप्ता ने भाजपा की 'विकास और विश्वास' की राजनीति को आगे बढ़ाने की बात करते हुए कहा कि पार्टी सत्ता में आने पर हर वर्ग के लिए काम करेगी। उन्होंने शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं में सुधार का वादा किया और कहा कि भाजपा का लक्ष्य केवल सत्ता हासिल करना नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। अपने भाषण में उन्होंने बार-बार 'परिवर्तन' का उल्लेख करते हुए कहा कि बंगाल में बदलाव की हवा चल रही है और जनता मौजूदा सरकार से निराश हो चुकी है। उनका दावा था कि इस बार का चुनाव राज्य के भविष्य का फैसला करेगा।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने देखा 'स्वार्म ड्रोन' और आईएसआर तकनीक का दम

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय सेना के आधुनिकीकरण और स्वदेशी तकनीकों के उपयोग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए थल सेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज का दौरा किया। इस दौरान उन्हें संगठन द्वारा विकसित की जा रही मानवरहित और ऊँची-ऊँचाई पर काम करने वाली अत्याधुनिक प्रणालियों की जानकारी दी गई। दौरे के दौरान अधिकारियों ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी को स्वदेशी रूप से विकसित ड्रोन और अन्य तकनीकी समाधानों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। विशेष रूप से स्वार्म ड्रोन टेक्नोलॉजी और आईएसआर (इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस) क्षमताओं में हुई प्रगति पर चर्चा की गई। इन तकनीकों की मदद से सेना को दुर्गम और चुनौतीपूर्ण इलाकों में भी लगातार निगरानी रखने और मजबूत संचार बनाए रखने में सहायता मिलती है। न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजी द्वारा विकसित स्वार्म ड्रोन तकनीक एक साथ कई ड्रोन के समन्वित संचालन की क्षमता प्रदान करती है, जिससे दुश्मन की गतिविधियों पर तेजी से नजर रखी जा सकती है। वहीं इंटेलिजेंस, सर्विलांस और रिकॉनिसेंस क्षमताएं सेना को वास्तविक समय में महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराती हैं, जो रणनीतिक निर्णय लेने में बेहद उपयोगी साबित होती हैं।

● कहा-दुश्मन की हर हरकत पर होगी पैनी नजर

● ऊंची-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ऑपरेशन को प्रभावी बनाने और सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी प्रणालियां बेहद महत्वपूर्ण हैं।

इस अवसर पर जनरल द्विवेदी ने स्वदेशी नवाचारों की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक युद्ध के बदलते स्वरूप को देखते हुए भारतीय सेना को अत्याधुनिक और आत्मनिर्भर तकनीकों को अपनाना आवश्यक है।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ऊंची-ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ऑपरेशन को प्रभावी बनाने और सैनिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऐसी प्रणालियां बेहद महत्वपूर्ण हैं। यह दौरा भारतीय सेना की भविष्य की युद्ध क्षमताओं को सशक्त बनाने की दिशा में अहम माना जा रहा है। यह दौरा भारतीय सेना के उस व्यापक दृष्टिकोण को भी दर्शाता है, जिसमें स्वदेशी अनुसंधान और विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। सेना का लक्ष्य है कि वह भविष्य के युद्धक्षेत्र में तकनीकी बढ़त बनाए रखते हुए अपनी ऑपरेशनल क्षमताओं को और मजबूत करे। यह पहल 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को आगे बढ़ाने के साथ-साथ भारतीय सेना को तकनीकी रूप से अधिक सक्षम और प्रभावी बनाने की दिशा में एक ठोस कदम मानी जा रही है।

मेरठ : बेटी की मौत के बाद 6 महीने तक घर में रखा शव, परफ्यूम छिड़ककर छिपाता रहा राज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में रिश्तों और इंसानियत को झकझोर देने वाली एक रोंगटे खड़े कर देने वाली वारदात सामने आई है। सदर बाजार के तेली मोहल्ला निवासी एक पिता ने अपनी 32 वर्षीय बेटी की मौत के बाद उसका अंतिम संस्कार करने के बजाय, करीब छह महीने तक उसके शव को घर के भीतर ही छिपाए रखा। हैरान करने वाली बात यह है कि शव से आने वाली दुर्गंध को दबाने के लिए आरोपी पिता तीन महीने तक उस पर परफ्यूम और रूम फ्रेशनर छिड़कता रहा। जब लाश पूरी तरह कंकाल में तब्दील हो गई, तो वह मकान में ताला लगाकर देहरादून फरार हो गया। इस सनसनीखेज मामले का खुलासा शुक्रवार को तब हुआ जब आरोपी उदय भानू विश्वास को उसके परिजनों ने बेगमबाग स्थित एक चाय की दुकान पर कुछ रिक्शा चालकों के साथ देखा। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त उदय भानू से जब उसकी अविवाहित बेटी प्रियंका के बारे में पूछा गया, तो उसने गोलमोल जवाब देते हुए कहा कि उसका इलाज देहरादून के एक अस्पताल में चल रहा है। शक होने पर परिजन उसे जबरन घर ले आए और बंद मकान का दरवाजा खुलवाया। अंदर का नजारा देख सबकी रूह कांप गई; बिस्तर पर प्रियंका का कंकाल पड़ा हुआ था। जांच में सामने आया है कि प्रियंका की मौत अक्टूबर 2025 में दशहरे के आसपास हुई थी। आरोपी ने इस बात को रिश्तेदारों से छिपाए रखा और दिसंबर तक शव के साथ ही उसी घर में रहा। जब पड़ोसियों को बदबू का अहसास होने लगा, तो वह परफ्यूम का इस्तेमाल करने लगा। 25 दिसंबर के बाद वह घर छोड़कर भाग गया और देहरादून में रिक्शा चलाने लगा। इस बीच, रिश्तेदारों के फोन आने पर वह बेटी के इलाज का बहाना बनाता रहा।

मणिपुर में पेट्रोलिंग कर रहे जवान की गोली मारकर हत्या, बीएसएफ में था तैनात

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के उखरुल जिले में शुक्रवार को पेट्रोलिंग ड्यूटी पर तैनात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) के एक जवान की गोली मारकर हत्या कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक कांस्टेबल मिथुन मंडल को शाम को गोली लगी। गोली लगने के बाद उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि मिथुन मंडल पश्चिम बंगाल के भगजन टोला गांव के रहने वाले थे और बीएफएफ में तैनात थे। बता दें फरवरी में दो समुदायों के बीच हुई जातीय झड़पों के बाद कुकी गांव मोंगकोट चेपू और पड़ोसी तांगखुल नागा इलाके में गोलीबारी की घटनाएं होती रही हैं। यहां जारी तनाव के बीच पेट्रोलिंग कर रहे बीएफएफ के जवान पर यह हमला हुआ है। मणिपुर पुलिस ने बयान जारी कर बताया कि हमले के पीछे शामिल लोगों को पकड़ने के लिए सुरक्षा बल इलाके में सर्च ऑपरेशन और चला रहा है। फिलहाल हमलावरों की पहचान सार्वजनिक नहीं की गई है। सीएम वाई खेमचंद सिंह ने कहा कि कांस्टेबल मिथुन मंडल की दुखद शहादत की कड़ी निंदा करता हूं। पश्चिम बंगाल के इस बहादुर बेटे के ड्यूटी के दौरान दिए गए बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा।

एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर पत्थरबाजी

पलक्कड़ (एजेंसी)। पलक्कड़ के एर्नाकुलम से बेंगलुरु जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा पत्थर फेंकने की घटना सामने आई है। घटना में ट्रेन को मामूली नुकसान पहुंचा है, हालांकि किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है। रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी के अनुसार यह शाम करीब 4:30 बजे पलक्कड़ जिले के पराली इलाके के पास हुई। तब ट्रेन अपनी नियमित गति से बेंगलुरु की ओर बढ़ रही थी। अचानक किसी ने ट्रेन पर पत्थर फेंक दिया। जिससे कोच में लगी एक खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हुआ। रेलवे पुलिस के अधिकारी ने बताया कि घटना के तुरंत बाद स्थिति पर काबू पाया गया। रेलवे कर्मचारियों ने भी तत्परता दिखाकर सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने इस बारे में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने कुछ स्थानीय लोगों से भी जानकारी जुटाई है, ताकि घटना के पीछे के कारणों का पता लगाया जा सके। पुलिस ने दावा किया है कि यह कृत्य किसी मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति या नशे की हालत में किसी व्यक्ति द्वारा किया गया हो सकता है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा है कि सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

गोवा, महाराष्ट्र, बंगाल और आखिर में पंजाब... 35 साल बाद पकड़ा गया हत्या का आरोपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 35 साल से फरार चल रहे एक हत्या आरोपी छवि लाल वर्मा को पंजाब के लुधियाना से गिरफ्तार किया है। यह मामला 2 अगस्त 1991 का है, जब पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में एक घर के अंदर मां और बेटे पर चाकू से हमला हुआ था। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इलाज के दौरान मां की मौत हो गई, जबकि बेटा कई दिनों बाद ठीक हो गया। होश में आने पर बेटे ने बताया कि हमला उनके किराएदार छवि लाल ने किया था। यह जानकारी मिलते ही आरोपी को एहसास हुआ कि वह जल्द ही पकड़ा जाएगा, इसलिए वह फरार हो गया। पुलिस ने लंबे समय तक उसकी तलाश की और उसके उत्तर प्रदेश के सुल्तानपुर स्थित घर पर भी नजर रखी, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। हैरानी की बात यह रही कि छवि लाल ने कभी अपने परिवार से सीधे संपर्क नहीं किया, यहां तक कि अपने बच्चों की शादी में भी नहीं पहुंचा। इसके साथ ही समय बीतने के साथ मामला ठंडा पड़ गया, लेकिन हाल ही में क्राइम ब्रांच ने पुरानी फाइलों की समीक्षा शुरू की। करीब छह माह पहले इस केस को फिर से खोला और नई जांच शुरू हुई। जांच के दौरान पता चला कि छवि लाल अपने परिवार से सीधे बात करने के बजाय पड़ोसियों के जरिए संदेश भेजता था। इसी आधार पर पुलिस ने उसके गांव पर फिर नजर रखी और आखिरकार एक सुराग मिला। पुलिस ने 9 अप्रैल को लुधियाना में छवि लाल को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि मुझे लगा था कि उसकी मकान मालकिन के पास काफी पैसा है, इसलिए लूट और हत्या की योजना बनाई थी।

पाकिस्तान में सीजफायर को लेकर वार्ता के बीच भारत ने की बड़ी कूटनीतिक पहल

ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देशों से की अलग-अलग बातचीत

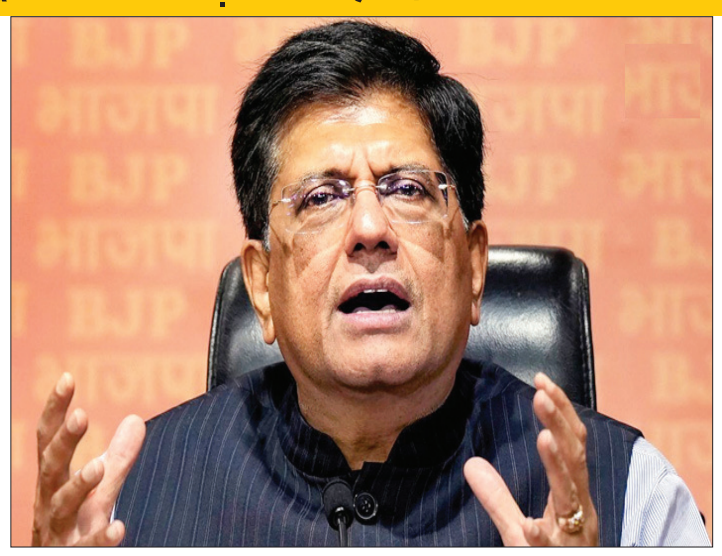

नई दिल्ली (एजेंसी)। मीडिया ईस्ट संकट के स्थायी समाधान को लेकर पाकिस्तान में अस्थायी सीजफायर से संबंधित पक्ष आगे का रास्ता तलाशने के लिए जुटे। इसी दौरान भारत ने एक बड़ी कूटनीतिक पहल की है, जिसमें ईरान युद्ध से प्रभावित खाड़ी के 6 अहम देश शामिल हुए। भारत ने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी) के देशों के साथ अपनी एकजुटता जाहिर की है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने भारत का यह संदेश सऊदी अरब, कतर, कुवैत, बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात और ओमान तक पहुंचाया है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने खाड़ी के इन छह देशों को एक बार फिर यह बात दोहराई है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष की वजह से पैदा होने वाली जरूरी खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन में आने वाली किसी भी तरह की रुकावट के समाधान में हमारा समर्थन जारी रहेगा।

वाणिज्य मंत्रालय की ओर से इस संबंध में शुक्रवार को बयान जारी किया गया था, उससे स्थिति और साफ हुई कि मौजूदा संकट की स्थिति में खाड़ी देशों की चुनौतियों को लेकर भारत का स्टैंड क्या है।

गोयल ने गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के सेक्रेटरी जनरल जासेम मोहम्मद अल बुदैवी से वर्चुअल कॉल में उम्मीद जताई कि क्षेत्र में जो युद्धविराम घोषित हुआ है, वह स्थायी होगा और स्थायी शांति एवं स्थिरता का रास्ता साफ करेगा। इस दौरान गोयल ने वर्चुअल माध्यम से ही जीसीसी के यूएई, बहरीन और कुवैत जैसे सदस्यों से अलग से भी बात की। भारत के लिए खाड़ी देशों के इस ग्रुप के साथ इस तरह की एकजुटता दिखाना इस वजह से बहुत ही अहम है, क्योंकि यह ब्लॉक भारत का सबसे बड़ा तेल और गैस सप्लायर है। इसके अलावा खाड़ी देशों के इस ग्रुप के साथ भारत की फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को लेकर भी बातचीत चल रही है। गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल से पीयूष गोयल की चर्चा से पहले पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी कतर की यात्रा पर गए।

रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्री एस जयशंकर भी शनिवार से संयुक्त अरब अमीरात की यात्रा पर हैं। पश्चिम एशिया संकट की वजह से खाड़ी देश हों या फिर भारत, सबसे बड़ी दिक्कत होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर हो रही है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को जिस तरह से नियंत्रण में कर लिया है, उससे अगर भारत के सामने तेल और गैस का संकट खड़ा हुआ है तो खाड़ी देशों का निर्यात भी बंद हुआ है और उन तक पहुंचने वाले खाने-पीने की चीजों की सप्लाई चेन पर भी असर पड़ा है। ऐसे में गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल में ओमान की सदस्यता का इस समय अलग मायने है। ऐसे में ओमान को गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल के अन्य खाड़ी मुल्क सदस्यों के साथ एक टेबल पर लाना भारत की बड़ी कूटनीतिक पहल साबित हो सकती है।

थाईलैंड से भारत लाया जा रहा मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल, हरियाणा एसटीएफ हिरासत में लेगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हाथ लगी है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर साहिल चौहान को थाईलैंड से निर्वासित कर भारत वापस लाया जा रहा है। शनिवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उतरते ही हरियाणा स्पेशल टास्क फोर्स उसे अपनी हिरासत में ले लेगी। साहिल चौहान न केवल हरियाणा पुलिस बल्कि राष्ट्रीय जांच एजेंसी की हिट लिस्ट में भी प्रमुखता से शामिल था।

साहिल चौहान संगठित अपराध की दुनिया का एक खूंखार नाम बन चुका था। वह वर्तमान में जेल में बंद कुख्यात गैंगस्टर कौशल चौधरी के गिरोह का सबसे सक्रिय और मुख्य सदस्य माना जाता है। जांचकर्ताओं के अनुसार, साहिल विदेश में बैठकर भारत में कई कॉन्ट्रैक्ट किलिंग (सुपारी लेकर हत्या) की साजिशें रच रहा था। वह हरियाणा और दिल्ली-एनसीआर के व्यापारियों से रंगदारी वसूलने और उन्हें डराने-धमकाने के दर्जनों मामलों में वांछित है। भारत से बाहर रहने के कारण वह सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक बड़ी चुनौती बना हुआ था, क्योंकि वह वहीं से अपने गिरोह के नेटवर्क को संचालित कर रहा था। शनिवार को साहिल चौहान की वापसी को देखते हुए दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षा के चाक-चौबंद इंतजाम किए गए हैं। जैसे ही वह भारतीय जमीन पर कदम रखेगा, एसटीएफ उसे अपनी कस्टडी में लेकर सुरक्षित स्थान पर ले जाएगी। इसके बाद उसे अदालत में पेश कर रिमांड की मांग की जाएगी। सुरक्षा अधिकारियों का मानना है कि साहिल की गिरफ्तारी से कौशल चौधरी गिरोह की कमर टूट जाएगी। यह कार्रवाई उन अपराधियों के लिए एक सख्त संदेश है जो विदेश भागकर भारतीय कानून से बचने का भ्रम पाले हुए हैं।

गिरफ्तारी और निर्वासन की प्रक्रिया- साहिल की गिरफ्तारी केंद्र सरकार की सुरक्षा एजेंसियों और हरियाणा पुलिस के बीच बेहतर तालमेल का परिणाम है। उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद से ही अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां उसकी तलाश में थीं। हाल ही में उसे थाईलैंड में हिरासत में लिया गया था, जिसके बाद भारत सरकार ने कूटनीतिक स्तर पर उसके निर्वासन की प्रक्रिया को तेजी से पूरा कराया।

जेल से बाहर आने दुष्कर्म के आरोपी ने चली चाल, युवती से शादी का किया नाटक

-लड़की ने अपील की हाईकोर्ट ने आरोपी की जमानत याचिका की खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। नाबालिग लड़की से रेप के आरोपी ने जेल से निकलने का प्लान बनाया। उसने अपनी चिकनी-चुपड़ी बातों में लड़की को उलझाकर उससे शादी कर ली। शादी के बाद उसे जमानत मिल गई और वह जेल से बाहर आ गया, लेकिन बाद में लड़की को अहसास हुआ कि ये शादी एक फरेब थी। ऐसे में लड़की ने कोर्ट में अपील की और आरोपी की जमानत याचिका खारिज हो गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट का है। आरोपी पर लॉ स्टूडेंट के नाबालिग होने के दौरान उसके साथ दुष्कर्म करने और फिर अपने खिलाफ एफआईआर दर्ज होने के बाद उससे शादी करने का आरोप है। कोर्ट ने कहा कि यह शादी जेल जाने से बचने की एक चाल थी। जस्टिस गिरीश कथपालिया ने कहा कि आरोपी ने यह शादी सिर्फ जमानत पाने की एक चाल के तौर पर की, जबकि उसने एक नाबालिग लड़की के साथ बार-बार दुष्कर्म किया था, लेकिन शादी कर लेने से भी आरोपी इस अपराध से बरी नहीं हो जाएगा।

कोर्ट ने पीड़ित के बदलते रुख पर भी बात की। बता दें पीड़िता ने कहा कि उसे एफआईआर की बातों की जानकारी नहीं थी, क्योंकि शिकायत उसके वकील ने लिखी थी। कोर्ट ने कहा कि यह बात यकीन करने लायक नहीं है कि लॉ की स्टूडेंट होने के बावजूद उसे एफआईआर की बातों का पता नहीं था, जबकि शिकायत का अनुवाद अंग्रेजी से हिंदी में किया गया था। जज ने दोनों के बर्ताव को देखते हुए जमानत की अर्जी खारिज कर दी। प्रॉसिक्यूशन के मुताबिक वह आरोपी सोशल मीडिया पर उस लड़की से मिला और उससे दोस्ती कर ली। बाद में, उसने शादी का झांसा देकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए और उसे दो बार गर्भपात करवाने के लिए मजबूर किया। जब वह बालिग हो गई तो उसने उससे शादी करने से इनकार कर दिया, जिसके बाद उसने एफआईआर दर्ज करवाई। फिर उस शख्स ने फरवरी 2026 में उससे शादी कर ली। हाई कोर्ट ने कहा आरोपी के गिरफ्तार होने और जेल में जाने के बाद ही वह उससे शादी करने को राजी हुआ, इसलिए इस कोर्ट के आदेश के तहत उसकी अंतरिम जमानत अर्जी का निपटारा कर दिया गया। अतिरिक्त सरकारी ने इस अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि पुलिस को उस महिला के खिलाफ भी कार्रवाई करने की जरूरत है। आरोपी ने कहा कि उसकी उस महिला से शादी हो चुकी है और यह जमानत के लिए एक सही मामला है।

बिहार में मुख्यमंत्री की रेस में चिराग पासवान का बयान... मैं इस रेस में शामिल नहीं

नीतिश को पागल कहने वाली राजद को जनता ने 25 सीटों पर सिमट दिया

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब राज्यसभा सांसद बन गए हैं। वे 14 अप्रैल को सीएम पद से इस्तीफा दे सकते हैं। इसके साथ ही अगले दिन बिहार में नई सरकार का गठन होगा।

जहां बिहार में नई सरकार को लेकर हलचल तेज है। वहीं शनिवार सुबह जदयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और मंत्री विजय चौधरी, सीएम नीतीश से मिलने पहुंचे। सीएम आवास पर करीब 2 घंटे तक जेडीयू नेताओं की बैठक हुई। बैठक में नए मंत्रिमंडल के स्वरूप और उसमें युवा चेहरों को शामिल करने को लेकर चर्चा हुई। वहीं, पटना में भाजपा की अहम बैठक होने वाली है। इसमें बिहार बीजेपी के प्रभारी विनोद तावड़े मौजूद रहने वाले है। बैठक में सीएम चेहरे और नई सरकार के गठन पर चर्चा हो सकती है।

इधर, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने स्पष्ट किया कि वे बिहार में सीएम की रेस में नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार का सिर्फ चेहरा बदलेगा, लेकिन फॉर्मूला वहीं रहेगा।

राजद नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के बयान पर अशोक चौधरी ने कहा, एक व्यक्ति मुख्यमंत्री का पद छोड़कर राज्यसभा जा रहा है। इनके परिवार में ऐसा उदाहरण नहीं है। इनके परिवार में उदाहरण है कि पिता (लालू यादव) जेल गए.....माता(राबड़ी देवी) को मुख्यमंत्री बना दिया था। चुनाव के पहले कहते थे कि नीतीश मानसिक रूप से पागल हो गए हैं। इसके बाद बिहार की जनता दिखा दिया राजद 25 सीटों पर सिमट गई। आने वाले समय में राजद का पूरा सत्यानाश होगा। नई सरकार के सवाल पर चौधरी ने कहा कि नीतीश के राज्यसभा सदस्य बनने से फिलहाल सरकार बदलने की कोई बात नहीं है।

शुक्रवार को नीतीश ने राज्यसभा सांसद के रूप में शपथ ग्रहण की। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें शपथ दिलाई। इस मौके पर बिहार एनडीए के कई नेता मौजूद रहे। इसके साथ ही नीतीश कुमार ने इस शपथ के साथ एक अनोखा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया है। वे देश के उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हो गए हैं,

जो चारों सदनों, लोकसभा, राज्यसभा, बिहार विधानसभा और विधान परिषद के सदस्य रह चुके हैं। राज्यसभा में यह उनका पहला कार्यकाल है।

शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद को मिली जान से मारने की धमकी

वाराणसी (एजेंसी)। ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को जान से मारने की धमकी मिलने के मामले में भेलूपुर थाने में शनिवार को अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 351(4) और 352 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। धमकी देने वाले ने ऑडियो मैसेज के माध्यम से कहा था कि शंकराचार्य को अतीक अहमद की तरह मार दिया जाएगा और उनका समय नजदीक आ गया है। पुलिस के अनुसार, शंकराचार्य को धमकी दिए जाने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच के दौरान धमकी भेजने वाले मोबाइल नंबर की भी पहचान की जा रही है। शंकराचार्य के मीडिया प्रभारी संजय पांडेय ने बताया कि हाल ही में ज्योतिष पीठ के आधिकारिक मोबाइल नंबर पर एक अप्रैल से लगातार टेक्स्ट मैसेज आने शुरू हुए थे। नंबर को ब्लॉक करने के बाद छह अप्रैल को वॉइस मेल में दो धमकी भरे ऑडियो संदेश भेजे गए। धमकी देने वाले ने ऑडियो में कहा, 'इस दुनिया से उनका समय आ गया है, अब ज्यादा दिन नहीं रह सकते।' बार-बार शंकराचार्य जी महाराज से बात करने का दबाव बनाया गया। संदेश में यह भी कहा गया कि जहां भी वे यात्रा कर रहे हैं, बीच रास्ते में ही उन्हें खत्म कर दिया जाएगा। धमकी देने वाले ने दावा किया कि 'मेरे जैसे लाखों लोग हैं, जो उन्हें मारने के लिए तैयार हैं।'

गर्मी के लिए हो जाएं तैयार! यूपी-बिहार समेत कई राज्यों में बढ़ेगा पारा, हीटवेव का भी अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। उत्तर भारत में इस साल अप्रैल महीने का मौसम उम्मीद के बिल्कुल विपरीत नजर आ रहा है। मार्च की शुरुआत में जिस तरह भीषण गर्मी का अहसास हुआ था, उसके उलट अप्रैल में अब तक एक भी दिन वैसी तपिश महसूस नहीं की गई है। लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण तेज हवाओं और बारिश का दौर जारी रहने से तापमान सामान्य से करीब 4 से 5 डिग्री सेल्सियस नीचे बना हुआ है। हालांकि, मौसम विभाग का ताजा अनुमान संकेत दे रहा है कि अब उत्तर और पश्चिम भारत में धीरे-धीरे गर्मी अपना असर दिखाना शुरू करेगी।

शनिवार, 11 अप्रैल को उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलेंगीका, जिसकी वजह से फिलहाल तापमान में बहुत अधिक बढ़ोतरी दर्ज नहीं की जाएगी। राजधानी दिल्ली और आसपास के

क्षेत्रों में आज मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना है। रविवार से यहां पारे में उछाल देखा जा सकता है और अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। राहत की बात यह है कि सुबह और शाम के समय ठंडी हवाएं चलती रहेंगी, जिससे दिल्लीवासियों को फिलहाल चिलचिलाती गर्मी से जूझना नहीं पड़ेगा। उत्तर प्रदेश में भी अब बारिश की संभावना नहीं है और ज्यादातर हिस्सों में चटख धूप खिली रहेगी। राज्य में अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस तक जा सकता है। हालांकि, 15 अप्रैल के बाद यूपी में हीट वेव यानी लू की स्थिति बनने के आसार हैं। बारिश का रुकना किसानों के लिए एक बड़ी राहत की खबर है, क्योंकि बेमौसम बरसात ने गेहूं की फसल को काफी नुकसान पहुंचाया था। अब तेज धूप निकलने से बची हुई फसल की कटाई और सुखाने में मदद मिलेगी। पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में भी आसमान साफ रहने और धूप निकलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, इन राज्यों में 12 अप्रैल से लू का असर दिखने लगेगा और गर्मी तेजी से बढ़ेगी। दूसरी ओर, पहाड़ी राज्यों में मौसम अब भी सुहाना बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में छिटपुट बर्फबारी और हल्की बारिश का दौर जारी है। हिमाचल में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवाओं के कारण ऊंचे क्षेत्रों में ठंडक बनी रहेगी, जबकि मैदानी इलाकों में मौसम शुष्क रहेगा।

वृंदावन नाव हादसा : यमुना में रेस्क्यू ऑपरेशन जारी, अब तक 10 की मौत और 5 अब भी लापता

मथुरा (एजेंसी)। धर्मनगरी वृंदावन के केसी घाट पर शुक्रवार को हुए दर्दनाक नाव हादसे ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। इस हादसे में अब तक 10 लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि 22 लोगों को सुरक्षित निकाल लिया गया है। शनिवार को दूसरे दिन भी लापता 5 लोगों की तलाश में बड़े स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है।तलाश अभियान को तेज करने के लिए सेना (आर्मी) समेत विभिन्न राहत दलों के करीब 250 जवान तैनात किए गए हैं। रेस्क्यू टीमें घटनास्थल से लेकर 14 किलोमीटर के दायरे में जाल बिछाकर लापता लोगों को ढूंढ रही हैं। इस तलाशी अभियान में नाव जंगलों में फंसी मिल गई है लेकिन 5 लोग अभी भी लापता हैं।

अधिकारियों के मुताबिक, यमुना का बहाव तेज होने के कारण लापता लोगों के दूर बह जाने की आशंका है। साथ ही, नदी के तल में भारी गाद और कीचड़ होने की वजह से शवों के रेत में दबे होने की संभावना भी जताई जा रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि हादसे के 24 घंटे बीतने के बाद शव फूलकर पानी की सतह पर आ सकते हैं। यह दर्दनाक हादसा शुक्रवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ, जब 37 श्रद्धालुओं से भरी एक नाव यमुना के बीचों-बीच पलट गई। शुरुआती जांच में सामने आया है कि नाव की क्षमता 40 लोगों की थी, लेकिन सुरक्षा नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए किसी भी श्रद्धालु को लाइफ जैकेट नहीं दी गई थी। मृतकों में एक ही परिवार के 7 लोग शामिल हैं, जिनमें मां-बेटे, चाचा-चाची और बुआ-फूफा जैसे करीबी रिश्तेदार थे। जिस जगह नाव डूबी, वहां पानी की गहराई करीब 25 फीट बताई जा रही है।

हादसे में जीवित बचे एक युवक ने बताया कि नाव तट से करीब 50 फीट दूर थी, तभी 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने लगीं। नाव डगमगाने लगी और नाविक ने नियंत्रण खो दिया। श्रद्धालुओं ने नाविक से नाव रोकने की गुहार लगाई, लेकिन उसने अनसुना कर दिया। नाव दो बार पीपा पुल से टकराते-टकराते बची, लेकिन तीसरी बार जोरदार टक्कर हुई और नाव देखते ही देखते पानी में समा गई। पुलिस ने मुख्य आरोपी नाविक पप्पू निषाद को हादसे के 6 घंटे बाद शनिवार रात हिरासत में ले लिया है। वह हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया था। प्रशासन अब इस मामले में कड़ी कार्रवाई की तैयारी कर रहा है।

9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की एसआईआर में 6.08 करोड़ नाम कटे

यूपी में 2.04 करोड़ तो पश्चिम बंगाल में 91 लाख लोग फाइनल सूची से बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग के एसआईआर के दूसरे फेज के तहत शुक्रवार को यूपी में फाइनल वोटर सूची जारी की। इसके पूरा होने के बाद 9 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों की वोटरों की सूची में कुल 6.08 करोड़ नाम कट गए हैं। पिछले साल 27 अक्टूबर को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने से पहले 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में कुल मतदाताओं की संख्या करीब 51 करोड़ थी। फाइनल सूची जारी होने के बाद यह संख्या 44.92 करोड़ रह गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर के दूसरे फेज में यूपी, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, राजस्थान, छत्तीसगढ़, केरल, गुजरात, मध्य प्रदेश, गोवा समेत पुडुचेरी, अंडमान-निकोबार, लक्षद्वीप की फाइनल वोटर सूची जारी की गई है। यूपी में शुक्रवार को जारी हुई एसआईआर की फाइनल सूची में वोटर्स की संख्या 13फीसदी घटकर 13.39 करोड़ रह गई यानी 2.04 करोड़ लोगों के नाम कट गए हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में करीब 91 लाख वोटर्स के नाम फाइनल सूची से बाहर हो गए हैं।

चुनाव आयोग ने 24 जून 2025 को पूरे देश में एसआईआर कराने का आदेश दिया था। अब तक 10 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेश कवर हो चुके हैं। एसआईआर के पहले फेज में बिहार, दूसरे फेज में 9 राज्य और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में एसआईआर कराया गया था। वहीं असम में एसआईआर के बजाय 10 फरवरी को स्पेशल रिवीजन पूरा किया गया था। इस पूरी प्रक्रिया के दौरान कई राज्यों में शेड्यूल में कई बार बदलाव हुए। तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में राजनीतिक दलों ने इस प्रक्रिया को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है।

बता दें देश के करीब 99 करोड़ मतदाताओं में से 60 करोड़ को इस अभियान में शामिल किया जा चुका है। अब बाकी 39 करोड़ मतदाताओं को एसआईआर के तीसरे फेज 17 राज्यों और 5 केंद्र शासित प्रदेशों में कवर किया जाएगा। इन 22 राज्यों-यूटी में एसआईआर प्रक्रिया इस महीने पांच विधानसभा चुनावों के बाद शुरू की जाएगी। पश्चिम बंगाल में एसआईआर के दौरान करीब 91 लाख नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। चुनाव आयोग के मुताबिक यह कार्रवाई नवंबर से चल रही प्रक्रिया के तहत की गई है, आयोग के 28 फरवरी तक के आंकड़ों के मुताबिक एसआईआर शुरू होने के बाद 63.66 लाख नाम हटाए गए थे, जिससे मतदाताओं की संख्या करीब 7.66 करोड़ से घटकर 7.04 करोड़ रह गई। बाद में जांच और प्रक्रिया पूरी होने के साथ कुल हटाए गए नामों की संख्या बढ़कर करीब 90.83 लाख हो गई है।

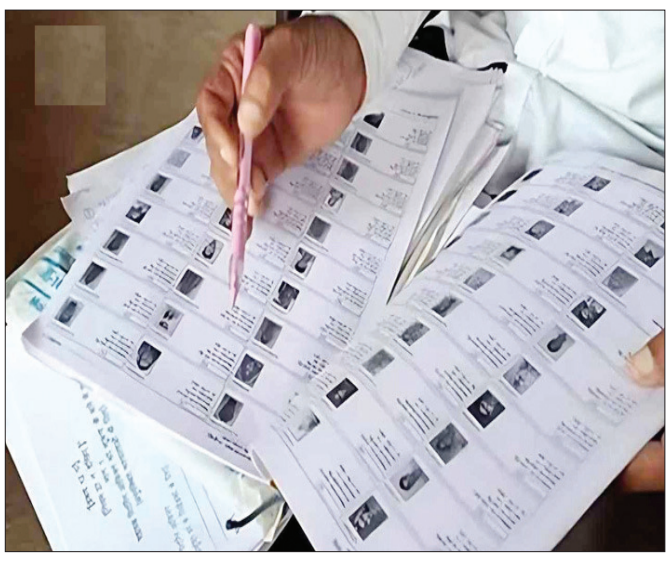

महिला की हत्या कर डबल बेड के बॉक्स में छिपाया शव, प्रेमी संग तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में मंगलवार शाम करीब 35 साल एक महिला की हत्या कर दी गई। मृतका का शव पत्थर मार्केट स्थित एक पीजी में तीसरी मंजिल के कमरे में डबल बेड के बॉक्स में बरामद हुआ। शाम के समय पीजी में रहने वाला लड़का जब अपने कमरे पर पहुंचा तो उसने बेड में शव देखा। इसके बाद उसने पहले पीजी मालिक व बाद में पुलिस को खबर दी। माना जा रहा कि प्रेमी दीपक ही महिला को बुलाकर पीजी में लाया था और पीजी वालों से मिलीभगत कर वह कमरे में घुस जाता था। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। महिला पर किसी धारदार हथियार से हमला करने के अलावा उसका गला भी घोंटा गया था। बाद में शव को कंबल में लपेटकर बेड के बॉक्स में डाला गया था। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर महिला के प्रेमी समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान प्रेमी दीपक (22) के अलावा सुरेंद्र उर्फ बॉबी और जोगिंदर के रूप में हुई है। आशंका है कि दीपक ने महिला से दुष्कर्म किया। बाद में उसकी हत्या कर दी। इस बीच शव को ठिकाने लगाने में उसके दोस्त व रिश्तेदार सुरेंद्र व जोगिंदर ने उसकी मदद की। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही कि कहीं तीनों आरोपियों ने तो उसके साथ दुष्कर्म नहीं किया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने कहा कि बुधवार को संजय गांधी अस्पताल की मोर्चरी में शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों के हवाले किया गया है। पीएम रिपोर्ट के आधार पर तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी। बाहरी जिला के पुलिस उपायुक्त विक्रम सिंह ने बताया कि महिला अपने परिवार के साथ मंगोलपुरी इलाके में रहती थी। परिवार में पति के अलावा दो बेटे 16 और 8 साल व 13 साल की एक बेटी है। महिला का पति एक निजी कंपनी में नौकरी करता है। वह घरेलू सहायिका थी। मंगलवार शाम करीब 4 बजे वह अपनी बेटी को ट्यूशन छोड़ने के लिए घर से लेकर निकली। इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। 6.30 बजे बेटी का ट्यूटर उसे लेकर घर पहुंचा। बाद में महिला के गायब होने का पता चला। इसके बाद परिजनों ने महिला की तलाश शुरू की, लेकिन उसका पता नहीं चल पाया। इस बीच महिला के फोन से किसी अज्ञात व्यक्ति का कॉल आया। कॉलर ने बताया कि उसे उद्योग नगर, नांगलोई से यह फोन सड़क पर पड़ा मिला है। परिजनों ने उसकी तलाश शुरू कर दी। वह पुलिस थाने पहुंचे और महिला की गुमशुदगी दी। देर रात परिजनों को महिला की हत्या का पता चला। दो लाख रुपये वसूलने के लिए उतारा मौत के घाट = परिजनों का आरोप है कि दीपक महिला को ब्लैकमेल कर लगातार उससे पैसे वसूल रहा था। आरोपी महिला को बदनाम करने की धमकी देता था। परिजनों का आरोप है कि मंगलवार को महिला दो लाख रुपये लेकर घर से निकली थी। आरोपियों ने बकायदा साजिश बनाकर उसे मौत के घाट उतारा है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर मामले की छानबीन कर रही है।

पुलिस ने दो नाबालिगों को ढूंढकर परिवारों को सौंपा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा की मानव तस्करी विरोधी इकाई ने अलग-अलग क्षेत्रों से लापता हुए दो नाबालिग बच्चों को ढूंढकर सुरक्षित उनके परिवारों को सौंप दिया। अपराध शाखा उपायुक्त पंकज कुमार ने बताया कि थाना बुद्ध विहार में 15 सितंबर को आठ वर्षीय बच्ची के गुमशुदा होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। वह अपने गांव उत्तर प्रदेश के बांदवी से अपनी बुआ के साथ दिल्ली आई थी। खेलते-खेलते रास्ता भटक जाने पर वह जहांगीरपुरी इलाके में पहुंच गई। किसी राहगीर ने उसे अकेला देखकर पुलिस को सूचना दी। बाद में बाल कल्याण समिति के आदेश पर बच्ची को कंझावला स्थित बाल गृह भेज दिया गया। बाल गृह में दर्ज नाम अलग होने के कारण उसकी पहचान में कठिनाई हुई। इसके बावजूद अपराध शाखा के लगातार प्रयास से बच्ची की पहचान कर ली गई और उसे परिजनों के हवाले कर दिया। वहीं, दूसरा मामला थाना बुद्ध विहार का है। यहां 14 वर्षीय लड़के की गुमशुदगी की रिपोर्ट 27 सितंबर को दर्ज की गई थी। वह अपने दोस्त के साथ रामलीला देखने गया और वहीं रुक गया था। काफी देर तक घर न लौटने पर परिवार ने पुलिस को सूचना दी। एसीपी सुरेश कुमार की निगरानी में क्राइम ब्रांच ने कॉल डिटेल और तकनीकी जांच के साथ-साथ इलाके में तलाशी अभियान चलाकर नाबालिग को रिठाला गांव से बरामद कर लिया।

शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करने पर पलटा ऑटो

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के लक्ष्मी नगर इलाके में शिक्षिका का पर्स लूटकर भाग रहे बदमाशों का पीछा करते समय अनियंत्रित होकर ऑटो पलट गया। हादसे में ऑटो सवार पीड़िता अनुपमा शर्मा जख्मी हो गईं। इस बीच बदमाश मौके से भागने में कामयाब हो गए। ऑटो पलटने के बाद राहगीरों ने मदद कर चालक व शिक्षिका को ऑटो से बाहर निकाला और अस्पताल में भर्ती कराया। बाद में पुलिस ने अनुपमा का बयान लेकर मामला दर्ज कर लिया। पुलिस के हाथ कुछ सुराग लगे हैं, उसके आधार पर आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। पुलिस के मुताबिक शाहदरा के भोलानाथ नगर निवासी अनुपमा दक्षिण दिल्ली के सादिक नगर स्थित केंद्रीय विद्यालय में शिक्षिका हैं। 25 सितंबर की सुबह वह स्कूल जा रही थी। इस बीच लक्ष्मी नगर इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने उनका पर्स छीनने का प्रयास किया। पीड़िता ने पर्स की पट्टी पकड़ी हुई थी, आरोपियों ने झटका मारकर उसे छुड़ा लिया। पीड़िता ने ऑटो चालक से बदमाशों का पीछा करने के लिए कहा। चालक ने भी बाइक सवारों के पीछे ऑटो लगा दिया, लेकिन संतुलन बिगड़ने की वजह से ऑटो पलट गया और अनुपमा जख्मी हो गईं।

रंजिश में युवक पर चलाई गोली, बाल बाल बचा

नई दिल्ली। महेंद्र पार्क में बृहस्पतिवार रात रंजिश में एक युवक पर स्कूटी सवार नाबालिगों ने गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की पहचान निखिल सक्सेना (22) के रूप में हुई है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने हत्या का प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पीड़ित ने तीन नाबालिग लड़कों पर आरोप लगाया है जिनकी तलाश में पुलिस दबिश दे रही है। उत्तर पश्चिम जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार रात पुलिस को महेंद्र पार्क स्थित हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससे रंजिश रखते हैं। पुलिस ने मौके पर क्राइम और फोरेंसिक टीम को बुलाया। टीम ने वहां से कुछ साक्ष्य हासिल किए। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि पीड़ित दसवीं तक पढ़ा है और फिलहाल कोई काम नहीं करता है। वहीं, गोलीबारी करने वाले सभी आरोपी नाबालिग हैं। जिस जगह पर घटना हुई है वहां कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं है। घटना के बाद से नामजद सभी आरोपी अपने घर से गायब हैं। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए इनके ठिकानों पर दबिश दे रही है।

महिला को सम्मोहित कर नाबालिगों ने गहने उड़ाए, पुलिस ने दो को दबोचा

दिल्ली। सुल्तानपुरी इलाके में नाबालिगों ने एक महिला को सम्मोहित कर उसके गहने ठग लिए। शिकायत के बाद पुलिस ने सीसीटीवी कैमरे की जांच कर दोनों आरोपी की पहचान कर उन्हें घर से पकड़ लिया। इनके कब्जे से पुलिस ने सोने का लॉकेट बरामद किया है। बाहरी जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि 3 अगस्त को एक महिला ने ठगी की शिकायत दी। उन्होंने बताया कि वह सेक्टर 24 रोहिणी में ब्यूटी पार्लर चलाती है। रात में घर जाने के लिए बस स्टैंड पर खड़ी थी। इसी दौरान एक युवक आया और आनंद विहार जाने का रास्ता पूछा। फिर उसने बताया कि उसके ठेकेदार ने नौकरी से निकाल दिया है। उसके पास पैसे नहीं हैं। उसे भूख लगी है और खाना खिलाने के लिए कहा। इसी दौरान एक और युवक आ गया और वह लड़के की मदद करने के लिए कहा। फिर दोनों पीड़िता को लेकर होटल की तलाश करने लगे। इसी दौरान दूसरे युवक ने महिला से कहा कि इलाका ठीक नहीं है। वह रुमाल निकालकर दिखाया कि वह अपने पैसे रुमाल में रखता है। फिर उसने महिला से सारे गहने को एक रुमाल में डालने के लिए कहा। उसके बाद पीड़िता कान के दोनों टॉप्स, मोती का माला और एक सोने का लॉकेट रुमाल में रख दिया। युवक ने उसमें गांठ लगाकर पीड़िता को सौंप दिया। उसके बाद दोनों युवक वहां से भाग गए। जांच करने पर रुमाल से गहने गायब पाया। महिला ने पुलिस से इसकी शिकायत की। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने फुटेज के जरिए आरोपियों की पहचान कर ली। दोनों आरोपी के बी और सी ब्लॉक में मौजूद होने की जानकारी पर पुलिस ने वहां दबिश देकर दोनों को पकड़ लिया।

युवक को गोली लगने के मामले में दोस्त गिरफ्तार

नई दिल्ली। जहांगीरपुरी इलाके में रविवार को युवक को गोली मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने उसके ही दोस्त पंकज उर्फ पंखा को गिरफ्तार किया है। पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया है कि उसने रोहित को गोली मारी नहीं थी, बल्कि गलती से उसको लग गई थी। दरअसल सारे दोस्त मिलकर फूड की दुकान पर गोली चलने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस को वहां शिकायतकर्ता संजय नगर निवासी निखिल सक्सेना मिला। उसने पुलिस को बताया कि वह अपने दोस्त माणिक के साथ हेलो चाइना फास्ट फूड की दुकान आया था। दोनों दुकान के पास खड़े थे तभी तीन लोग स्कूटी पर आए और उनपर हमला कर दिया। आरोपियों ने उनपर गोली भी चलाई। गनीमत रही कि गोली किसी को भी नहीं लगी। पीड़ित ने तीनों आरोपियों को पहचानने का दावा करते हुए बताया कि सभी उसके घर के पास ही रहते हैं और उससेतमंचे को देख रहे थे, इसी दौरान गोली चल गई और रोहित घायल हो गया। सारे दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे लेकिन उसकी मौत हो गई। सभी उसे अस्पताल छोड़कर भाग खड़े हुए। वहीं, पुलिस पंकज की बात पर यकीन करने को तैयार नहीं है। पुलिस का कहना है कि फरार चल रहे आलम और आकाश के पकड़े जाने के बाद हकीकत सामने आएगी। वारदात में इस्तेमाल तमंचा भी बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस पता लगा रही है कि तमंचा कहां से लाया गया था। पुलिस के मुताबिक रविवार को बाबू जग जीवन राम अस्पताल से वारदात की सूचना मिली थी। रोहित सरदार कॉलोनी, रोहिणी, सेक्टर-16 में रहता था। पुलिस तभी से आरोपियों की तलाश कर रही है।

झगड़े के दौरान दोस्त की पीटकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्वी जिले की नंद नगरी थाना पुलिस ने हत्या के मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान नंद नगरी निवासी विशाल उर्फ काकू, हिमांशु, किशन उर्फ राहुल उर्फ चार्ली, चेतन उर्फ लक्की, गौरव उर्फ पिल्लू, सुमित उर्फ सिंधु और दिलशाद गार्डन निवासी अंकित के रूप में हुई है। पुलिस ने अंकित के कब्जे से एक स्कूटी बरामद की है। इन आरोपियों में से हिमांशु, किशन और चेतन पर पहले से हत्या का एक मामला दर्ज है। जिला पुलिस उपायुक्त आशीष मिश्रा ने बताया कि चार अगस्त देर रात नंद नगरी थाना पुलिस को सूचना मिली कि आशीष पर चार से पांच व्यक्तियों ने हमला कर दिया है।

श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन

नई दिल्ली। श्रीमद् भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का आयोजन दिनांक 3 अप्रैल को से प्रारम्भ होकर 10 अप्रैल शुक्रवार को भण्डारे के साथ करतार नगर चौथा पुस्ता, दिल्ली में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उत्तर पूर्वी

दिल्ली के घोण्डा विधानसभा के अध्यक्ष व वरिष्ठ नेता, अधिवक्ता अनिल कुमार शुक्ला ने कथा स्थल पर पहुंचकर कथा श्रवण पर अपने क्षेत्रवासियों के सुख समृद्धि की प्रार्थना की। भण्डारे में सभी राजनैतिक दलों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया।

बेटी के पेट में जिन्न..., नाबालिग के साथ तांत्रिक ने किया ऐसा कांड; परिवार से हड़प लिए तीन लाख रुपये

आगरा। तुम्हारी बेटी छह माह की गर्भवती है, उसके पेट में जिन्न का बच्चा है, बेटी की जान को भी खतरा है..... इस तरह की भ्रामक बातों से डराकर तांत्रिक ने परिवार वालों के साथ आई नाबालिग को कमरे में ले जाकर अश्लील हरकत की। डरा धमका कर दो दिन तक परिवार को मंदिर में रोके रखा, उनसे तीन लाख रुपये ऐंठ लिए। आगे ब्लैकमेल करने के लिए नाबालिग की अश्लील वीडियो बना ली। जब परिवार को बात झूठी होने का पता चला और उन्होंने रुपये वापस मांगे तो अपने साथी को दरोगा बनाकर धमकी दिलवाई। थाना जगदीशपुरा पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई कर रही है। पीड़ित फतेहपुसीकरी निवासी व्यक्ति ने बताया कि वह कुछ समय से शास्त्रीपुरम क्षेत्र में रह रहा है। कुछ समय से उसके पिता का संपर्क संतोषी उर्फ भैरव बाबा से हुआ था। संतोषी ने पिता को अंधविश्वास भरी बातों में फंसा लिया। परिवार पर जिन्न की बुरी नजर होने का डर दिखाया। इलाज के बहाने जगदीशपुरा के अमरपुरा स्थित भैरव मंदिर पर पूजा अर्चना के लिए बुलाया। 20 दिसंबर को पिता उनकी 17 वर्षीय बेटी, भतीजी और 20 वर्षीय बेटे को लेकर मंदिर गए। वहां संतोषी उर्फ भैरव बाबा ने अपनी पत्नी और एक अन्य महिला को दाई बताकर मिलवाया। दोनों महिलाओं ने बेटी के छह माह की गर्भवती होने की जानकारी दी। बाबा ने बेटी के पेट में जिन्न का बच्चा होने की कहकर विशेष पूजा करने की बोला। इसके बाद कथित दाई के साथ बेटी को मंदिर परिसर में बने कमरे में ले गया। दोनों ने मिलकर बेटी के कपड़े उतारे। विरोध पर बच्चा गांव के युवक का होने की बोलकर डराया। संतोषी ने बेटी के साथ अश्लील हरकत की। परिवार को डराकर दो दिन तक मंदिर में बिठाए रखा। पूजा के बहाने खुद अंदर बेटी के साथ रहा। परिवार को डरा धमका कर पूजा के बहाने तीन लाख रुपये ले लिए। पीड़ित ने बताया कि जब उन्हें जानकारी हुई तो बेटी को डॉक्टर को दिखाया। बेटी बिल्कुल ठीक थी। उन्होंने तांत्रिक से गर्भ की झूठी बात फैलाने का विरोध कर रुपये मांगे। इस बात पर उसके साथी ने खुद को दरोगा बताते हुए फोन पर धमकाया। एसीपी लोहामंडी गौरव कुमार ने बताया कि शिकायत पर कथित तांत्रिक, उसकी पत्नी और दाई बनी महिला व अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस विधिक कार्रवाई कर रही है।

हथियार के मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह गिरफ्तार

नई दिल्ली। बाहरी जिले में हथियार मुहैया करने वाले मुख्य आपूर्तिकर्ता समेत छह बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार पिस्टल और छह कारतूस बरामद किए हैं। जिला पुलिस उपायुक्त सचिन शर्मा ने बताया कि निहाल विहार इलाके में निलोठी-मीराबाग रोड पर खट्टा के पास एक युवक के हथियार लेकर घूमने की जानकारी मिली। 26 सितंबर को पुलिस ने वहां छापा मारकर निहाल विहार निवासी रवि को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे से पुलिस ने दो पिस्टल और चार कारतूस बरामद किए। रवि ने पूछताछ में बताया कि उसने आयुष से हथियार खरीदे थे। पुलिस ने 27 सितंबर को निहाल विहार निवासी आयुष और दीपक को गिरफ्तार कर लिया। दो अक्तूबर को गंदा नाला पुलिया के पास से बागपत यूपी निवासी संजय को और निहाल विहार निवासी विपुल और गाजियाबाद यूपी निवासी ऋषभ पाल को गिरफ्तार कर लिया।

धुएं में दम घुटने से जगतपुरी में दंपती की मौत

नई दिल्ली। शाहदरा जिला के जगतपुरी स्थित हजारा पार्क-शिवपुरी में बुधवार दोपहर एक घर में आग लग गई। हादसे में बुजुर्ग दंपती प्रेम सागर मल्होत्रा (80) और आशा मल्होत्रा (75) की दम घुटने से मौत हो गई। हादसे के समय बुजुर्ग प्रेम सागर अपने घर में अकेले थे। उनकी पत्नी वापस घर लौटीं तो आग लगी हुई थी। लोगों के रोकने के बावजूद वह जबरन पति को बचाने के लिए घर में घुस गईं और वहीं फंस गईं। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाने के बाद दोनों को बेसुध हालात में घर से निकाला। अस्पताल ले जाने पर वहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पुलिस दम घुटने से मौत की आशंका जता रही है। शाहदरा जिला के पुलिस उपायुक्त प्रशांत गौतम ने बताया कि प्रेम सागर मल्होत्रा अपनी पत्नी आशा मल्होत्रा के साथ गली नंबर-5, हजारा पार्क, शिवपुरी, जगतपुरी में अकेले रहते थे। इनके कोई संतान नहीं थी। प्रेम सागर एसबीआई में मैनेजर के पद से रिटायर थे। उम्र अधिक होने से वह अक्सर बीमार रहते थे और उनका घर से निकलना भी कम ही होता था। घर और बाहर का सारा काम आशा मल्होत्रा ही करती थीं। आशा के भतीजे प्रतीक चोपड़ा ने बताया कि बुधवार सुबह उन्होंने फ्रिज पर रखे मंदिर में पूजा की। बाद में ज्योत जलाकर वह किसी काम से बाहर चली गईं। करीब एक बजे वह वापस आईं तो घर से धुआं निकल रहा था। लोगों के रोकने के बाद वह भागी-भागी अंदर पहुंची और वापस नहीं आईं। 1:30 बजे मामले की सूचना पुलिस और दमकल को दी गई। फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने करीब 2:45 बजे आग पर काबू पाया गया। फायर कर्मियों ने बताया कि फ्रिज के आग पकड़ने से उसका कंप्रेसर फटने से आग विकराल हो गई। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के शाहीन बाग इलाके में बुधवार तड़के एक रिहायशी इमारत में भीषण आग लगने से 72 वर्षीय फाजिला किश्वर नाम की महिला की मौत हो गई। पुलिस ने दमकलकर्मियों की मदद से 8 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि महिला की मौत धुएं के कारण दम घुटने से हुई। पुलिस उपायुक्त ने कहा कि आग लगने की वजह जानने के लिए जांच की जा रही है। दक्षिण-पूर्व जिला पुलिस अधिकारियों के अनुसार फाजिला पहले से श्वसन संबंधी बीमारियों से पीड़ित थीं, जिससे घटना के दौरान उनकी हालत और बिगड़ गई। पुलिस के मुताबिक दिल्ली अग्निशमन सेवा को आग लगने की सूचना सुबह 4.41 बजे मिली, जिसके बाद चार दमकल की गाड़ियां और चार एंबुलेंस मौके पर भेजी गईं। दक्षिण-पूर्व जिले के पुलिस उपायुक्त हेमंत तिवारी ने कहा कि थाना प्रभारी (एसएचओ) दिनेश कुमार पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग महिला सहित आठ निवासियों को नजदीकी अस्पतालों में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। आग से जान-माल के नुकसान के अलावा इमारत के पास खड़े वाहनों को भी भारी क्षति पहुंची। दो कारें, एक मोटरसाइकिल और एक स्कूटर पूरी तरह या आंशिक रूप से जल गए। काफी प्रयासों के बाद आग पर काबू पा लिया गया। दिल्ली पुलिस अधिकारियों के अनुसार जिस इमारत में आग लगी थी, वह चार मंजिला है। आग इमारत की पहली मंजिल पर लगी थी। आग से उठी धुंआ ने पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया। मृतक वृद्धा अपने बेटा व बहु के साथ दूसरी मंजिल पर रहती थी। आग पर पहली मंजिल पर ही काबू पा लिया था। मगर दूसरी व बाकी मंजिलों में धुंआ भर गया था।

NAME CHANGE
I, ABDUL TAWWAB S/O Shri Abdul Rehman Resident of House No. C-16, Abhimanyu Gali, Near Babu Ram Chowk, Arjun Mohalla, Moujpur, Delhi-110053 have changed my name ABDUL TAUWAB to ABDUL TAWWAB for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SIDDHARATH RANA S/O BHAGWAN RANA residing at H NO-1074, SIRASPUR, DELHI-110042 have changed my name to SIDDHARTH RANA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Kapil Kumar Yadav S/o Dinesh Yadav R/o House No-523 P, Sector-14,Gurgaon,Haryana-122001, Have Changed My Name To Kapil Yadav For All Purpose

NAME CHANGE
I, Pradeep Kumar S/o Prem Chand R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed the name of my minor son from Arjun to Arjun Vaidwan.

NAME CHANGE
I, Anupama D/o Pradeep Kumar R/o D-754/A, Gali No.1, Ashok Nagar, Shahdara, Delhi-110093 have changed my name to Anupama Chaudhary.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I Manoj Ram S/o Ram Bilash Ram R/o Flat No-6, Tower-8,Hamelia Street,IRIS,Vatika City, Sector-49, Gurgaon, Haryana-122018, Have Changed My Name To Manoj Kumar For All Purpose

NAME CHANGE
I Taran Preet Singh Kochhar S/o Manpreet Singh Kochhar R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Change My Given Name Taranpreet Singh and Surname Kochhar for all purpose.

NAME CHANGE
I, DEEPAK KUMAR VERMA S/O PARTAP SINGH resident of H.No.16, Tara Nagar Main Kakrola Road, Kakrola, South West Delhi, Delhi-110078 have changed the name of my minor daughter SHREYA ALIAS SHREYA VERMA aged 13 years, and she shall hereafter be known as SHREYA VERMA.

NAME CHANGE
I hitherto known as SAMEERA SINGH D/O SUDHIR KUMAR SINGH residing at Flat No.E-1058, River Heights, Raj Nagar, Extension, Tower-15, Ghaziabad, U.P.-201001, have changed my name and shall hereafter be known as SAMEERA SINGH AMETHIA.

NAME CHANGE
I, Sushma D/O Shambu Prasad Dharmana W/O Vinod Kumar R/O B-6 Police Colony Mandir Marg New Delhi 110001 Have changed my name to Sushma Badola for all future purposes.

NAME CHANGE
I Swaran Kaur Sawhney W/o Prith Pal Singh R/o 10C/80 SFS Flats Green View Appartment Mayapuri Road Hari Nagar West Delhi-110064 Have Changed My Name to Swaran Kaur for all purpose.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, Rahul Vishwakarma S/o H.P. Vishvakarma R/o J-4, Ground Floor Gandhi Market, Mir Dard Road, Minto Road, Indraprastha, Central Delhi, Delhi-110002 declare that name of mine has been wrongly written as Rahul Kumar Vishvakarma in my minor daughter namely Anika Vishvakarma aged 5 years in his School Records. The actual name of mine is Rahul Vishwakarma.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that 1 INDU CHAUHAN W/O NARENDER SINGH CHAUHAN R/O N-129/1, T-HUTS, KHILONA BAGH DIST NORTH WEST DELHI-110009 declare that name of mine has been wrongly written as INDU KANWAR in my minor son namely HARSH VARDHAN SINGH CHAUHAN aged 13 years in his school record and birth certificate No. MCDOLIR - 2211-005020356. The actual name of mine is INDU CHAUHAN which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that CHANDER VEER S/O RAM JI LAL R/O Q-157 Vikas Vihar Uttam Nagar West Delhi Delhi-110059 declare that name of mine has been wrongly written as CHANDER PAL in my minor daughter namely KIRTI aged 15 years in her birth certificate No.MCDOLIR-0110-004425168. The actual name of mine is CHANDER VEER which may be amended accordingly

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, MOGHAL FATHIMA BAIG Wife of JC-335017L Rank-NB/SUB Name-MOGHAL MOHAMMAD BAIG Presently residing at 9-5-5, ANDHRA RATNA NAGAR, PERALA HIGH SCHOOL, PERALA, CHIRALA PRAKASAM DISTRICT, ANDHRA PRADESH-523157, have changed my name from MOGHAL FATHIMA BAIG to FATHIMA SHAIK for all future purposes vide Affidavit dated 16/07/2025 before First Class Magistrate, Shillong, Meghalaya.

NAME CHANGE
I Jugal Kishor S/o Lila Dhar R/o H.No-196 S/F, Kh.No-619/21, Chattar Pur, South Delhi, Delhi-110074 have changed the name of my minor daughter namely Krishna Devi aged 16 years and she shall hereafter be known as Priya.

NAME CHANGE
I hitherto known as Farman S/o Akeel Ahmed R/o B 272/27, Gali No 4, Subhash Mohalla North Ghonda, Garhi Mendu, Bhajan Pura, North East, Delhi-110053 have changed my name and shall hereafter be known as Farman Ahmed.

NAME CHANGE
I hitherto known as Atif S/o Manzoor Khan R/o 1/99-C, 4F/F, Gali No-5, Guru Harkrishan School Wali Gali, Kabir Nagar, Gokal Pur, North East Delhi, Delhi-110094 have changed my name and shall hereafter be known as Atif Khan.

NAME CHANGE
I hitherto known as Aakash S/o Makan Singh Rawat R/o 2087/5, Gali No.20, Prem Nagar Patel Nagar, Patel Nagar S.O, Central Delhi, Delhi-110008 have changed my name and shall hereafter be known as Akash Rawat.

NAME CHANGE
I hitherto known as Sanam Kumari W/o Samarjeet Gupta R/o E-400-D, Block-E, Ashok Nagar, Vasundhra Enclave, East Delhi, Delhi, Delhi-110096 have changed my name and shall hereafter be known as Sonam Sav.

NAME CHANGE
I hitherto known as Laxman Yadav alias Bhavikshan Yadav S/O Bechan Yadav R/O Gram Debra, Post Bela, Thana Babubarhi, Ward No-02, Bela, PO Bela, Dist Madhubani, Bihar-847224 have changed my name and shall hereafter be known as Bhavikshna Yadav.

NAME CHANGE
I Tajinder Kaur W/o Jaspreet Singh Baweja R/o 52/43 Ramjas Road Karol Bagh Delhi -110005 Have Changed My Name To Tajinder Kaur Baweja For All Purpose.

NAME CHANGE
I, Sansare Amrut Narayan father of No.4580889H Rank-Hav Name Sansare Ravindra Amrut residing at Vill. Deolali Pravara, Tehsil - Rahuri, District.Ahilyanagar, Maharashtra - 413716 have changed my name from Sansare Amrut Narayan to Amrut Narayan Sansare vide affidavit dated 15.07.2025 executed before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, ANITA BANSAL W/O PAWAN BANSAL residing at B-504, MAYURDHWAJ APARTMENT, I.P EXTN. EAST DELHI-110092 have Change my name to ANITA RANI BANSAL for all future purpose.

NAME CHANGE
I, hitherto known as ASHISH KUMAR RATHOR S/O PURAN LAL R/O Q-48, RAJEEV NAGAR BEGUM PUR, NORTH WEST DELHI, DELHI-110086, have changed my name and shall hereafter be known as RAZA AHMED.

NAME CHANGE
I, SANJAY KUMAR CHOUDHARY S/o LATE SH. LAXMAN CHAUDHARY Permanent R/o Parsauni Khirodhar, Sitamarhi, Bihar-843325 and Presently Residing at Plot No. B-20, Second Floor, Dass Garden, Baprola Vihar, Najafgarh, New Delhi-110043. declare that name of mine has been wrongly written as SANJAY CHOUDHARY in my minor daughter namely SHIWANGI CHOUDHARY aged 17 years in her 10th class Marksheet. The actual name of mine is SANJAY KUMAR CHOUDHARY, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, VINOD KUMAR S/O UDAY SINGH residing at FLAT NO-G-3/8, NEAR DDA WATER TANK, SECTOR-4, ROHINI, DELHI-110085 have changed my name to VINOD KUMAR KUSHWAHA for all future purpose.

NAME CHANGE
I, SANTOSH KUMAR S/O VISHVA NATH PRASAD residing at PLOT NO-58&59, FLAT NO-B-2, STREET NO-5, HAVENS GARDEN MATIALA, DELHI-110059 have changed my name to SANTOSH KUMAR GUPTA for all future purposes

NAME CHANGE
I, Anil Balakrishna Panicker s/o Angakattil Narayan Balakrishna Panicker R/o A-6/334-A, Janta Flats, Paschim Vihar, Delhi-110063, have changed my name to Anil Bala Panicker permanently.

NAME CHANGE
I, S VANITHA W/o No. 14838283N Rank-HAV/MT Name-RAMESH P R/o VILL-SEDRAMPUTTU, PO-SEDRAMPUTTU, TEH-POLUR, DIST-THRUVANNAMALAI, TAMIL NADU-632315, have changed my name from S VANITHA to VANITHA R for all future purposes vide Affidavit dated 15/07/2025 before Notary Public, Kupwara.

NAME CHANGE
I, SH AUTAR SINGH Father of JC-413677X Rank-SUB MAJ Name-BHAGAT SINGH presently residing at VILL-BILTIYA SUKOLI TALLI, PO-DHAUNTIYAL, DIST-PAURI GARHWAL, UTTARAKHAND-246155 have changed my name from SH AUTAR SINGH to AVTAR SINGH for all future purposes vide affidavit dated 12/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, NO-17007475L Rank-NK Name-JITENDRA GANGWAR S/O LATE NIRANJAN LAL GANGWAR R/O WARD NO-11, MOHALLA GYASPUR, NEAR BANGALI BABA MANDIR, BILASPUR, PILIBHIT, UTTAR PRADESH-262201 have changed my minor son's name from DAKSH GANGWAR to YASH GANGWAR for all future purposes vide Affidavit Dated 05/09/2023 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
It is for general information that I, BALJEET SINGH S/o GURCHARAN SINGH R/o 12/32, Geeta Colony, East Delhi-110031 declare that name of mine, my wife and my minor daughter has been wrongly written as BALJEET SINGH CHUGH, GURPREET KAUR CHUGH, JASLEEN KAUR CHUGH in my minor daughter JASLEEN KAUR aged 16 years in her 10th class Educational Documents. The actual name of mine, my wife and my minor daughter are BALJEET SINGH, GURPREET KAUR and JASLEEN KAUR respectively, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE
I, Kulsum w/o Rozuddin R/o B-17, Gali No.3A, Near Mohalla Dilshad Masjid, Old Mustafabad, Delhi-110094, have changed my name to Kulsoom for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 बीएनएसएस देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अंकुश पुत्रः महेश पताः सी-808, सरला विहार, लोनी, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश** ने case **FIR No. 37008/2022 U/s 379/411/34 IPC, थानाः सब्जी मंडी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंकुश** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अंकुश** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 37008/2022 U/s 379/411/34 IPC, थानाः सब्जी मंडी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अंकुश** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद / मुकदमा का उत्तर देने के लिए **दिनांक 15.05.2026** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रीति राजोरिया
न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी-07
केन्द्रीय, रूम नं. 32
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/4625/N/2026 (Court Matter)

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

1900 पटवारियों की नियुक्ति से तेज होंगी जमीन से जुड़ी सेवाएं

एजेंसी

चंडीगढ़। नायब सरकार अगले महीने स्वचालित और कागजरहित प्रणाली शुरू करने जा रही है, जिससे नागरिकों को तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक सेवाएं मिलेंगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में इस पहल के तहत 1,900 तकनीकी रूप से प्रशिक्षित पटवारियों की तैनाती की जाएगी, जो डिजिटल सिस्टम को गति देंगे। सरकार ने लंबित मामलों के त्वरित निपटान, ऑटो-म्यूटेशन लागू करने और भूमि रिकॉर्ड को पूरी तरह डिजिटल बनाया है। इसके साथ ही, नई प्रणाली से आमजन को कार्यालयों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे और राजस्व सेवाओं में पारदर्शिता व जवाबदेही बढ़ेगी। इसी कड़ी में वित्तायुक्त (राजस्व एवं आपदा प्रबंधन) डॉ. सुमिता मिश्रा ने मंडलायुक्तों और उपायुक्तों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। डॉ. मिश्रा ने निर्देश दिए कि लगभग 1,900 नव-प्रशिक्षित और तकनीकी रूप से दक्ष पटवारियों को जल्द से जल्द जिलों में तैनात किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये डिजिटल रूप से सक्षम अधिकारी नई राजस्व प्रणाली की रीढ़ बनेंगे और तकनीकी ढांचे को मजबूत करेंगे। उन्होंने उपायुक्तों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय-सीमा से अधिक लंबित मामलों को तुरंत निपटाया जाए और पांच दिन से अधिक की देरी को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जिलों को प्राथमिकता के आधार पर लंबित मामलों को खत्म करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना के लिए 170 करोड़ आवंटित

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने कुपोषण, विशेषकर गंभीर कुपोषण को समाप्त करने के लिए बड़ा लक्ष्य तय करते हुए पोषण अभियान को नई मजबूती दी है। वर्ष 2026-27 के लिए व्यापक रणनीति के तहत मुख्यमंत्री दूध उपहार योजना हेतु 170 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे लाखों बच्चों, गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को सीधा लाभ मिलेगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी की अध्यक्षता में हुई समीक्षा बैठक में 99 प्रतिशत से अधिक कवरेज, डेटा आधारित निगरानी और ग्राम स्तर तक जनभागीदारी बढ़ाने पर जोर दिया गया, ताकि पोषण सुधार के प्रयास जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित हों।बैठक में वर्ष 2025-26 के दौरान हासिल उपलब्धियों की भी समीक्षा की गई। प्रदेशभर में लगभग 9.92 लाख लाभार्थियों की स्क्रीनिंग की गई, जबकि विकास निगरानी कवरेज 99 प्रतिशत से अधिक रहा। निरंतर और लक्षित प्रयासों के परिणामस्वरूप गंभीर कुपोषण के मामलों में गिरावट दर्ज की गई है। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने आज राज्य स्तरीय कन्वर्जेंस कमेटी की सातवीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य में स्थायी सुधार के लिए विभागों के बीच बेहतर समन्वय, डेटा आधारित निगरानी और अंतिम छोर तक सेवाओं की प्रभावी पहुंच पर जोर दिया।

हरियाणा में एसआईआर को लेकर कांग्रेस एक्टिव मोड में, बूथ स्तर तक होगी निगरानी

चंडीगढ़। हरियाणा में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर कांग्रेस एक्टिव मोड में आ गई है। कांग्रेस की ओर से बूथ स्तर तक निगरानी रखी जाएगी। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई राज्य स्तरीय कमेटी की बैठक में एसआईआर पर निगरानी को लेकर रणनीति तैयार की गई। समिति की बैठक में रणनीति तैयार की गई कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम न कटे और न ही अपात्र को शामिल किया जाए। बूथ स्तर तक निगरानी मजबूत करने, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित करने और हर विधानसभा में मतदाता सूची का सही तरीके से मिलान हो, इसको लेकर कार्यकर्ताओं को जिम्मेवारियां सौंपी जाएंगी।बैठक में नेता प्रतिपक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, विधायक बीबी बत्रा और अधिवक्ता रणधीर सिंह राणा की मौजूदगी में एसआईआर प्रक्रिया के दौरान आने वाली संभावित चुनौतियों का आकलन करने के साथ समाधान पर चर्चा हुई। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने बताया कि बैठक में इस बात पर विशेष रूप से जोर दिया गया कि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से न हटे और न ही किसी अपात्र व्यक्ति को जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा, ताकि वे एसआईआर प्रक्रिया की बारीकियों को समझकर अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा सकें। कांग्रेस ने इस प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के लिए पहले ही बूथ लेवल एजेंट-1 (बीएलए-1) की नियुक्ति कर दी है, जबकि अधिकांश बूथों पर बीएलए-2 भी तैनात किए जा चुके हैं।

नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद संजय भाटिया, कर्मवीर बौद्ध का कार्यकाल शुरू

चंडीगढ़। हरियाणा से नव-निर्वाचित राज्यसभा सांसद संजय भाटिया और कर्मवीर सिंह बौद्ध का छह वर्ष का कार्यकाल से औपचारिक रूप से शुरू हो गया। केंद्र सरकार के विधायी विभाग द्वारा भारत सरकार के गजट में नोटिफिकेशन जारी कर दोनों नेताओं के निर्वाचन को विधिवत अधिसूचित कर दिया गया है। राज्यसभा की दोनों सीटों के लिए 16 मार्च को चुनाव हुआ था, जिसमें भाजपा के संजय भाटिया और कांग्रेस के कर्मवीर सिंह बौद्ध निर्वाचित घोषित किए गए थे। मतदान के बाद देर रात तक चली मतगणना के उपरांत रिटर्निंग ऑफिसर पंकज अग्रवाल ने दोनों विजयी उम्मीदवारों को निर्वाचन प्रमाण-पत्र भी प्रदान कर दिया था। हालांकि, अधिसूचना के बाद ही उनका निर्वाचन विधिक रूप से पूर्ण माना गया है।

विभाजन की विभीषिका झेलने वालों की याद में ऋषिकेश हरिद्वार में बनेगा राष्ट्रीय स्मारक

एजेंसी

गुरुग्राम। देश की आजादी के समय वर्ष 1947 के विभाजन की उस अमानवीय त्रासदी में लाखों लोगों ने अपना घर-बार खोया और अनगिनत जिंदगियां मजहबी उन्माद की भेंट चढ़ गईं। उन बलिदानों और संघर्षों को संजोने के लिए विभाजन विभीषिका स्मृति न्यास के गठन की घोषणा की गई है। केन्द्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल के मार्गदर्शन में विभाजन विभीषिका स्मृति न्यास का गठन किया गया है।

नए न्यास के सेटलर एवं संस्थापक अध्यक्ष स्वामी धर्मदेव और ट्रस्ट के नव-नियुक्त महामंत्री बोधराज सीकरी ने आज यहां जारी जानकारी में बताया कि मैनकाइंड फार्मा लिमिटेड के चेयरमैन रमेश चंद जुनेजा को इस ट्रस्ट का आजीवन राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। नई टीम में सुमन कांत मुंजाल, सुनील सचदेवा, सुनील सतीजा,

राजीव गुलाटी, मनमोहन चावला, अजय खन्ना, पीके दत्ता, राजीव मुकुल, दिनेश नागपाल, पूर्ण डाबर, सुरजीत ओबेरॉय, बलदेव राज भाटिया, सुमित नंदा, प्रवीण भाटिया, सतीश ग्रोवर, अभिषेक बंगा को शामिल किया गया है। बोधराज सीकरी ने बताया कि न्यास विशाल राष्ट्रीय स्मारक और अत्याधुनिक संग्रहालय का निर्माण करेगा। न्यास न केवल उस दौर के दर्द को याद रखेगा, बल्कि नई पीढ़ी को भारत की मिट्टी के उस सबसे गहरे घाव से रूबरू कराएगा, जो बंटवारे के समय मिले थे। इस स्मारक में भगवान राम, अरुट महाराज, माता हिंगलाज, महर्षि कश्यप, गुरु तेग बहादुर, गुरु गोविंद सिंह, शहीद भगत सिंह, शहीद मदन लाल ढींगरा कई अन्य समाज के चित्र प्रदर्शित किये जाएंगे। प्रस्तावित संग्रहालय में हॉरर गैलरी और विस्थापन गलियारा बनाया जाएगा, जहां अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से उन दृश्यों को दर्शाया जाएगा। सीकरी के अनुसार, ट्रस्ट के सदस्य बनने की सहमति सुभाष अरोड़ा, हरिंदर होरा, संजीव कुमार, ओमप्रकाश कथूरिया, दीप कालरा, चंद्र शेखर तनेजा, विकास कपूर ने दी है। प्रसिद्ध आध्यात्मिक संतों ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन आश्रम के प्रमुख आध्यात्मिक गुरु स्वामी चिदानंद सरस्वती मुनिजी, ऋषि चैतन्य आश्रम गन्नौर की संस्थापिका आनंदमूर्ति गुरु मां, रोहतक जिला के कलानौर स्थित प्रसिद्ध गद्दी टिकाणा सती भाई साई दास जी के श्री 108 महंत राम सुखदास जी महाराज को ट्रस्ट में मुख्य संरक्षक, संरक्षण के रूप में मनोनीत किया गया है। इनके अलावा असम के पूर्व राज्यपाल प्रोफेसर जगदीश मुखी, सेवानिवृत आईएएस सुरीना राजन कुमार, सेवानिवृत आईएएस मुकेश आहूजा, सेवानिवृत कुलपति डा. अशोक दिवाकर, सेवानिवृत कुलपति डा. मार्कण्डेय आहूजा को भी शामिल किया गया है।

जींद में 12 एकड़ में गेहूं फसल जली, खफा किसानों ने लगाया जाम

एजेंसी

जींद। जिले के गांव खेड़ी पावर हाउस के पीछे बिजली शॉर्ट सर्किट से खेतों में लगी आग से गुस्साए ग्रामीणों ने जींद-सफीदों मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना मिलने पर डीएसपी सफीदों तथा तहसीलदार द्वारा सरकारी सहायता तथा लापरवाही बरतने वाले बिजली कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन देकर जाम खुलवाया। लगभग दो घंटे लगे जाम के कारण यात्रियों तथा वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यहां ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सूचना के बाद भी फायर ब्रिगेड की गाडियां मौके पर नही पहुंची। ग्रामीणों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाया। मौके पर पहुंचे गांव खेडी पावर हाउस के पीछे शार्ट सर्किट से खेतो मे आग भड़क उठी। हवा तेज होने के कारण आग लगातार फैलने लगी। खेतों में आग भड़कती देख गांव खेड़ी तथा तलौडा के किसान अपने संसाधन लेकर खेतों में पहुंच गए। फायर ब्रिगेड को भी सूचना दी गई लेकिन हड़ताल के चलते नही पहुंची। ग्रामीणों ने ट्रैक्टर हैरो की सहायता से खड़े गेहूं की जुताई कर आग को आगे बढ़ने से रोक लिया। आग के कारण गांव सिवाहा निवासी संदीप की छह एकड़, गांव खेड़ी निवासी सोनू तथा मोनू की छह एकड़ खड़ी गेहूं की फसल जल कर राख हो गई। किसानों ने आरोप लगाया कि बिजली विभाग की लापरवाही के कारण उनके खेतों में आग लगी है। सरकार उनको आर्थिक सहायता दे। घटना से खफा किसान पावर हाउस के सामने जींद-सफीदों मार्ग पर आ गए और जाम लगा दिया। किसानों के बिफरने की सूचना पाकर सफीदों के डीएसपी गौरव शर्मा, पिल्लूखेड़ा के नायब तहसीलदार राजेंद्र सिंह मौके पर पहुंच गए और हालातों का जायजा लिया।

गुरुग्राम के आईएमटी मानेसर में हिंसा में 56 लोग गिरफ्तार, जेल भेजे

एजेंसी

गुरुग्राम। वेतन वृद्धि समेत अन्य मांगों को लेकर आईएमटी मानेसर में करीब 10 कंपनियों के 3000 ठेके के श्रमिकों द्वारा किए गए उपद्रव को लेकर पुलिस ने एफआईआर व गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है। 56 श्रमिकों को गिरफ्तार किया गया। उन्हें अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

बता दें कि आईएमटी मानेसर में कंपनियों में वेतन बढ़ाने व अन्य मांगों को लेकर श्रमिकों ने बुधवार को हड़ताल शुरू की थी। श्रमिक कंपनी प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते रहे। अपनी मांगों को लेकर उन्होंने जमकर विरोध प्रदर्शन किए। श्रमिकों के प्रदर्शन, हड़ताल को देखते हुए जिला प्रशासन की ओर से क्षेत्र में धारा-163 लगा दी गई। जिसके तहत पांच से अधिक लोग एकत्रित नहीं हो सकते। फिर भी श्रमिकों ने अपनी एकता दिखाते हुए अपनी मांगों को लेकर खुलकर विरोध जताया। गुरुवार को श्रमिकों की पुलिस के साथ भी भिड़ंत हुई। पुलिस ने लाठीचार्ज किया, वहीं श्रमिकों ने पुलिस की एक गाड़ी को तोड़ दिया और एक राइडर बाइक में आग लगा दी। दुपहिया वाहन निर्माता होंडा कंपनी के श्रमिकों का प्रबंधक के साथ बातचीत के बाद हल निकल गया और उन्होंने हड़ताल वापस ले ली। अन्य कंपनियों के श्रमिक हड़ताल पर ही रहे। पुलिस ने तोडफ़ोड़ व आगजनी करने वाले श्रमिकों की फोटो, वीडियो से पहचान करते हुए उनकी गिरफ्तारी शुरू की। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने बताया कि आरोपियों की पहचान के लिए सीसीटीवी फुटेज, वीडियो आदि का सहारा लिया जा रहा है। कुछ लोगों ने कंपनी में भी तोडफ़ोड़ की थी। पुलिस द्वारा समझाने के बाद भी कानून का उल्लंघन करने वाले श्रमिकों पर कार्रवाई की जा रही है।

2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवा जनप्रतिनिधियों की भूमिका अहम : हरविन्द्र कल्याण

एजेंसी

चण्डीगढ। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने राष्ट्रमंडल संसदीय संघ (सीपीए) के भारत क्षेत्र के जोन-7 (वेस्ट जोन) के सम्मेलन को संबोधित किया। यह सम्मेलन 8 से 10 अप्रैल तक गोवा की राजधानी पणजी में आयोजित किया गया। विस अध्यक्ष ने '2047 तक विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में युवा विधायकों की भूमिका' विषय पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर गोवा के राज्यपाल पुसापति अशोक गजपति राजू, लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, गोवा विधान सभा अध्यक्ष डॉ. गणेश चंद्रु गाओंकर समेत अनेक विशिष्ट हस्तियां मौजूद रहीं। सम्मेलन को संबोधित करते हुए विस अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने कहा कि जहां हरियाणा की वीर धरती पर कर्म को प्रधानता दी गई है, वहीं गोवा को आजादी के लंबे संघर्ष के लिए याद किया जाता है। उन्होंने कहा कि गोवा

ने पुर्तगाली शासन से मुक्ति और फिर भारतीय लोकतंत्र की मुख्यधारा में विलय तक की गौरवाशाली यात्रा की है। विस अध्यक्ष ने कहा कि सीपीए के भारत रीजन का जोन-7 सम्मेलन हमारे लोकतंत्र की जड़ों को और गहरा करने का अनुष्ठान है। इस दौरान उन्होंने लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला की ओर से संसदीय परंपराओं को सुदृढ़ करने में उनके द्वारा किए जा रहे प्रयासों का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत ञ्च 2047' के विजन को साकार करने में युवा जनप्रतिनिधियों की भूमिका सबसे ज्यादा रहने वाली है। इस सम्मेलन में हो रहा विचार -विमर्श इस दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। विस अध्यक्ष कल्याण ने कहा कि लोकतंत्र हमारे लिए केवल शासन चलाने की प्रणाली नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक मूलभूत तरीका भी है। स्वतंत्रता हमें सहज रूप से प्राप्त नहीं हुई। आज जब हम सदन में बैठते हैं, तो उस त्याग और संघर्ष की भावना को अपने भीतर जीवित रखना आवश्यक है। आजादी के 'अमृत काल' में आगे बढ़ने का आह्वान करते हुए कल्याण ने कहा कि हमें व नई पीढ़ी को संघर्ष और बलिदान को गहराई से समझना होगा। युवा जनप्रतिनिधियां की भूमिका केवल सदन व समितियों में उपस्थिति दर्ज कराने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। उन्हें विचार, व्यवहार और नेतृत्व - तीनों स्तरों पर लोकतांत्रिक मूल्यों का सशक्त वाहक बनना होगा।

बहादुरगढ़ में 'दृष्टि' सिटी सर्विलांस सिस्टम का शुभारंभ

एआई कैमरों से अब पूरे शहर पर रहेगी नजरः पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह

एजेंसी

बहादुरगढ़। दिल्ली से सटे होने के कारण बहादुरगढ़ क्षेत्र सुरक्षा की दृष्टि से काफी संवेदनशील माना जाता है। ऐसे में शहर को और अधिक सुरक्षित एवं हाईटेक बनाने की दिशा में एक अहम कदम उठाते हुए 'दृष्टि' सिटी सर्विलांस सिस्टम का विधिवत शुभारंभ किया गया। इस आधुनिक परियोजना का उद्घाटन पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह द्वारा किया गया। इस दौरान बहादुरगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रधान/गणमान्य नागरिकों एवं पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम आयोजित हुआ।'दृष्टि' प्रोजेक्ट के तहत बहादुरगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के सहयोग से शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर 167 से अधिक अत्याधुनिक सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। ये कैमरे हाई-रेजोल्यूशन होने के साथ-साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ) तकनीक से लैस हैं, जिससे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और निगरानी पहले से अधिक प्रभावी ढंग से की जा सकेगी।इस सिस्टम का कंट्रोल रूम सिटी थाना बहादुरगढ़ में स्थापित किया गया है, जहां से पूरे शहर की गतिविधियों पर एक ही स्थान से आपराधिक मामलों को सुलझाने में सफल रही है। उन्होंने कहा कि अब इस सिस्टम के जरिए ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों पर भी सख्ती से नजर रखी जाएगी और फुटेज के आधार पर उनके चालान किए जाएंगे। यह व्यवस्था शहर में कानून व्यवस्था

नजर रखी जाएगी। इससे पुलिस की कार्यक्षमता में बढ़ोतरी होगी और अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ उनके शीघ्र खुलासे में भी मदद मिलेगी।पुलिस कमिश्नर डॉ. राजश्री सिंह ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों की मदद से पुलिस पहले ही कई को मजबूत करने के साथ-साथ ट्रैफिक प्रबंधन को भी बेहतर बनाएगी।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि डिघल गांव में हुए फाइनेंसर हत्याकांड के आरोपियों की पहचान कर ली गई है और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा।इस मौके पर बहादुरगढ़ चैम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रधान कुमार गुप्ता, सुभाष जग्गा, नरेंद्र छिकारा और विकास आनंद दहिया का विशेष योगदान सराहा गया। उन्होंने कहा कि दिल्ली से सटे बहादुरगढ़ जैसे क्षेत्रों में इस प्रकार के सर्विलांस सिस्टम बेहद आवश्यक हैं और ऐसे मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू किया जाना चाहिए, जिससे अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सके।कार्यक्रम में डीसीपी बहादुरगढ़ मयंक मिश्रा, डीसीपी हेडक्वार्टर दीप्ति गर्ग, डीसीपी धारणा यादव, डीसीपी क्राइम शुभम सिंह, एसीपी प्रदीप नैन, एसीपी प्रदीप खत्री सहित अनेक पुलिस अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। पुलिस कमिश्नर डॉक्टर राजश्री सिंह ने बताया कि 'दृष्टि' सिटी सर्विलांस सिस्टम के शुरू होने से बहादुरगढ़ में सुरक्षा व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी और आमजन में सुरक्षा का विश्वास और अधिक सुदृढ़ होगा।

सरकार द्वारा तय वेतन की जानकारी नोटिस बोर्ड पर लगाएं कंपनियां

एजेंसी

गुरुग्राम। पुलिस उपायुक्त मानेसर प्रबीना द्वारा आईएमटी मानेसर की कंपनियों, प्रतिनिधियों और ठेकेदारों के साथ बैठक की गई। क्षेत्र में स्थित विभिन्न कंपनियों में पिछले कई दिनों से चल रही श्रमिकों की हड़ताल के संबंध चर्चा की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों की समस्याओं का समाधान एवं क्षेत्र में कानून व्यवस्था को बनाए रखना रहा। बैठक के दौरान कंपनियों के मालिकों/प्रतिनिधियों व ठेकेदारों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि सरकार द्वारा निर्धारित किए गए मानदेय/वेतन के अनुरूप ही सभी श्रमिकों को भुगतान सुनिश्चित किया जाए। इसके साथ ही प्रत्येक कंपनी को निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने प्रतिष्ठानों के बाहर नोटिस बोर्ड पर सरकार द्वारा निर्धारित वेतन संबंधी जानकारी प्रदर्शित करें, ताकि श्रमिकों को पारदर्शी जानकारी उपलब्ध हो सके।

पुलिस उपायुक्त द्वारा सभी उपस्थित पक्षों को यह भी निर्देशित किया गया कि वे अपने-अपने कर्मचारियों के बीच शांति एवं सौहार्द बनाए रखें। श्रमिकों को किसी भी प्रकार की अफवाहों से दूर रहने तथा आपसी भाईचारा बनाए रखने के लिए प्रेरित किया जाए, जिससे औद्योगिक क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रह सके। इसके अतिरिक्त कंपनियों के मालिकों/प्रतिनिधियों व ठेकेदारों को सख्त हिदायत दी गई कि किसी भी श्रमिक के साथ किसी प्रकार का दुर्व्यवहार न किया जाए तथा किसी भी कर्मचारी को व्यक्तिगत रूप से परेशान न किया जाए। श्रमिकों के अधिकारों का सम्मान करते हुए सौहार्दपूर्ण वातावरण में कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर नायब सिंह सैनी ने दी श्रद्धांजलि

कहा— महिला शिक्षा और सामाजिक समानता के लिए उनका योगदान अतुलनीय

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने महान समाज सुधारक और 'सत्यशोधक समाज' के संस्थापक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की है। मुख्यमंत्री ने महात्मा फुले के जीवन संघर्ष को याद करते हुए उन्हें सामाजिक न्याय का सच्चा अग्रदूत बताया। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संदेश में कहा, 'महान समाज सुधारक एवं नारी शिक्षा के अलख जगाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती पर उन्हें कोटि-कोटि नमन! उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन वंचितों, शोषितों और महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए समर्पित कर दिया।' मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले के महान आदर्श और प्रेरक विचार समाज के लिए हमेशा उपयोगी और मूल्यवान बने रहेंगे। उन्होंने कहा कि फुले जी ने उस दौर में शिक्षा की महत्ता को समझा और समाज के सबसे पिछड़े तबके को मुख्यधारा से जोड़ने का

काम किया। आज की पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए कि कैसे विपरीत परिस्थितियों में भी शिक्षा और सत्य के माध्यम से समाज में बदलाव लाया जा सकता है।

अंत्योदय और सामाजिक समरसता पर जोर : मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार महात्मा ज्योतिबा फुले के 'अंत्योदय' और सामाजिक समरसता के सिद्धांतों पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। महिला शिक्षा और किसानों के अधिकारों के प्रति उनके विचार आज भी हमारी नीतियों का आधार हैं। मुख्यमंत्री के साथ-साथ हरियाणा मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों और जनप्रतिनिधियों ने भी इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया।

लंबित मांगों को लेकर अग्निशमन विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल रही जारी

एजेंसी

गुरुग्राम। हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर शुरु की गई हड़ताल तीसरे दिन जिला प्रधान साहून खान की अध्यक्षता में जारी रही। हड़ताल में बड़ी संख्या में विभिन्न संगठनों के कर्मचारी व श्रमिक नेता शामिल हुए और हड़ताल का समर्थन किया। साहून खान ने फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए दमकल कर्मचारी भवि चंद्र शर्मा व रणवीर सिंह की शहादत पर प्रदेश सरकार की चुप्पी को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार का रवैय्या सरकार का है, उससे स्पष्ट होता है कि सरकार कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने में असफल है। जब तक कर्मचारियों की मांगों का समाधान नहीं होगा, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की मांग है कि फरीदाबाद की फैक्ट्री में आग बुझाते समय शहीद हुए कर्मियों को शहीद का दर्जा दिया जाए, उनके आश्रितों को एक करोड़ रुपये मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को पक्की सरकारी नौकरी तथा सभी नियमानुसार सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके अतिरिक्त कच्चे दमकल कर्मचारियों के वेतन में पिछले 5 वर्षों से वृद्धि न होने पर भी रोष व्यक्त किया गया।

9.68 लाख लाडो को मिली छठी लक्ष्मी किस्त, लाभार्थियों के खातों में जारी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने वैशाखी पर्व पर 9.68 लाडो को छठी लक्ष्मी किस्त की सौगात दी। मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के तहत लाभार्थियों के खातों में 1665 करोड़ 25 लाख रुपये की राशि जारी की। इनमें लाडो लक्ष्मी की छठी किस्त के तौर पर 203 करोड़ 28 लाख की राशि भी शामिल है। वहीं, मुख्यमंत्री ने फरीदाबाद में ड्यूटी के दौरान शहीद हुए फायरकर्मियों के परिवारों को 30 लाख रुपये की सहायता और नौकरी देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना, 15 तरह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना, दयालु योजना और अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को ट्रैक्टर सब्सिडी योजना के तहत बटन दबाकर लाभार्थियों के खातों में 1665 करोड़ रुपये की राशि भेजी। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप डबल इंजन की सरकार महिला सशक्तिकरण और उनके आर्थिक विकास के लिए लगातार काम कर रही है। इस दौरान सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी भी उपस्थित थे। उन्होंने कहा कि आज 'दीन दयाल लाडो लक्ष्मी' योजना की छठी किस्त जारी की है। इस योजना के तहत 9 लाख 68 हजार लाभार्थी महिलाओं के खातों में 203 करोड़ 28 लाख रुपये की राशि डाली गई है। इसे मिलाकर अब तक 6 किस्तों में 1,038 करोड़ 5 लाख रुपये की राशि जारी की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में लाडो लक्ष्मी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये का प्रावधान भी किया है। उन्होंने कहा कि 15 तरह की सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं के तहत भी 1144 करोड़ 55 लाख रुपये की राशि सीधे 35 लाख 55 हजार 187 लाभार्थियों के खातों में डाली गई है। इनमें वृद्धावस्था सम्मान भत्ता और दिव्यांगजन भत्ता और अन्य सामाजिक सुरक्षा पेंशन शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए कहा कि कांग्रेस के समय में तो 6-6 महीने और 1–1 साल तक पेंशन ही नहीं बनती थी और अगर बनती भी थी, तो उसमें भ्रष्टाचार होता था। लेकिन हमारी सरकार ने व्यवस्था परिवर्तन करते हुए 'प्रो-एक्टिव मॉडल' को अपनाया है। मुख्यमंत्री ने अनुसूचित जाति वर्ग के किसानों को ट्रैक्टर सब्सिडी प्रदान की गई है। इसके तहत अनुसूचित जाति के 645 किसानों को ट्रैक्टर खरीदने के लिए 19 करोड़ 35 लाख रुपये की सब्सिडी जारी की गई है। प्रत्येक पात्र किसान को ट्रैक्टर खरीद पर 3 लाख रुपये की सब्सिडी उपलब्ध करवाई जाती है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने फरीदाबाद में एचकेआरएन के तहत कार्यरत दो फायरकर्मियों की ड्यूटी के दौरान हुए दुखद हादसे में मृत्यु पर सरकार ने तुरंत राहत के रूप में प्रति परिवार 30 लाख रुपये की राशि जारी करने का निर्णय लिया है। हरियाणा परिवार सुरक्षा न्यास के माध्यम से 10 लाख रुपये प्रति परिवार तथा मुख्यमंत्री राहत कोष से 20 लाख रुपये प्रति परिवार जारी की जा रही है। इसके अतिरिक्त उनके परिवार के किसी एक आश्रित को एचकेआरएन के तहत नौकरी भी दी जाएगी।

एमएसपी पर खरीद में देरी से किसानों की बढ़ती परेशानी : कुमारी सैलजा

एजेंसी

चंडीगढ़। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव ने हरियाणा में एमएसपी पर गेहूं की सरकारी खरीद की मौजूदा स्थिति पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा है कि खरीद में देरी और अव्यवस्था के कारण किसानों की परेशानियां लगातार बढ़ रही हैं और तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बेमौसम बारिश, तेज आंधी और ओलावृष्टि के कारण प्रदेश के बड़े हिस्से में खड़ी फसल को भारी नुकसान पहुंचा है, जिससे किसानों की आय पर सीधा असर पड़ा है। इसके साथ ही मंडियों में खरीद प्रक्रिया में देरी और अव्यवस्था ने किसानों की मुश्किलों को और बढ़ा दिया है। उन्होंने बताया कि सरकारी घोषणाओं के बावजूद जमीनी स्तर पर खरीद व्यवस्था अभी तक पूरी तरह सुचारु नहीं हो पाई है। मंडियों में अपनी फसल लेकर पहुंच रहे किसानों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है, जहां उन्हें व्यवस्थागत कमियों, लॉजिस्टिक समस्याओं और अपर्याप्त इंतजामों का सामना करना पड़ रहा है। खराब मौसम के चलते मंडियों में पड़ा गेहूं भी नुकसान की आशंका में है, जिससे किसानों की चिंता और बढ़ गई है। किसानों पर आर्थिक बोझ भी तेजी से बढ़ रहा है। परिवहन, मजदूरी और फसल के प्रबंधन पर अतिरिक्त खर्च उनकी स्थिति को और कमजोर कर रहा है। वहीं खरीद और भुगतान में देरी के कारण उनकी आर्थिक हालत बिगड़ रही है और कर्ज पर निर्भरता बढ़ती जा रही है। उन्होंने मुआवजे और फसल बीमा को लेकर भी चिंता जताई और कहा कि नुकसान के आकलन और मुआवजे के वितरण की प्रक्रिया धीमी है, जिससे पारदर्शिता और क्रियान्वयन पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस कारण किसानों में असंतोष बढ़ रहा है। कुमारी सैलजा ने सरकार से मांग की कि एमएसपी पर समयबद्ध और सुचारु खरीद सुनिश्चित की जाए, मंडियों में बुनियादी सुविधाएं मजबूत की जाएं और फसल नुकसान का तुरंत सर्वे कर उचित मुआवजा दिया जाए। साथ ही फसल बीमा दावों का निपटारा भी तय समय सीमा में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसानों के हितों की रक्षा और उनकी उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित करना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। राज्य सरकार को केवल घोषणाओं तक सीमित रहने के बजाय जमीनी स्तर पर प्रभावी कदम उठाने होंगे।

वैश्विक घटनाओं के बीच बाजार मे रहा भारी उतार-चढ़ाव, अंत में मजबूत रिकवरी

– कच्चे तेल की कीमतें और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया

मुंबई ।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त उतार-चढ़ाव देखने को मिला। पूरे हफ्ते बाजार की दिशा घरेलू कारकों से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय घटनाओं और भू-राजनीतिक तनावों से तय होती रही। पश्चिम एशिया में संघर्ष बढ़ने की आशंका, कच्चे तेल की कीमतों में तेज बदलाव और वैश्विक बाजारों के संकेतों ने निवेशकों की धारणा को लगातार प्रभावित किया। सप्ताह की शुरुआत गिरावट के साथ हुई, लेकिन बीच-बीच में आई तेज रिकवरी ने बाजार को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया। आरबीआई की मौद्रिक नीति, अंतरराष्ट्रीय सीजफायर की खबरें और कच्चे तेल में नरमी ने निवेशकों का भरोसा मजबूत किया। कुल मिलाकर यह सप्ताह हाई वोलैटिलिटी और तेज सेंटिमेंट स्विंग्स का रहा। सप्ताह की शुरुआत में वैश्विक तनाव के कारण बाजार पर दबाव देखा गया। पश्चिम एशिया में युद्ध के विस्तार की आशंका और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों को सतर्क कर दिया। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में गिरावट दर्ज की गई, हालांकि दिन के मध्य में खरीदारी लौटने से बाजार हरे निशान पर आ गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1ः15 बजे तक बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा और बाद में मजबूत बढ़त के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी 50 भी सकारात्मक स्तरों पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन बाजार में 800 अंकों से अधिक की गिरावट देखी गई, जहां निफ्टी 22,800 के नीचे चला गया। हालांकि इसके बाद वैश्विक संकेतों में सुधार और कच्चे तेल में गिरावट से बाजार में तेजी लौट आई। आईटी सेक्टर में खरीदारी ने भी रिकवरी को समर्थन दिया। सबसे बड़ा उछाल तब देखने को मिला जब अमेरिका और ईरान के बीच सीजफायर की खबरें आईं। इस सकारात्मक विकास ने वैश्विक तनाव कम किया और भारतीय बाजार में भारी खरीदारी देखने को मिली। सेंसेक्स में लगभग 3,000 अंकों की तेज रैली दर्ज की गई और निफ्टी भी 24,000 के स्तर के करीब पहुंच गया। लगातार तेजी के बाद सप्ताह के अंत में बाजार में

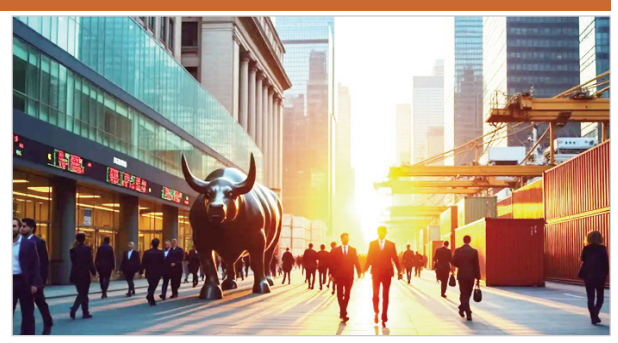

हल्की मुनाफावसूली देखने को मिली। गुरुवार को बाजार दबाव में रहा और सेंसेक्स 900 अंकों से अधिक टूट गया। निफ्टी भी नीचे आ गया। हालांकि शुक्रवार को फिर से खरीदारी लौटी और सेंसेक्स 918.60 अंक बढ़कर 77,550.25 पर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 275.50 अंक बढ़कर 24,050.60 पर पहुंच गया।

अंबेडकर जयंती पर बाजार बंद, अगले हफ्ते सिर्फ 4 दिन होगी ट्रेडिंग

– एनएसई-बीएसई में 14 अप्रैल को अवकाश, कमोडिटी बाजार में आंशिक ट्रेडिंग

मुंबई ।

अगले सप्ताह 13 अप्रैल से शुरू होने वाले कारोबारी हफ्ते में भारतीय शेयर बाजार में सिर्फ चार दिन ही ट्रेडिंग होगी, क्योंकि 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के अवसर पर एनएसई और बीएसई बंद रहेंगे। अगले सप्ताह से शुरू होने वाला कारोबारी हफ्ता शेयर बाजार निवेशकों के लिए छोटा रहेगा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) 14 अप्रैल मंगलवार को अंबेडकर जयंती के कारण बंद रहेंगे, जिससे पूरे सप्ताह में केवल चार ट्रेडिंग सत्र ही उपलब्ध होंगे। इससे पहले भी गुड फ्राइडे और महावीर जयंती के कारण बाजार दो दिन बंद रहा था। साल 2026 में कुल 16 ट्रेडिंग छुट्टियां निर्धारित हैं, जिनमें कई प्रमुख पर्व शामिल हैं। आगामी महीनों में 1 मई को महाराष्ट्र दिवस, 28 मई को ईद-उल-अधहा, 26 जून को मुहर्रम, 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, 2 अक्टूबर को गांधी जयंती, 20 अक्टूबर को दशहरा, 10 नवंबर को दिवाली बलिप्रतिपदा, 24 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 25 दिसंबर को क्रिसमस पर बाजार बंद रहेगा। कमोडिटी बाजार में मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) में सुबह का सत्र बंद रहेगा, जबकि शाम को कारोबार होगा। वहीं नेशनल कमोडिटी एंड डेरिवेटिव्स एक्सचेंज पूरे दिन बंद रहेगा।

जेपी एसोसिएट्स अधिग्रहण विवाद में अदाणी समूह को संस्थापक का समर्थन

– एनसीएलटी से मंजूरी के बाद भी कानूनी लड़ाई जारी, कर्ज से जूझ रही कंपनी का भविष्य अधर में

नई दिल्ली ।

कर्ज के भारी बोझ से जूझ रही जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) के अधिग्रहण को लेकर बड़ा घटनाक्रम सामने आया है। कंपनी के संस्थापक जयप्रकाश गौड़ ने अदाणी समूह के पक्ष में अपना समर्थन जताया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब प्रतिद्वंद्वी वेदांता लिमिटेड इस अधिग्रहण प्रक्रिया को अदालत में चुनौती दे रही है। संस्थापक जेपी गौड़ ने स्पष्ट किया है कि कॉमिटी ऑफ क्रेडिटर्स (सीओसी) और रेजोल्यूशन प्रोफेशनल द्वारा संचालित दिवाला समाधान प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष और पारदर्शी रही है। उनके अनुसार, बहुमत के आधार पर लिया गया निर्णय सभी हितधारकों के लिए स्वीकार्य होना चाहिए। गौरतलब है कि पिछले वर्ष नवंबर में सीओसी ने लगभग 90 प्रतिशत वोटिंग के साथ अदाणी इंटरप्राइजेस लिमिटेड की 14,535 करोड़ रुपये की बोली को मंजूरी दी थी। इस प्रक्रिया में वेदांता लिमिटेड और डालमिया समूह ने भी भाग लिया था। बाद में 17 मार्च को एनसीएलटी की इलाहाबाद बेंच ने भी इस बोली को मंजूरी दे दी। हालांकि वेदांता ने 17,926 करोड़ रुपये की ऊंची बोली लगाई थी और अब उसने इस फैसले को एनसीएलएटी में चुनौती दी है। वेदांता का दावा है कि उन्हें पहले अनौपचारिक रूप से समर्थन मिला था, जिसे बाद में बिना कारण बदला गया। इसके बावजूद, संस्थापक जयप्रकाश गौड़ का कहना है कि वह सीओसी के निर्णय का सम्मान करते हैं और उन्हें विश्वास है कि गौतम अडानी के नेतृत्व में जेपी एसोसिएट्स नई

दिशा में आगे बढ़ेगी। उन्होंने वेदांता की भागीदारी के लिए भी आभार जताया।

जेपी पर लगभग 57,185 करोड़ रुपये के कर्ज के डिफॉल्ट के बाद जून 2024 में कॉरपोरेट इनसॉल्वेंसी रेजोल्यूशन प्रक्रिया शुरू हुई थी। कंपनी के पास रियल एस्टेट टाउनशिप, होटल, कमर्शियल प्रॉपर्टी और सीमेंट प्लांट जैसी कई बड़ी संपत्तियां मौजूद हैं।

सोना-चांदी में जोरदार उछाल, दाम रिकॉर्ड स्तर के करीब

– घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच निवेशकों की बढ़ी दिलचस्पी

नई दिल्ली ।

देश में सोने और चांदी की कीमतों में एक बार फिर जोरदार तेजी देखने को मिल रही है। शे निवार 11 अप्रैल को दिल्ली सराफा बाजार में सोना 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के पार पहुंच गया, जबकि चांदी 2.60 लाख रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार करती दिखी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी दोनों धातुओं में मजबूती बनी हुई है, जिससे घरेलू बाजार को समर्थन मिल रहा है। देश के प्रमुख शहरों में सोने के दामों में हल्का अंतर देखा गया है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,52,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,39,810 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज किया गया। मुंबई और कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,52,360 रुपये के आसपास बना हुआ है, जबकि चेन्नई में यह बढ़कर 1,54,100 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गया है। चांदी की बात करें तो दिल्ली में इसकी कीमत 2,60,100 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज की गई। इससे पहले इसमें एक दिन में करीब 1.6 फीसदी की बढ़त देखी गई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में स्पॉट गोल्ड लगभग 4,777 डॉलर प्रति औंस और चांदी 75 डॉलर प्रति औंस के आसपास बनी हुई है। मार्केट एक्सपर्ट्स के अनुसार एमसीएक्स के वीकली चार्ट पर सोना और चांदी दोनों लगातार मजबूती दिखा रहे हैं। दोनों धातुएं 30-वीक मूविंग एवरेज से ऊपर बनी हुई हैं, जो मजबूत अपट्रेंड का संकेत माना जाता है। हालांकि विशेषज्ञ यह भी मानते हैं कि अगर कीमतें प्रमुख सपोर्ट लेवल से नीचे जाती हैं तो हल्की गिरावट संभव है।

फिलहाल बाजार का रुझान सकारात्मक बना हुआ है और निवेशकों की नजर आगे की चाल पर टिकी है।

चार्जर खरीदते समय ऐसे बचें नकली प्रोडक्ट से, आर-नंबर बन सकता है सुरक्षा की गारंटी

– नकली चार्जर बना खतरा, बीआईएस कोड से करें असली की पहचान

मुंबई ।

आजकल ज्यादातर स्मार्टफोन कंपनियां अपने बॉक्स से चार्जर हटाने लगी हैं, जिसके कारण उपभोक्ताओं को अलग से चार्जर खरीदना पड़ता है। ऐसे में बाजार में नकली और घटिया क्वालिटी के चार्जरों की भरमार हो गई है। लेकिन एक छोटा सा 'आर-नंबर' कोड आपकी सुरक्षा और फोन दोनों को बड़े खतरे से बचा सकता है। अगर आप अपने चार्जर को ध्यान से देखें, तो उसके पीछे 'आर' से शुरू होने वाला एक कोड (जैसे आर-एक्सएक्सएक्स) और बीआईएस लोगो दिखाई देता है। यह कोड ब्यूरो आफ इंडियन स्टैंडर्ड (बीआईएस) द्वारा जारी किया जाता है, जो यह प्रमाणित करता है कि उत्पाद भारत सरकार के सुरक्षा मानकों पर खरा उतरा है। यह रजिस्ट्रेशन नंबर बताता है कि चार्जर को ओवरहीटिंग, शॉर्ट सर्किट और हाई-वोल्टेज जैसी समस्याओं के लिए टेस्ट किया गया है। यानी यह चार्जर सुरक्षित उपयोग के योग्य माना जाता है। नकली चार्जर बनाने वाले अक्सर फर्जी बीआईएस लोगो का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन

उपभोक्ता आसानी से इसकी जांच कर सकते हैं। इसके लिए बीआईएसकी आधिकारिक वेबसाइट या ऐप पर जाकर आर-नंबर दर्ज करना होता है। वहां अगर चार्जर असली होगा तो निर्माता, ब्रांड और प्रोडक्ट से जुड़ी पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। नकली चार्जर इस्तेमाल करने के कई गंभीर खतरे होते हैं। इनमें बैटरी ब्लास्ट, फोन की बैटरी लाइफ कम होना और करंट लगने का जोखिम शामिल है। घटिया क्वालिटी के कारण फोन की परफॉर्मेंस भी प्रभावित हो सकती है।

अमेरिका-ईरान तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट

– वार्ता से पहले डब्ल्यूटीआई और ब्रेंट क्रूड में कमजोरी, स्ट्रेट आफ होर्मुज पर वैश्विक आपूर्ति की नजर

नई दिल्ली ।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और संभावित शांति वार्ता से पहले वैश्विक कच्चे तेल बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला है। शनिवार को होने वाली अहम बातचीत से पहले तेल की कीमतों में एक बार फिर गिरावट दर्ज की गई है। निवेशकों को उम्मीद है कि यदि बातचीत सकारात्मक रहती है तो वैश्विक आपूर्ति सामान्य हो सकती है और कीमतों में और नरमी आ सकती है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी है। डब्ल्यूटीआई क्रूड लगभग 2 डॉलर से अधिक टूटकर 95.63 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जबकि ब्रेंट क्रूड भी गिरकर करीब 95.20 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर कारोबार कर रहा है। यह

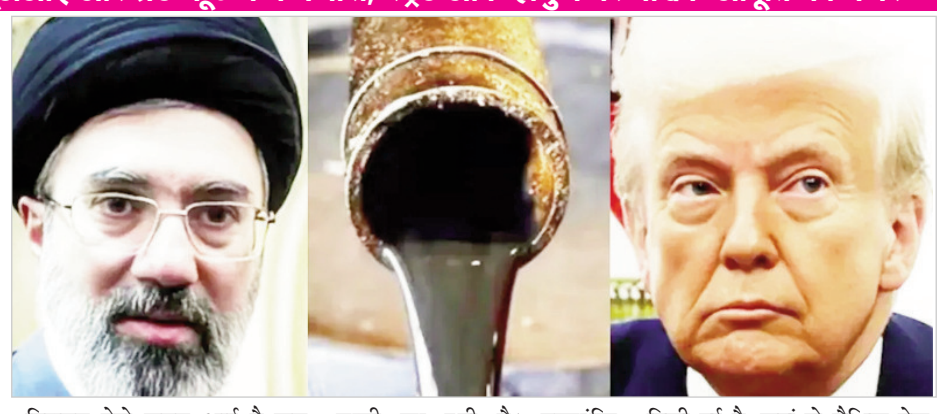

गिरावट ऐसे समय आई है जब बाजार अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली उच्च स्तरीय बातचीत पर नजर बनाए हुए है। इससे पहले, जब सीजफायर की घोषणा से जुड़ी खबरें सामने आई थीं, तब कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 16 प्रतिशत की भारी गिरावट देखी गई थी, जो पिछले छह वर्षों में सबसे बड़ी गिरावट मानी जा रही है। हालांकि राजनीतिक स्तर पर बयानबाजी तेज है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि समझौता नहीं हुआ तो अमेरिका और कड़ा रुख अपना सकता है। साथ ही उन्होंने बातचीत को ईरान के लिए ÷गोल्डन चांस÷ बताया है। बाजार की नजर अब स्ट्रे आफ होर्मुज पर टिकी हुई है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। यदि यह समुद्री मार्ग सुरक्षित और खुला रहता है तो आपूर्ति स्थिर रह सकती है, जिससे कीमतों में राहत मिल सकती है। लेकिन अगर तनाव बढ़ा और मार्ग बाधित हुआ तो तेल की कीमतें फिर से 100 डॉलर प्रति बैरल के पार जा सकती हैं।

मार्च 2026 में महिंद्रा ने दर्ज की 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि

नई दिल्ली ।

मार्च 2026 बिक्री के लिहाज से महिंद्रा एंड महिंद्रा के लिए यह शानदार महीना रहा। कंपनी ने मार्च महीने में कुल 60,272 गाड़ियां बेचकर सालाना आधार पर 25प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की। महिंद्रा स्कॉर्पियो मॉडल एक बार फिर कंपनी की सबसे ज्यादा बिकने वाली एसयूवी बनकर उभरी, जिसने थार और बोलेरो जैसे लोकप्रिय मॉडलों को भी पीछे छोड़ दिया। स्कॉर्पियो की 14,578 यूनिट्स बिकीं, जो मार्च 2025 के मुकाबले 5प्रतिशत ज्यादा है। थार ने 10,872 यूनिट्स की बिक्री के साथ 22प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की, जबकि बोलेरो ने भी 9,788 यूनिट्स बेचकर 22प्रतिशत की वृद्धि हासिल की। कंपनी की नई एक्सयूवी 7एक्स0 ने 9,210 यूनिट्स और एक्सयूवी 3एक्स0 ने 9,199 यूनिट्स की बिक्री के साथ अच्छा प्रदर्शन किया। हालांकि, महिंद्रा के लिए कुछ चिंताएं भी सामने आईं, जैसे कि उसकी प्रीमियम एसयूवी एक्सयूवी 700 और एमपीवी मराजो की मार्च में एक भी यूनिट नहीं बिकी, जबकि पिछले साल इसी महीने में उनकी अच्छी बिक्री हुई थी। यह दर्शाता है कि कुछ मॉडलों को ग्राहकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है, जबकि कुछ अन्य बाजार में अपनी पकड़ खो रहे हैं।

पाकिस्तान में ईंधन की कीमतों में बड़ी कटौती, 135 रुपए तक घटे दाम

- पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल ऑयल में उल्लेखनीय कमी, नई दरें 11 अप्रैल से लागू

इस्लामाबाद ।

पाकिस्तान सरकार ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतों में भारी कटौती की घोषणा की है। नई दरें 11 अप्रैल से लागू हो गई हैं। पेट्रोल, डीजल, केरोसिन और लाइट डीजल ऑयल सभी के दामों में उल्लेखनीय कमी की गई है, जिससे परिवहन और कृषि क्षेत्र पर खर्च का बोझ कम होने की उम्मीद है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार पेट्रोल की कीमत में 11.83 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है, जिसके बाद नई कीमत 366.58 रुपये प्रति लीटर तय हुई है। वहीं डीजल के दाम में 134.81 रुपये प्रति लीटर की भारी कटौती की गई है और अब यह 385.54 रुपये प्रति लीटर में उपलब्ध होगा। इसके अलावा केरोसिन तेल की कीमत में 17.33 रुपये की कमी की गई है, जिससे इसकी नई दर 450.15 रुपये प्रति लीटर हो गई है। लाइट डीजल ऑयल भी 25.31 रुपये सस्ता होकर 369.72 रुपये प्रति लीटर पर आ गया है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट का पूरा लाभ जनता तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सरकार ने राहत का कोई हिस्सा राजस्व या अन्य खर्चों में उपयोग करने के बजाय सीधे जनता को देने का निर्णय लिया है। सरकार का कहना है कि किसानों को राहत देना प्राथमिकता है ताकि उत्पादन लागत घटे और कृषि क्षेत्र को मजबूती मिले। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट और मोटरसाइकिल उपयोगकर्ताओं के लिए सब्सिडी जारी रखने की भी बात कही गई है।

आरबीआई का प्रस्ताव- 1 लाख करोड़ से अधिक परिसंपत्ति वाली एनबीएफसी होंगी अपर लेयर में

- मौजूदा जटिल स्कोरिंग सिस्टम की जगह अब आकार आधारित मानदंड अपनाने का सुझाव

नई दिल्ली ।

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के वर्गीकरण ढांचे में महत्वपूर्ण बदलाव का प्रस्ताव दिया है। प्रस्ताव के अनुसार अब एनबीएफसी को उनकी परिसंपत्ति (एसेट साइज) के आधार पर अपर लेयर में रखा जाएगा, जिससे मौजूदा जटिल मूल्यांकन प्रणाली को सरल और पारदर्शी बनाया जा सके। इस मसौदे पर हितधारकों से 4 मई तक सुझाव मांगे गए हैं। रतीय रिज़र्व बैंक ने गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए मौजूदा स्केल बेस्ड रेगुलेटरी (एसबीआर) ढांचे में व्यापक बदलाव का प्रस्ताव जारी किया है। इस प्रस्ताव के तहत सबसे बड़ा बदलाव यह है कि अब अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान के लिए जटिल स्कोरिंग मॉडल की जगह केवल परिसंपत्ति आधारित मानदंड अपनाया जाएगा। आरबीआई के अनुसार जिन एनबीएफसी की परिसंपत्ति 1 लाख करोड़ रुपए या उससे अधिक होगी, उन्हें उनकी नवीनतम ऑडिटेड बैलेंस शीट के आधार पर सीधे अपर लेयर श्रेणी में रखा जाएगा। इसके अलावा यदि सार्वजनिक क्षेत्र की एनबीएफसी इस परिसंपत्ति सीमा को पार करती हैं, तो उन्हें भी इस श्रेणी में शामिल किया जाएगा। वर्तमान में ऐसी कई संस्थाएं बुनियादी या मध्य स्तर में वर्गीकृत रहती हैं। अभी तक अपर लेयर एनबीएफसी की पहचान एक द्विआयामी पद्धति के आधार पर होती है, जिसमें मात्रात्मक और गुणात्मक मापदंड शामिल हैं। इस प्रणाली में लगभग 70 प्रतिशत भार मात्रात्मक और 30 प्रतिशत गुणात्मक संकेतकों को दिया जाता है। हालांकि आरबीआई का मानना है कि यह ढांचा जटिल है और इसे सरल बनाना आवश्यक है ताकि नियमन अधिक पारदर्शी और प्रभावी हो सके। फिलहाल लगभग 15 एनबीएफसी को अपर लेयर में रखा गया है। इनमें बजाज फाइनेंस, श्रीराम फाइनेंस, एलएंडटी फाइनेंस, टाटा कैपिटल, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, महिंद्रा एंड महिंद्रा फाइनेंशियल सर्विसेज, आदित्य बिड़ला फाइनेंस, मुथूट फाइनेंस, एचडीबी फाइनेंशियल सर्विसेज, बजाज हाउसिंग फाइनेंस, पीएनबी हाउसिंग फाइनेंस और टाटा संस जैसे बड़े नाम शामिल हैं। आरबीआई ने जनवरी 2025 में जारी सूची में स्पष्ट किया था कि टाटा संस को अपर लेयर में शामिल करना उसके पंजीकरण रद्द करने के आवेदन की प्रक्रिया पर कोई असर नहीं डालेगा, जो अभी समीक्षा में है। इस नए प्रस्ताव के लागू होने पर सरकारी क्षेत्र की एनबीएफसी को भी अपर लेयर में शामिल किए जाने से इस श्रेणी की संस्थाओं की संख्या बढ़ सकती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह बदलाव वित्तीय प्रणाली में निगरानी को अधिक मजबूत बनाएगा और बड़े संस्थानों पर नियामकीय नियंत्रण और प्रभावी होगा। इक्रा के अनुसार, इससे एनबीएफसी क्षेत्र में वर्गीकरण अधिक स्पष्ट और सरल हो सकेगा।

भारत बनाएगा 10 करोड़ डॉलर का समुद्री बीमा कोष

- युद्ध जोखिम बढ़ने से महंगा हुआ बीमा, निर्यातकों को राहत देने की तैयारी

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के चलते समुद्री व्यापार पर संकट गहराता जा रहा है। इस स्थिति से निपटने के लिए भारतीय बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां एक विशेष समुद्री बीमा कोष बनाने की योजना पर काम कर रही हैं। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय सामान्य बीमा और पुनर्बीमा कंपनियां करीब 10 करोड़ डॉलर का समुद्री बीमा कोष तैयार करने पर विचार कर रही हैं। इस कोष का प्रबंधन जनरल इंश्योरेंस कारपोरेशनप आफ इंडिया (जीआईसी) द्वारा किया जाएगा, जिसमें समुद्री बीमा से जुड़ी अन्य कंपनियां भी भाग लेंगी। सूत्रों के अनुसार इस कोष को मजबूत बनाने के लिए सरकार संप्रभु गारंटी देने पर भी विचार कर सकती है। बीमा कंपनियां फरवरी 2026 तक समुद्री बीमा प्रीमियम का लगभग 8 प्रतिशत हिस्सा इसमें योगदान करने पर चर्चा कर रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि सामान्य समुद्री बीमा युद्ध संबंधी जोखिमों को कवर नहीं करता, जिसके लिए अलग से वार-रिस्क कवर लेना पड़ता है। मौजूदा हालात में यह कवर महंगा और सीमित हो गया है। पहले जहां इसका प्रीमियम 0.25 प्रतिशत था, वहीं अब यह बढ़कर 0.5 से 1 प्रतिशत तक पहुंच गया है। पश्चिम एशिया में अस्थिरता के चलते कई बीमा कंपनियों ने जहाजों के लिए कवर रद्द करने तक के नोटिस जारी किए हैं। वहीं शिपिंग कंपनियां वैकल्पिक मार्गों की तलाश कर रही हैं या सेवाएं रोक रही हैं। प्रस्तावित बीमा कोष जोखिम को साझा कर बड़े नुकसान की भरपाई में मदद करेगा और भविष्य में इस तरह के संकटों से निपटने में अहम भूमिका निभा सकता है।

किशोर आक्रामकता एवं हिंसा पर अंकुश लगाने की पहल हो

ललित गर्ग

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है।

भारतीय किशोरों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति एवं क्रूर मानसिकता चिन्ताजनक है, नये भारत एवं विकसित भारत के भाल पर यह बदनुमा दाग है। पिछले कुछ समय से किशोरों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी, मर्मांतक एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में किशोरों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता एवं क्रूर मानसिकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। बदलते समय के साथ समाज के व्यवहार में आई यह हिंसक तीव्रता और आक्रामकता अब केवल वयस्कों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका सबसे चिंताजनक प्रभाव किशोर पीढ़ी पर स्पष्ट रूप से दिखाई देना ज्यादा परेशान करने वाला है। हाल के वर्षों में किशोरों द्वारा किए गए अपराधों की संख्या और उनकी क्रूरता ने पूरे समाज को झकझोर दिया है। यह केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गया, बल्कि यह सामाजिक संरचना, पारिवारिक मूल्यों, शिक्षा व्यवस्था और सांस्कृतिक प्रभावों के गहरे संकट का संकेतक बन चुका है। दिल्ली के दयालपुर क्षेत्र में मात्र चार सौ रुपये के विवाद में एक युवक की नृशंस हत्या, जिसमें तीन किशोरों ने बेरहमी से चाकू घोंपे और चौथा उसका वीडियो बनाता रहा, इस विकृति का भयावह उदाहरण है। यह घटना केवल एक हत्या नहीं, बल्कि संवेदनाओं के क्षरण, नैतिकता के पतन और कानून के भय के समाप्त हो जाने का प्रतीक है। यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर किशोरों में यह दुस्साहस और हिंसात्मक प्रवृत्ति कहां से जन्म ले रही है? वस्तुतः, किशोर अपराधों के बढ़ते ग्राफ के पीछे कई परस्पर जुड़े हुए कारण हैं, जिनका विश्लेषण आवश्यक है। सबसे पहला और प्रमुख कारण है पारिवारिक संरचना का विघटन। पहले संयुक्त परिवारों में बच्चों को दादा-दादी, चाचा-चाची और अन्य सदस्यों के सान्निध्य में नैतिकता, अनुशासन और सामाजिक मर्यादाओं का सहज प्रशिक्षण मिलता था। आज एकल परिवारों में माता-पिता की व्यस्तता और समयाभाव के कारण बच्चों के साथ संवाद का अभाव हो गया है। परिणामस्वरूप, किशोर अपनी समस्याओं और जिज्ञासाओं का समाधान बाहर ढूंढते हैं, जो कई बार उन्हें गलत दिशा में ले जाता है।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण है डिजिटल और सोशल मीडिया का अनियंत्रित प्रभाव। इंटरनेट ने जहां ज्ञान के द्वार खोले हैं, वहीं अपराध, हिंसा और अश्लीलता से भरी सामग्री भी किशोरों के लिए सहज उपलब्ध कर दी है। फिल्मों, वेब सीरीज और टीवी धारावाहिकों में हिंसा को जिस प्रकार ग्लैमराइज किया जाता है, वह किशोर मन को प्रभावित करता है। वे अपराध को एक साहसिक कार्य या रोमांच के रूप में देखने लगते हैं। कई बार वे यह भूल जाते हैं कि वास्तविक जीवन में इसके गंभीर और जीवन विनाशक घातक परिणाम होते हैं। तीसरा पहलू शिक्षा व्यवस्था का है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा और रोजगार तक सीमित हो गया है। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और जीवन मूल्यों पर आधारित शिक्षण लगभग समाप्त हो गया है। शिक्षकों की भूमिका भी अब मार्गदर्शक की बजाय केवल पाठ्यक्रम पूर्ण करने तक सीमित हो गई है। विद्यालयों में अनुशासन और संवाद का जो वातावरण होना चाहिए, वह धीरे-धीरे समाप्त होता जा रहा है।

इसके अतिरिक्त, समाज में बढ़ती असहिष्णुता और आक्रामकता भी किशोरों को प्रभावित कर रही है। जब वे अपने आसपास छोटे-छोटे विवादों में लोगों को हिंसक होते देखते हैं, तो यह उनके लिए सामान्य व्यवहार बन जाता है। राजनीति, मीडिया और सामाजिक जीवन में बढ़ती कटुता और टकराव की प्रवृत्ति किशोरों के मन में भी उसी प्रकार की प्रतिक्रियाएं उत्पन्न करती है। किशोर अपराधों के पीछे एक और गंभीर कारण है आपराधिक गिरोहों द्वारा उनका उपयोग। चूंकि कानून में किशोरों के लिए अपेक्षाकृत नरमी होती है, इसलिए अपराधी गिरोह उन्हें अपने कार्यों के लिए मोहरे के रूप में इस्तेमाल करते हैं। इसके अलावा, नशे की बढ़ती प्रवृत्ति भी किशोरों को अपराध की ओर धकेलती है। नशे की लत पूरी करने के लिए वे चोरी, लूट और यहां तक कि हत्या जैसे गंभीर अपराध करने से भी नहीं हिचकते।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि किशोर न्याय से जुड़े कानूनों का लचीलापन कई बार अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच बन जाता है। गंभीर अपराधों में संलिप्त होने के बावजूद किशोरों को शीघ्र रिहा कर दिया जाता है, जिससे उनमें कानून का भय समाप्त हो जाता है। इस संदर्भ में यह बहस भी समय-समय पर उठती रही है कि गंभीर अपराधों में संलिप्त किशोरों के लिए वयस्कों जैसा दंड प्रावधान होना चाहिए या नहीं? हालांकि केवल कानून को कठोर बनाना ही समाधान नहीं है। समस्या की जड़ें कहीं अधिक गहरी हैं और इसके समाधान के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाना होगा। सबसे पहले परिवार को अपनी भूमिका को पुनः समझना होगा। बच्चों के साथ संवाद बढ़ाना, उनके मानसिक और भावनात्मक विकास पर ध्यान देना और उन्हें सही-गलत का अंतर समझाना अत्यंत आवश्यक है। माता-पिता को यह समझना होगा कि केवल भौतिक सुविधाएं प्रदान करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि समय और संस्कार देना अधिक महत्वपूर्ण है।

दूसरे, शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार की आवश्यकता है। विद्यालयों में नैतिक शिक्षा, जीवन कौशल और व्यवहारिक प्रशिक्षण को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। शिक्षकों को केवल ज्ञान प्रदाता नहीं, बल्कि मार्गदर्शक और प्रेरक की भूमिका निभानी होगी। स्कूलों में काउंसलिंग व्यवस्था को मजबूत करना भी जरूरी है ताकि किशोर अपनी समस्याओं को साझा कर सकें। तीसरे, मीडिया और मनोरंजन उद्योग को भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी समझनी होगी। हिंसा और अपराध को महिमामंडित करने के बजाय सकारात्मक और प्रेरणादायक सामग्री का निर्माण किया जाना चाहिए। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी कंटेंट की निगरानी और नियंत्रण को सख्ती से लागू करना होगा। चौथे, पुलिस और प्रशासन को अपनी कार्यशैली में बदलाव लाना होगा। केवल अपराध होने के बाद कार्रवाई करने के बजाय, अपराध की रोकथाम पर अधिक ध्यान देना होगा। समुदाय आधारित पुलिसिंग, स्कूलों में जागरूकता कार्यक्रम और किशोरों के साथ संवाद जैसी पहलें प्रभावी हो सकती हैं।

ऑस्ट्रिया के क्लागेनफर्ट विश्वविद्यालय की ओर से किशोरों पर किए गए अध्ययन में पता चला है कि दुनिया भर में 35.8 प्रतिशत से ज्यादा किशोर मानसिक तनाव, अनिद्रा, अकारण भय, पारिवारिक अथवा सामाजिक हिंसा, चिड़चिड़ापन अथवा अन्य कारणों से जूझ रहे हैं। एकाकीपन बढ़ने से वे ज्यादा आक्रामक और विध्वंसक सोच की तरफ बढ़ने लगे हैं। मोबाइल व कथित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बह रहे नीले जहर से किशोर अराजक यौन व्यवहार एवं हिंसक प्रवृत्तियों की तरफ उन्मुख हुए हैं। किशोरों को समझाने वाला कोई नहीं है कि यह रास्ता आत्मघात का है। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड व ब्रिटेन जैसे देश किशोरों को मोबाइल से दूर रखने हेतु कानून बना रहे हैं। हमारे देश में भी शीर्ष अदालत ने समय-समय पर ऐसी घटनाओं पर तल्ख टिप्पणियां की हैं। क्या इन दर्दनाक घटनाओं से हमारे अभिभावकों, समाज-निमार्ताओं एवं हमारे सत्ताधीशों की आंख खुलेगी? बच्चों से जुड़ी हिंसा की इन वीभत्स एवं त्रासद घटनाओं से जिन्दगी सहम गयी है। हमें मानवीय मूल्यों के लिहाज से भी विकास एवं नयी समाज-व्यवस्था की परख करनी होगी। बच्चों के भीतर हिंसा मनोरंजन की जगह ले रही है। इसी का नतीजा है कि छोटे-छोटे स्कूली बच्चे भी अपने किसी सहपाठी की हत्या तक कर रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा?

यदि एक किशोर अपराध की राह पर जाता है, तो उसमें कहीं न कहीं परिवार, समाज, शिक्षा और व्यवस्था की भी जिम्मेदारी होती है। आज आवश्यकता है एक समन्वित और संवेदनशील दृष्टिकोण की, जिसमें सरकार, समाज, परिवार और शिक्षा संस्थाएं मिलकर कार्य करें। केवल दंड से नहीं, बल्कि संवाद, संस्कार और सकारात्मक मार्गदर्शन से ही इस समस्या का स्थायी समाधान संभव है। यदि समय रहते इस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो यह आक्रामकता आने वाली पीढ़ियों के लिए और भी गंभीर संकट का रूप ले सकती है। इसलिए यह समय चेतने का है, सोचने का है और मिलकर समाधान खोजने का है, ताकि हमारी किशोर पीढ़ी हिंसा की राह छोड़कर सृजन और संवेदना के मार्ग पर अग्रसर हो सके।

संपादकीय

समता की आस्था

यह विडंबना ही है कि 21वीं सदी, जिसे ज्ञान की सदी भी कहा जाता है, में किसी व्यक्ति के धार्मिक स्थल विशेष जाने पर वर्ग या लिंगभेद के आधार पर रोक लगे। इस बाबत सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है जिसमें कहा गया कि मंदिरों व मठों में प्रवेश में भेदभाव धर्म के लिये अच्छा नहीं है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी। देश की शीर्ष अदालत का मानना था कि मंदिरों और मठों में जाने का अधिकार हर व्यक्ति को मिलना चाहिए। अदालत ने चिंता जतायी कि यदि ऐसा नहीं होता है तो समाज में विभाजन को बढ़ावा मिलेगा। जिसका धर्म विशेष की सर्वस्वीकार्यता पर भी प्रतिकूल असर पड़ेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली नौ सदस्यीय संविधान पीठ धार्मिक स्थलों में महिलाओं से भेदभाव के मामले में सात कानूनी सवालों पर विचार कर रही है। जिसमें केरल के बहुचर्चित सबरीमाला मंदिर में दस से पचास साल की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध का मुद्दा भी शामिल है। दरअसल, केरल के कई संगठनों की ओर से शीर्ष अदालत में उपस्थित अधिवक्ता ने दलील दी थी कि संप्रदाय विशेष का मंदिर, इस मामले में प्रवेश की अनुमति और पूजापाठ की इजाजत एक संप्रदाय विशेष तक सीमित रख सकता है। इस प्रसंग में पीठ की न्यायाधीश बीवी नागरत्ना ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को मंदिर और मठ में प्रवेश का अधिकार मिलना चाहिए। किसी को रोका जाना हिंदू धर्म के लिए अच्छी परंपरा नहीं है। दूसरे शब्दों में इसका धर्म पर बुरा असर नहीं पड़ना चाहिए। निश्चित रूप से देशकाल व परिस्थितियों के अनुसार देश के कानून व संविधान में भी परिवर्तन किए गए हैं। ऐसा में आस्था स्थलों से जुड़ी मान्यताओं व परंपराओं पर भी तर्कशील ढंग से विचार किया जाना जरूरी है। यह किसी भी समाज में समतामूलक सोच के विस्तार के लिये अपरिहार्य शर्त होनी चाहिए। इस दिशा में उदार सोच समय की जरूरत है। इसमें दो राय नहीं कि हमारे धार्मिक स्थल हमारी आध्यात्मिक दृष्टि को समृद्ध करने में अहम भूमिका निभाते हैं। धार्मिक होने का मतलब है ममता-समता और लोककल्याण से जुड़ी व्यापक दृष्टि का होना। श्रद्धालु किसी भी धार्मिक स्थल में मन की शांति और सुकून के लिये जाते हैं। इस बात से सहमत नहीं हुआ जा सकता है कि पूजा पद्धति व धार्मिक स्थल में प्रवेश रोकने पर हमारे आराध्य प्रसन्न होंगे। पौराणिक प्रसंगों में ऐसे उदाहरण नहीं मिलते हैं जब धरती पर अवतार लेने वाले देवताओं ने किसी वंचित समाज के व्यक्ति और महिलाओं को लेकर किसी तरह के भेदभाव को प्रश्रय दिया हो।

चिंतन-मनन

कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं

आज की चिंतनधारा में संन्यास और कर्मयोग को अलग-अलग करके देखा जा रहा है। महर्षि अरविंद ने अपने साधना-प्रम में संन्यास को कोई स्थान नहीं दिया। उन्होंने कर्मयोग का ही विधान किया। इसी प्रकार कई विचारधाराएं तो संन्यास-विरोधी भी हो गई हैं। किंतु मैं संन्यास और कर्मयोग में कोई विरोध नहीं देखता। मेरे अभिमत से कर्मयोग से साधना का प्रारंभ होता है और संन्यास उसकी चरम अवस्था है। देहमुक्त अवस्था को प्राप्त करने के लिए संन्यास की स्वीकृति अनिवार्य है और संन्यास तक पहुंचने के लिए कर्मयोग की साधना से गुजरना अनिवार्य है। कर्मयोग के बिना संन्यास नहीं और संन्यास के बिना मुक्ति नहीं। फिर दोनों में विरोध कैसे हो सकता है। संन्यास से मेरा मतलब किसी वेशभूषा से नहीं है। वह तो मात्र संन्यास की परिचायक है। उससे न केवल औरों को संन्यास का परिचय मिलता है, स्वयं साधक को भी अपनी साधना का भान रहता है। भगवान महावीर ने श्रमण-वेशधारण के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा है कि संयम यात्रा के वहन के लिए तथा मुनि-स्वरूप के ग्रहण के लिए लोक में साधु-वेश का प्रयोजन है। इससे साधक को अपनी साधना का प्रतिपल ध्यान रहता है। इस प्रकार साधु-वेश का भी अपना महत्व और उपयोग है। किंतु संन्यास से यहां मेरा मतलब साधु-वेश से नहीं, आत्मा की उस स्थिति से है जब वह इंद्रिय-जगत से स्वयं ऊपर उठ जाती है। उस स्थिति में आए बिना कोई भी आत्मा अपना लक्ष्य पा नहीं सकती। कर्मयोग की साधना भी अकर्म की अवस्था में से गुजरती हुई साध्य तक पहुंचती है। यदि साधक का मन और इंद्रियां उसके वश में नहीं हैं, वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? यदि उसका मन और इंद्रियां वश में हैं, फिर वह अरण्य में जाकर क्या करेगा? प्रश्न अरण्य और शहर का नहीं, जितेंद्रियता का है। जितेंद्रिय व्यक्ति के लिए अरण्य और बस्ती में कोई अंतर नहीं रहता।

जस्टिस वर्मा का इस्तीफा सवाल खड़े करने वाला

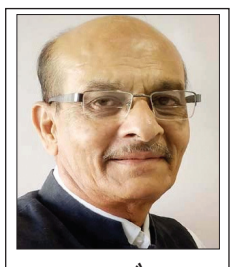

सनत जैन

जस्टिस यशवंत वर्मा ने कैश कांड विवाद और जांच के बीच ही अपने पद से इस्तीफा दे दिया। दरअसल मार्च 2025 में उनके दिल्ली आवास में आग लगने और जले हुए नोटों के बंडल मिलने के बाद से ही यह मामला सुर्खियां बटोर रहा है। हाल के घटनाक्रम में जस्टिस यशवंत वर्मा का राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को इस्तीफा न्यायपालिका और राजनीति के जटिल संबंधों पर एक बार फिर देश मे नई बहस को जन्म दे दिया है। खास बात यह है कि उनके खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव संसद में लंबित है, इसी बीच उनका इस्तीफा सामने आ गया है। यह स्थिति कई संवैधानिक और नैतिक सवाल खड़े कर रही है। क्या यह इस्तीफा महाभियोग की प्रक्रिया से बचने के लिए जस्टिस यशवंत वर्मा ने दिया है? यशवंत वर्मा ने अपने इस्तीफा में कोई कारण नहीं बताया है। उनका कहना है यह उनका व्यक्तिगत निर्णय है। भारतीय संविधान में न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया बेहद कठोर और दुर्लभ है। महाभियोग के माध्यम से हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जजों को हटाने की गंभीर संसदीय प्रक्रिया है। जिसमें जज के खिलाफ आरोपों की जांच और दोनों सदनों में विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है। ऐसे में यदि कोई न्यायाधीश महाभियोग से पहले ही इस्तीफा दे देता है, तो यह प्रक्रिया स्वतः समाप्त हो जाती है। यशवंत वर्मा के इस्तीफे से उनकी पारदर्शिता और जवाबदेही पर सवाल उठने लगे हैं। उनकी स्थिति के बाद अब आरोपों की सत्यता तथा उनके घर से जो जले हुए नोट बरामद हुए थे। उसकी वास्तविकता सार्वजनिक रूप से कभी सामने नहीं आ पायेगी। जब राज्यसभा में महाभियोग का प्रस्ताव पेश हुआ था उस समय के उप राष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति को रातों-रात इस्तीफा देना पड़ा था। सरकार को शक था। इस मामले में पूर्व उपराष्ट्रपति जयदीप धनखड़ ने बिना सरकार को बताए, जो कार्रवाई की उससे सरकार नाराज हो गई थी। जो उनके इस्तीफा का कारण बनी। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा भी उसी संदर्भ से जोड़कर देखा जा रहा है। हालांकि उनके मामले में परिस्थितियाँ और संवैधानिक स्थिति भिन्न थीं। लेकिन जिस तरीके से उन्होंने अपने स्वास्थ्य कारणों का उल्लेख करते हुए उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा दिया था, वह सत्य नहीं था। जस्टिस वर्मा के इस्तीफा के बाद यह साबित हो गया है। उपराष्ट्रपति का इस्तीफा सरकार के दबाव में हुआ था। अब इस्तीफे की बातें छन-छन कर सामने आ रही हैं। उच्च न्यायालय के न्यायाधीश का पद न्यायिक स्वतंत्रता का प्रतीक होता है। दोनों की तुलना एक दूसरे से करना उचित नहीं है। फिर भी समय और परिस्थितियों के कारण राजनीतिक अटकलें लगना स्वाभाविक है।

यह भी उल्लेखनीय है, इस तरह का घटनाक्रम लोकतंत्र की संस्थाओं और उनमें बैठे हुए लोगों के प्रति आम जनता के विश्वास को प्रभावित कर सकता है। इस तरह की घटना से जनता को संदेश जाता है, उच्च पदों पर बैठे लोग अपनी जवाबदेही से बच सकते हैं। जस्टिस वर्मा का इस्तीफा लोकतंत्र के लिए एक चिंताजनक संकेत है। आवश्यक हो जाता है, ऐसी स्थितियों में स्पष्ट नियम और ऐसी प्रक्रिया विकसित की जाए, जिसमे इस्तीफे के बाद भी आरोपों की निष्पक्ष जांच हो सके। जांच में यदि आप सत्य पाए जाएं तो सजा के प्रावधान भी होने चाहिए। यह मामला केवल एक व्यक्ति का नहीं बल्कि संस्थागत जवाबदेही का है। न्यायपालिका की गरिमा और संसद की सर्वोच्चता दोनों को संतुलित रखने के लिए संसद को इस तरह के नियम कानून बनाने होंगे, जो न्यायपालिका और जजों की न्याय को लेकर पारदर्शिता, उत्तरदायित्व, फैसलों की समीक्षा होने तथा गड़बड़ी होने पर कार्यवाही की जा सके, तभी जनता का न्याय पालिका पर विश्वास

मजबूत होगा। जिस तरह से जजों के ऊपर तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं, न्याय पालिका की साख को बचाने के लिए निष्पक्ष जांच और दोषी पाए जाने पर दंडात्मक कार्यवाही होनी ही चाहिए। तभी लोकतंत्र की नींव मजबूत होगी। न्याय पालिका के कामकाज में सुधार होगा। न्याय पालिका की साख बढ़ेगी। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जिस तरह से न्याय पालिका के ऊपर आरोप लग रहे हैं, उसके लिए स्वतंत्र जांच जरूरी है। यह जाँच संसद भी कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराकर न्याय पालिका की साख को बढ़ाने का काम करे। आम आदमी को वर्तमान परिदृष्य को देखते हुए यही अपेक्षा है।

आस्था का बाजारीकरण: वीआईपी दर्शन और आम श्रद्धालु की उपेक्षा पर एक गंभीर सवाल

डॉ. सत्यवान सौरभ

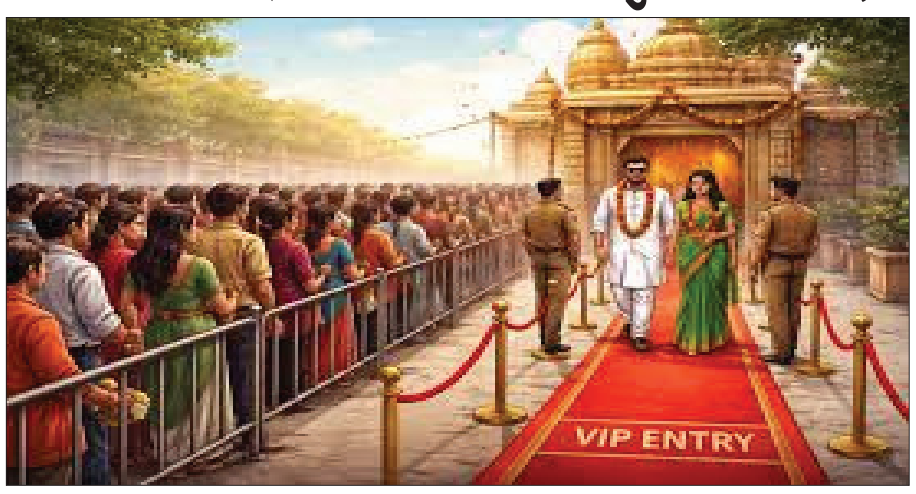

भारत जैसे देश में, जहाँ धर्म और आस्था केवल व्यक्तिगत विश्वास का विषय नहीं बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का अभिन्न हिस्सा हैं, वहाँ मंदिरों और तीर्थ स्थलों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। ये स्थान सदियों से समानता, शांति, और आध्यात्मिक संतुलन के प्रतीक माने जाते रहे हैं। 'भगवान के दरबार में सब बराबर हैं'—यह वाक्य केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि भारतीय समाज की गहरी मान्यता रहा है। लेकिन बीते कुछ वर्षों में इस मान्यता पर प्रश्नचिह्न लगते दिखाई दे रहे हैं।

देश के कई प्रमुख मंदिरों और तीर्थ स्थलों पर वीआईपी दर्शन, विशेष पूजन-अभिषेक और आरती के नाम पर भारी शुल्क वसूले जा रहे हैं। इन सेवाओं के बदले श्रद्धालुओं को लंबी कतारों से मुक्ति, कम समय में दर्शन, और अधिक सुविधाजनक अनुभव दिया जाता है। पहली नजर में यह व्यवस्था एक विकल्प के रूप में दिखाई देती है, लेकिन जब इसका असर आम श्रद्धालुओं के अनुभव पर पड़ता है, तब यह एक गंभीर सामाजिक समस्या बन जाती है।

आज स्थिति यह है कि एक ओर वे लोग हैं जो अतिरिक्त पैसे देकर कुछ ही मिनटों में आराम से दर्शन कर लेते हैं, वहीं दूसरी ओर बड़ी संख्या में आम लोग घंटों, कभी-कभी पूरे दिन, कतारों में खड़े रहते हैं। इस दौरान उन्हें भीड़, धक्का-मुक्की, बदतमीजी और कई बार मारपीट जैसी स्थितियों का सामना करना पड़ता है। यह अनुभव केवल असुविधाजनक नहीं, बल्कि अपमानजनक भी होता है—विशेषकर तब जब व्यक्ति अपनी आस्था और श्रद्धा के साथ वहां पहुंचा हो।

यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या आस्था भी अब एक 'प्रीमियम सेवा' बनती जा रही है? क्या भगवान के दर्शन के लिए भी आर्थिक स्थिति के आधार पर भेदभाव होना चाहिए? यह स्थिति केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह हमारे समाज में बढ़ती असमानता का प्रतिबिंब भी है। राशन की दुकानों से लेकर गैस सिलेंडर की लाइन तक, और अब मंदिरों तक—मिडल क्लास और आम आदमी के हिस्से में अक्सर अव्यवस्था और संघर्ष ही आता है।

वीआईपी संस्कृति के पक्ष में तर्क दिया जाता है कि इससे मंदिरों को अतिरिक्त राजस्व मिलता है, जिससे उनकी व्यवस्था और सुविधाओं को बेहतर बनाया जा सकता है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है। बड़े मंदिरों में रोजाना लाखों श्रद्धालु आते हैं, जिनकी व्यवस्था करना आसान नहीं होता। ऐसे में यदि कुछ लोग अतिरिक्त शुल्क देकर अलग व्यवस्था चाहते हैं, तो उससे प्राप्त धन का उपयोग सार्वजनिक सुविधाओं में किया जा सकता है।

लेकिन समस्या तब उत्पन्न होती है जब यह व्यवस्था असंतुलित हो जाती है। जब वीआईपी सुविधाएं इतनी अधिक हो जाती हैं कि आम श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध संसाधन और समय कम पड़ने लगते हैं, तब यह एक प्रकार का अन्याय बन जाता है। कई बार देखा गया है कि वीआईपी दर्शन के लिए सामान्य कतारों को रोका जाता है, जिससे आम लोगों का इंतजार और बढ़ जाता है। इससे असंतोष और आक्रोश पैदा होना स्वाभाविक है।

इसके अलावा, मंदिरों में कार्यरत कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों का व्यवहार भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। कई मामलों में आम श्रद्धालुओं के साथ कठोर और अपमानजनक व्यवहार किया जाता है, जबकि वीआईपी लोगों के साथ अत्यधिक विनम्रता दिखाई जाती है। यह दोहरा व्यवहार समाज में पहले से मौजूद वर्ग विभाजन को और गहरा करता है।

धार्मिक स्थलों की मूल भावना पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं होते, बल्कि वे मानसिक शांति और आत्मिक संतुलन के केंद्र होते हैं। जब वहां पहुंचने वाला व्यक्ति अव्यवस्था, भीड़ और भेदभाव का सामना करता है, तो उसकी आध्यात्मिक अनुभूति प्रभावित होती है। यह अनुभव उसे निराश और हताश कर सकता है।

इस समस्या का समाधान आसान नहीं है, लेकिन असंभव भी नहीं। सबसे पहले, मंदिर प्रशासन को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि वीआईपी सेवाओं की संख्या और प्रभाव सीमित रहे। इन सेवाओं का उद्देश्य केवल अतिरिक्त सुविधा प्रदान करना होना चाहिए, न कि आम श्रद्धालुओं के अधिकारों को कम करना।

दूसरा, भीड़ प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा सकता है। ऑनलाइन बुकिंग, टाइम स्लॉट सिस्टम, और डिजिटल कतार प्रबंधन जैसे उपायों से भीड़ को बेहतर तरीके से नियंत्रित किया जा सकता है। इससे सभी श्रद्धालुओं को एक व्यवस्थित और सम्मानजनक अनुभव मिल सकता है।

तीसरा, कर्मचारियों और सुरक्षा कर्मियों को संवेदनशीलता और शिष्टाचार का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। हर श्रद्धालु, चाहे वह वीआईपी हो या आम व्यक्ति, सम्मान का पात्र है। यह भावना केवल नीतियों में नहीं, बल्कि व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

चौथा, सरकार और संबंधित ट्रस्टों को इस मुद्दे पर स्पष्ट दिशा-निर्देश बनाने चाहिए। धार्मिक स्थलों पर समानता और पारदर्शिता सुनिश्चित करना केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि नैतिक जिम्मेदारी भी है।

अंततः, यह भी जरूरी है कि समाज स्वयं इस मुद्दे पर जागरूक हो। जब तक लोग इस असमानता को सामान्य मानते रहेंगे, तब तक इसमें बदलाव आना कठिन है। आस्था का अर्थ केवल पूजा-पाठ नहीं, बल्कि समानता, करुणा और न्याय जैसे मूल्यों को अपनाना भी है।

आज समय आ गया है कि हम यह सोचें कि हम किस दिशा में जा रहे हैं। क्या हम ऐसे समाज की ओर बढ़ रहे हैं जहाँ भगवान के दर्शन भी पैसे और पहुँच के आधार पर तय होंगे? या हम उस मूल भावना को बचाए रखेंगे, जिसमें हर व्यक्ति को समान अधिकार और सम्मान प्राप्त हो?

मंदिरों की पवित्रता केवल उनकी भव्यता या व्यवस्था से नहीं, बल्कि वहां मिलने वाले अनुभव से तय होती है। यदि वह अनुभव भेदभाव और असमानता से भरा होगा, तो आस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि हम इस मुद्दे को गंभीरता से लें और मिलकर एक ऐसा वातावरण बनाएं, जहाँ हर श्रद्धालु को यह महसूस हो कि वह वास्तव में भगवान के दरबार में है—जहाँ सब बराबर हैं।

संक्षिप्त समाचार

उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों के बीच वार्ता, सहयोग को और बढ़ाने पर बनी सहमति

प्योंगयांग, एजेंसी। उत्तर कोरिया और चीन के विदेश मंत्रियों ने अपने देशों के बीच सहयोग और आदान-प्रदान को और गहरा करने पर सहमति व्यक्त की। दोनों विदेश मंत्रियों ने अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर गहन चर्चा की, दोनों देशों के सरकारी मीडिया आउटलेट्स ने शुक्रवार को यह जानकारी दी चीन के विदेश मंत्री वांग यी सात साल में पहली बार उत्तर कोरिया की यात्रा पर गुरुवार को प्योंगयांग के लिए रवाना हुए। चीन की समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि वांग और उत्तर कोरिया के विदेश मंत्री चो सोन हुई ने अपनी मुलाकात में मौजूदा अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा की, लेकिन यह स्पष्ट नहीं किया कि वे मुद्दे क्या थे।

आव्रजन बोर्ड ने खारिज की फलस्तीनी एक्टिविस्ट महमूद खलील की अपील, निर्वासन की ओर बड़ा कदम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक आव्रजन अपील बोर्ड ने महमूद खलील की निर्वासन मामले को खारिज करने की नवीनतम याचिका को अस्वीकार कर दिया है। यह एक ऐसा फैसला है जिसकी काफी हद तक उम्मीद थी और जो कोलंबिया विश्वविद्यालय के पूर्व स्नातक छात्र और फलस्तीनी कार्यकर्ता को पुनः गिरफ्तारी और संभावित निष्कासन के एक कदम और करीब ले आता। खलील के वकीलों के अनुसार, आव्रजन अपील बोर्ड ने गुरुवार को निष्कासन का अंतिम आदेश जारी किया। बोर्ड के फैसले सार्वजनिक नहीं हैं और अमेरिकी न्याय विभाग से इस संबंध में की गई पूछताछ का तत्काल कोई जवाब नहीं मिला।

कैलिफोर्निया : बेदखली का नोटिस देते समय शेरिफ के एक डिप्टी की हत्या

सैकरामेंटो, एजेंसी। बेदखली का नोटिस तामील कर रहे पुलिस अधिकारी की एक व्यक्ति ने मध्य कैलिफोर्निया में गोली मारकर हत्या कर दी। मरने वाला पुलिस अधिकारी एक शेरिफ का डिप्टी था। वहीं, घंटों तक चले गतिरोध के बाद अधिकारियों ने उस शख्स को मार गिराया। तुलारे काउंटी के डिप्टी पोर्टरविले में एक घर में बेदखली का नोटिस देने गए थे, तभी एक 60 वर्षीय व्यक्ति ने उन पर गोली चला दी, शेरिफ विभाग ने फेसबुक पर यह जानकारी दी। वह व्यक्ति कई घंटों तक राइफल लेकर घर के अंदर छिपा रहा। एक समय ऐसा भी आया जब उस व्यक्ति द्वारा पुलिसकर्मियों पर लगातार गोलीबारी करने पर अधिकारियों ने घर में गैस छोड़ी।

संयुक्त राष्ट्र की समिति में तीन साल के नए कार्यकाल के लिए फिर से चुनी गईं राजदूत प्रीति सरन

वाशिंगटन, एजेंसी। अनुभवी राजनयिक प्रीति सरन को जटिल वैश्विक सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों के माध्यम से इस संस्था का नेतृत्व करने में उनकी विशेषज्ञता को देखते हुए 2027 से शुरू होने वाले तीन साल के नए कार्यकाल के लिए प्रतिष्ठित संयुक्त राष्ट्र आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार समिति (सीईएससीआर) में फिर से चुना गया है। राजदूत सरन वर्तमान में सीईएससीआर के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, जो संयुक्त राष्ट्र की वह संस्था है जो इस बात की निगरानी के लिए जिम्मेदार है कि सदस्य देश आर्थिक और सामाजिक अधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय समझौतों को कैसे लागू करते हैं। सीईएससीआर संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार आयोग के प्रशासनिक नियंत्रण में काम करता है।

एरिजोना के छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना, दो की मौत

फीनिक्स, एजेंसी। एरिजोना के एक छोटे हवाई अड्डे पर विमान दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। माराना के मेयर जॉन पोस्ट ने बताया कि विमान हवाई पट्टी से बाहर चला गया और उसमें आग लग गई। शहर के प्रवक्ता विक हॅथवे ने कहा, विमान में दो लोग सवार थे, जिनकी मौत हो गई। उनकी पहचान नहीं हुई है। माराना पुलिस विभाग ने बताया कि दुर्घटना में कोई अन्य चोटिल नहीं हुआ। नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) दुर्घटना के कारण की जांच कर रहा है।

सूडान के दारफुर में शादी समारोह में ड्रोन हमला, 30 लोगों की मौत

दारफुर, एजेंसी। सूडान के दारफुर क्षेत्र के एक कस्बे में शादी समारोह पर हुए ड्रोन हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 30 नागरिकों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र ने गुरुवार को यह जानकारी दी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने बताया कि यह हमला उत्तर दारफुर के कुतुम कस्बे में आयोजित एक विवाह समारोह को निशाना बनाकर किया गया। यह हमला सूडानी सेना और अर्धसैनिक बल रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच चल रहे संघर्ष के दौरान ड्रोन हमलों में आई तेजी के बीच हुआ है।

नेतन्याहू की धमकी से बैकफुट पर पाकिस्तान, इजरायल विरोधी पोस्ट डिलीट कर भागे ख्वाजा आसिफ

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच शुक्रवार को इस्लामाबाद में होने वाली ऐतिहासिक शांति वार्ता से ठीक पहले एक बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा इजरायल के खिलाफ की गई तीखी टिप्पणियों ने न केवल दोनों देशों के बीच तनाव पैदा कर दिया है, बल्कि इस महत्वपूर्ण वार्ता में पाकिस्तान की तटस्थ मध्यस्थ वाली छवि पर भी गंभीर सवालिया निशान लगा दिए हैं। इजरायल ने पाकिस्तान की भूमिका पर कड़ा ऐतराज जताते हुए इसे असहनीय करार दिया है। इसके बाद रक्षा मंत्री को अपना पोस्ट डिलीट करना पड़ गया है। विवाद तब शुरू हुआ जब पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इजरायल को मानवता के लिए अभिशाप और कैंसर बताते हुए लेबनान में नरसंहार करने का आरोप लगाया। हालांकि, इजरायल की फटकार के बाद उन्होंने यह पोस्ट डिलीट कर दी, लेकिन तब तक कूटनीतिक नुकसान हो चुका था।

नेतन्याहू ने हड़काया : इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के कार्यालय ने आसिफ के बयानों को अपमानजनक बताया। इजरायल ने कहा कि एक तरफ पाकिस्तान खुद को शांति प्रयासों में एक तटस्थ खिलाड़ी के रूप में पेश कर रहा है और दूसरी तरफ इजरायल के खिलाफ बोल रहा है, जिसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इजरायल के विदेश मंत्री गिदोन सार ने इसे भयानक यहूदी विरोधी रक्तपात करार दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि इजरायल उन आतंकवादियों के खिलाफ अपनी रक्षा करना जारी रखेगा जो उसके विनाश की कसम खाते हैं।

दांव पर लगी पाकिस्तान की मध्यस्थता : यह विवाद ऐसे समय में आया है जब पाकिस्तान अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने के लिए मेजबानी कर रहा है। पाकिस्तान को इस युद्धविराम का श्रेय दिया जा रहा था, लेकिन इस ताजा विवाद ने उसकी निष्पक्षता पर सवाल उठा दिए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने भी इजरायली हमलों को रोकने के लिए पाकिस्तान से मदद मांगी थी, जिससे पाकिस्तान की भूमिका और महत्वपूर्ण हो गई थी। एक तरफ कूटनीतिक विवाद है, तो दूसरी तरफ जमीन पर युद्धविराम की स्थिति भी नाजुक बनी हुई है। वार्ता से महज 24 घंटे पहले अमेरिका-ईरान संघर्ष विराम में दरारें दिखने लगी हैं। वाशिंगटन ने तेहरान पर आरोप लगाया है कि वह हॉर्मुज के रास्ते तेल की आवाजाही को सुगम बनाने के अपने वादे को पूरा नहीं कर रहा है। युद्धविराम के पहले 24 घंटों में इस मार्ग से केवल एक तेल टैंकर और पांच मालवाहक जहाज गुजरे, जबकि सामान्य तौर पर यहां से रोजाना 140 जहाज गुजरते हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पर ईरान की आलोचना करते हुए कहा कि वह समझौते का पालन करने में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है। उन्होंने साफ शब्दों में लिखा, 'यह वह समझौता नहीं है जो हमने किया था!' आपको बता दें कि इस्लामाबाद में होने वाली इस बैठक में एक ईरानी प्रतिनिधिमंडल भी शामिल होने वाला है, लेकिन इजरायल और पाकिस्तान के बीच छिड़ी इस जुबानी जंग ने माहौल को विषाक्त कर दिया है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने पाकिस्तान को सीधी चेतावनी देते हुए कहा है कि इजरायल के विनाश की बात को बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। पीएम नेतन्याहू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का इजरायल को खत्म करने का आह्वान बहुत बुरा है। यह ऐसा बयान नहीं है जिसे किसी भी सरकार से बर्दाश्त किया जा सके, खासकर उस सरकार से जो शांति के लिए न्यूट्रल आर्बिटर होने का दावा करती है।' दरअसल, पाकिस्तान के विदेश मंत्री ख्वाजा आसिफ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा 'इजरायल बुरा है और इंसानियत के लिए श्राप है। इस्लामाबाद में शांति वार्ता चल रही है, लेबनान में नरसंहार हो रहा है। इजरायल बेगुनाह नागरिकों को मार रहा है, पहले गाजा, फिर ईरान और अब लेबनान, खून-खराबा लगातार जारी है।'

इजरायल के खिलाफ आग उगलते हुए पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने कहा, 'मैं उम्मीद और प्रार्थना करता हूं कि जिन लोगों ने फिलिस्तीनी धरती पर इस कैंसर जैसे राज्य का निर्माण किया है, वे यूरोपीय यहूदियों से छुटकारा पाएं और उन्हें नरक में जलाएं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने बीते दिन इजरायल के हमले की कड़ी निंदा की। उन्होंने बताया कि इजरायल के हमले के बाद लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से फोन पर बातचीत की। पीएम शहबाज ने एक्स पर लिखा, 'मैंने आज शाम लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम से बात की। मैंने लेबनान के खिलाफ इजरायल के लगातार हमले की कड़ी निंदा की और इन दुश्मनी की वजह से लेबनान में हजारों लोगों की जान जाने पर दुख जताया।

नाइजीरिया में सैन्य ठिकाने पर आतंकी हमला, ब्रिगेडियर जनरल समेत कई सैनिकों की मौत

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर क्षेत्र में गुरुवार तड़के हुए एक आतंकी हमले में नाइजीरियाई सेना के ब्रिगेडियर जनरल सहित कई सैनिकों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हमलावरों के सेना के ठिकाने पर हमला किया। नाइजीरियाई सेना ने कहा है कि हमले को सेना ने विफल कर दिया, लेकिन इस दौरान कई सैनिक मारे गए हैं। नाइजीरिया ने अभी तक मृतकों का सही आंकड़ा जारी नहीं किया है। सेना के प्रवक्ता माइकल ओनोजा ने एक बयान में कहा कि हमला बोर्नो राज्य के बेनिशेख इलाके में हुआ। उन्होंने हमलावरों को आतंकवादी बताया। नाइजीरिया के पूर्वोत्तर में इस्लामी उग्रवादी संगठनों के लिए सेना द्वारा आतंकी शब्द का इस्तेमाल किया जाता है। स्थानीय प्रशासन के अध्यक्ष जन्ना लावन अजीमी ने सोशल मीडिया पर घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि 'एक साहसी और समर्पित अधिकारी, 29 टास्क फोर्स ब्रिगेड के कमांडर ब्रिगेडियर जनरल ओ. ओ. ब्राइमा सहित अन्य वीर जवानों की शहादत अत्यंत पीड़ादायक है, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया। सेना के प्रवक्ता ओनोजा ने पुष्टि की कि ब्रिगेडियर जनरल ओसेनी ब्राइमाह इस अभियान का नेतृत्व कर रहे थे। अफ्रीका का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश नाइजीरिया लंबे समय से गंभीर

सुरक्षा संकट का सामना कर रहा है, विशेषकर उत्तरी क्षेत्र में, जहां एक दशक से अधिक समय से उग्रवाद और अपहरण की घटनाएं जारी हैं। देश में सक्रिय प्रमुख इस्लामी उग्रवादी संगठनों में बोको हराम और उससे अलग हुआ गुट 'इस्लामिक स्टेट वेस्ट अफ्रीका प्रोविंस' शामिल हैं, जो इस्लामिक स्टेट से संबद्ध है। इसके अलावा, नाइजर सीमा से सटे उत्तर-पश्चिमी इलाकों में आईएस से जुड़ा लाकुरावा समूह भी सक्रिय है।

हाल के समय में यह संकट और गहराया है, जिसमें साहेल क्षेत्र के अन्य उग्रवादी संगठन भी शामिल हो गए हैं। इनमें 'जमात नुसरत अल-इस्लाम वल-मुस्लिमीन' भी शामिल है, जिसने पिछले वर्ष नाइजीरिया में अपना पहला हमला किया था। इस वर्ष की शुरुआत में अमेरिका ने नाइजीरिया की सेना की मदद के लिए 200 सैनिकों और ड्रोन तैनात किए। हालांकि, अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि उसके सैनिक सीधे युद्ध में हिस्सा नहीं लेंगे और न ही किसी अभियान का नेतृत्व करेंगे, जबकि पूरी कमान नाइजीरियाई सेना के पास ही रहेगी।

संयुक्त राष्ट्र में आर्थिक-सामाजिक परिषद के अहम निकायों में भारत हुआ निर्वाचित

न्यूयार्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र के छह प्रमुख अंगों में से एक 'आर्थिक और सामाजिक परिषद' (ईसीओएसओसी) के विभिन्न सहायक निकायों में भारत को चुना गया है। संयुक्त राष्ट्र में देश के स्थायी मिशन ने बुधवार को बताया कि भारत को ईसीओएसओसी के जिन निकायों में 2027 से 2030 की अवधि के लिए चुना गया है उनमें विज्ञान और प्रौद्योगिकी विकास आयोग, गैर-सरकारी संगठनों की समिति और कार्यक्रम एवं समन्वय समिति (सीपीसी) शामिल हैं। भारतीय राजदूत प्रीति सरन को फिर से आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की समिति (सीईएससीआर, 2027-2030) के लिए चुना गया। इन पर वैश्विक मामलों की जिम्मेदारी होगी। गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) की समिति ईसीओएसओसी की एक स्थायी समिति है। इसके मुख्य कार्यों में विभिन्न एनजीओ द्वारा प्रस्तुत सलाहकार दर्जे के लिए आवेदनों और पुनर्वर्गीकरण के अनुरोधों पर विचार करना शामिल है। सीपीसी योजना, कार्यक्रम निर्माण और समन्वय के लिए ईसीओएसओसी तथा महासभा की प्रमुख सहायक निकाय है। इसकी वेबसाइट के अनुसार, यह संयुक्त राष्ट्र के कार्यक्रमों की समीक्षा करती है और संयुक्त राष्ट्र की प्रणालियों के अंतर्गत समन्वय कार्यों के निष्पादन में ईसीओएसओसी की सहायता करती है।

नासा का ऐतिहासिक आर्टेमिस-2 मिशन बड़ी उपलब्धि के बाद पृथ्वी पर लौटने के करीब

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने मानव अंतरिक्ष उड़ान के क्षेत्र में एक बड़ी उपलब्धि की घोषणा की है। शुक्रवार को नासा ने बताया कि उसका आर्टेमिस-2 मिशन 1 अप्रैल को सफलतापूर्वक लॉन्च हुआ था और अब अपनी ऐतिहासिक यात्रा के अंतिम चरण में पहुंच गया है। नासा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए कहा कि अंतरिक्ष यान चंद्रमा के चारों ओर घूम चुका है और अब पृथ्वी पर लौट रहा है। इसकी समुद्र में लैंडिंग (स्प्लैशडाउन) 10 अप्रैल को रात करीब 8:07 बजे (ईटी) प्रशांत महासागर में होने की उम्मीद है। नासा ने अपने संदेश में कहा कि वे अंतरिक्ष यात्रियों का फिर से पृथ्वी पर स्वागत करने का इंतजार कर रहे हैं। यह मिशन पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बना हुआ है, क्योंकि यह

पांच दशकों से भी ज़्यादा समय के बाद, पृथ्वी की निचली कक्षा से परे गहरे अंतरिक्ष की खोज में मानवता की वापसी का प्रतीक है। नासा के अनुसार, इस मिशन में अंतरिक्ष यात्रियों ने अब तक की सबसे लंबी दूरी तय की है, जो भविष्य में चंद्रमा पर जाने वाले अभियानों के लिए रास्ता तैयार करेगा। मिशन के दौरान पहले, चार सदस्यों वाले दल ने पृथ्वी से 248,655 मील की यात्रा करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है। इस दल में रीड वाइजमैन, विक्टर ग्लोवर, क्रिस्टीना कोच और जेरेमी हैनसेन शामिल रहे। अपनी यात्रा के सबसे दूर के बिंदु पर वे लगभग 252,756 मील तक पहुंचे। यह उपलब्धि पहले अपोलो-13 मिशन के रिकॉर्ड से भी आगे निकल गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह 10 दिन का मिशन स्पेस लॉन्च सिस्टम रॉकेट और ओरियन अंतरिक्ष यान की गहरे अंतरिक्ष में क्षमता को परखने के लिए बनाया गया है। इसमें चंद्रमा के पास से गुजरना भी शामिल था, जो भविष्य के मिशनों के लिए बहुत जरूरी कदम है। नासा की अधिकारी डॉ. लोरी ग्लेज ने कहा कि यह सफलता दिखाती है कि एजेंसी लगातार नई सीमाओं को पार करने और अंतरिक्ष में नई खोज करने के लिए प्रतिबद्ध है। ओरियन अंतरिक्ष यान से जेरेमी हैनसन ने कहा कि यह उपलब्धि पुराने अंतरिक्ष यात्रियों की विरासत को सम्मान देती है और साथ ही अंतरिक्ष अन्वेषण के एक नए दौर की शुरुआत भी करती है। आर्टेमिस-2 मिशन को नासा के उस बड़े लक्ष्य की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है, जिसमें चंद्रमा पर लंबे समय तक इंसानों की मौजूदगी स्थापित करना शामिल है।

ताइवान की विपक्षी नेता से मिले शी जिनपिंग, ट्रंप के चीन दौरे से पहले बढ़ी कूटनीतिक हलचल

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान संबंधों के बीच एक अहम कूटनीतिक घटनाक्रम सामने आया है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने शुक्रवार को बीजिंग में ताइवान की विपक्षी नेता चेंग ली-वुन से मुलाकात की। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब अगले महीने डोनाल्ड ट्रंप की चीन यात्रा प्रस्तावित है।

एक दशक के बाद केएमटी ने चीन का दौरा किया : चेंग ली-वुन, ताइवान की प्रमुख विपक्षी पार्टी कुओमिनतांग (केएमटी) की पहली अध्यक्ष हैं, जिन्होंने एक दशक में पहली बार पार्टी प्रतिनिधिमंडल के साथ चीन का दौरा किया है। उनका यह दौरा एक सप्ताह का है और इसे दोनों पक्षों के बीच संवाद बहाल करने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और वन चाइना नीति के तहत उसके पुनर्एकीकरण पर जोर देता रहा है। वहीं ताइवान की सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी (डीपीपी) चीन के इस रुख का कड़ा विरोध करती है और ताइवान की अलग पहचान बनाए रखने की पक्षधर है। इसके विपरीत केएमटी चीन के साथ करीबी संबंधों की वकालत करती रही है, जिससे यह मुलाकात और भी अहम हो जाती है। बीजिंग रवाना होने से पहले चेंग ने अपने दौरे को शांति की यात्रा बताया और कहा कि ताइवान जलडमरूमध्य दुनिया के सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में से एक है, जहां स्थिरता बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों पक्षों को संवाद और सहयोग के जरिए मतभेद सुलझाने चाहिए। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब अमेरिका ताइवान को करीब 11 अरब डॉलर का बड़ा रक्षा पैकेज देने की योजना बना रहा है। इस पैकेज में एच आईएमआरएस रॉकेट सिस्टम, एंटी-टैंक मिसाइल, ड्रोन, होवित्जर और अन्य सैन्य उपकरण शामिल हैं। चीन ने इस प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा बताया है। वहीं ताइवान की संसद में इस रक्षा बजट को लेकर गतिरोध बना हुआ है, क्योंकि विपक्षी दलों के कारण इसे मंजूरी नहीं मिल पाई है। इसी बीच हाल ही में अमेरिका का एक द्विदलीय प्रतिनिधिमंडल ताइपेई पहुंचा और संसद से रक्षा बजट पारित करने की अपील की। विशेषज्ञों का मानना है कि डोनाल्ड ट्रंप की 14-15 मई को प्रस्तावित चीन यात्रा के दौरान ताइवान का मुद्दा प्रमुख रूप से चर्चा में रहेगा। ऐसे में शी-चेंग की यह मुलाकात न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से अहम है, बल्कि इसका असर क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति पर भी पड़ सकता है।

पाकिस्तान : मरदान खदान हादसे में नौ मजदूरों की मौत, सुरक्षा की गंभीर कमी उजागर: रिपोर्ट

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के मरदान इलाके में हाल ही में एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की मौत हुई। यह घटना प्रणालीगत लापरवाही को दिखाती है। पाकिस्तान में खनन उद्योग सबसे असुरक्षित, खतरनाक और उपेक्षित क्षेत्रों में से एक है। सुरक्षा नियमों की कमी और पर्याप्त प्रक्रियाओं के न होने की वजह से मजदूर खदानों में फंस जाते हैं या खदान गिरने और विस्फोट जैसी घटनाओं में मर जाते हैं, एक रिपोर्ट में कहा गया है। प्रमुख दैनिक अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की संपादकीय में लिखा गया, 'खैबर पख्तूनख्वा के मरदान क्षेत्र ने एक और दुखद घटना देखी है, जिसमें एक संगमरमर की खदान के ढहने से नौ मजदूरों की जान चली गई। खनन उद्योग में, आधुनिक तकनीक और सुरक्षा प्रोटोकॉल के बावजूद, पूरी तरह से दुर्घटनाओं से बचना मुश्किल है। लेकिन सुरक्षा तकनीक के लिए पर्याप्त पैसा न होना और मौजूदा कानूनों का सही तरीके से पालन न होना, पाकिस्तान में खदान हादसों की संभावना बहुत बढ़ा देता है।'

खनन क्षेत्र को खदान सुरक्षा, निरीक्षण और नियमों को बढ़ाने वाले दो कानूनों के तहत सुरक्षा प्रदान की जानी चाहिए। लेकिन इन कानूनों को लागू करने के बावजूद कोई असर नहीं दिखता। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने लिखा गरीब पृष्ठभूमि से आने वाले खदान मजदूर अक्सर बिना प्रशिक्षण, बिना समर्थन और कम वेतन पर काम करते हैं। पाकिस्तान के अधिकारियों को मजदूरों को अच्छी ट्रेनिंग, बेहतरीन उपकरण, आपातकालीन सेवाओं तक पहुंच और सुरक्षा मानकों की जानकारी प्रदान करनी चाहिए। पिछले दिसंबर में कोयले की एक खदान में भूस्खलन के कारण दो मजदूरों की मौत हुई थी। यह हादसा क़्वेटा के बाहरी इलाके सोर्राज में हुआ था। बलोचिस्तान के मुख्य खदान निरीक्षक रफिउल्लाह ने बताया कि मजदूर खदान में थे जब बड़ी मात्रा में मिट्टी गिर गई और उन्हें मलबे में दबा दिया गया। यह जानकारी पाकिस्तानी दैनिक 'डॉन' की रिपोर्ट में दी गई। 'डॉन' की रिपोर्ट के अनुसार, अक्टूबर में बलोचिस्तान के डुकी और चामलांग क्षेत्रों में दो अलग-अलग घटनाओं में चार कोयला मजदूरों की मौत हुई। पुलिस के अनुसार, मृतक अफ़ग़ानिस्तान के निवासी थे।

भारत-अमेरिका संबंध हुए मजबूत, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एफबीआई चीफ काश पटेल से मुलाकात की

वाशिंगटन, एजेंसी। भारत और अमेरिका ने अपने रणनीतिक जुड़ाव को बढ़ाया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने अमेरिकी विदेश सचिव मार्को रुबियो के साथ एक अहम मीटिंग की। इसके साथ ही उन्होंने अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर काश पटेल समेत सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ अलग-अलग बातचीत की। इस बातचीत का मुख्य मुद्दा रक्षा, आतंकवाद का विरोध और क्षेत्रीय सुरक्षा रहा। भारतीय दूतावास ने कहा कि अपने मौजूदा दौरे के दौरान मिसरी ने आज विदेश सचिव मार्को रुबियो से मुलाकात की और आगे कहा, 'हम इन जरूरी क्षेत्रों में अपने जुड़ाव को और गहरा करने और भारत-अमेरिका व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए और भी बहुत कुछ करने की उम्मीद करते हैं।' भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने इस बातचीत को एक प्रोडक्टिव मीटिंग बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारे द्विपक्षीय संबंध, खासकर व्यापार, जरूरी मिनरल्स, रक्षा और क्वाड पर केंद्रित थी। गोर ने कहा, 'विदेश सचिव रुबियो अगले महीने भारत आने का इंतजार कर रहे हैं!' यह एक संभावित उच्च स्तरीय दौरे का संकेत देता है। मिसरी और एफबीआई डायरेक्टर काश पटेल की मुलाकात सुरक्षा पर केंद्रित थी। भारतीय दूतावास ने कहा, 'दोनों ने आतंकवाद, सुनियोजित अपराध और नारकोटिक्स से निपटने में भारत-अमेरिका के मजबूत सहयोग पर विचारों का अच्छा लेन-देन किया।' यह मीटिंग पारंपरिक रक्षा संबंधों के साथ-साथ कानून लागू करने और अंदरूनी सुरक्षा के मुद्दों पर दोनों देशों के बीच बढ़ते सहयोग पर जोर देती है। मिसरी ने उपसचिव क्रिस्टोफर लैंडौ के साथ भी बातचीत की। दूतावास ने कहा, 'उन्होंने आपसी प्राथमिकताओं पर चर्चा की।

आपसी चिंता के क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार शेयर किए।' अमेरिकी विदेश विभाग के मुख्य डिप्टी प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि लैंडौ ने मिसरी के साथ अपनी मीटिंग में 'दोनों देशों के बीच करीबी पार्टनरशिप को फिर से सुनिश्चित किया। बयान में कहा गया, 'नेताओं ने दोनों देशों के बीच करीबी साझेदारी को फिर से सुनिश्चित किया और फारस की खाड़ी के हालात और दूसरी वैश्विक और क्षेत्रीय प्राथमिकताओं के बारे में जानकारी साझा की। क्षेत्रीय विकास, खासकर पश्चिम एशिया में, मीटिंग्स में खास तौर पर शामिल रहे, जिसमें दोनों पक्षों ने चल रहे भू-राजनीतिक तनाव के बीच विचारों का आदान-प्रदान किया। मिसरी ने राजनीतिक मामलों के अवर सचिव एलिसन हुकर से भी मुलाकात की, जहां दोनों पक्षों ने पिछले साल दिसंबर में हुए फॉरेन ऑफिस कंसल्टेशन्स के बाद से भारत-अमेरिका द्विपक्षीय एजेंडे का जायजा लिया। भारतीय दूतावास ने कहा कि उन्होंने 'पश्चिम एशिया में हाल के विकास के साथ-साथ आपसी फायदे के क्षेत्रीय मुद्दों पर अपने विचार शेयर किए। 'इस दौरान आर्थिक और तकनीकी सहयोग पर भी फोकस रहा।

आर्थिक मामलों के अवर सचिव जैकब हेलबर्ग के साथ बातचीत में, दोनों पक्ष सहयोग बढ़ाने पर सहमत हुए। दूतावास ने कहा, 'वे पैक्स सिलिका के तहत सहयोग को आगे बढ़ाने और एआई और जरूरी मिनरल्स सहित बड़े आर्थिक और तकनीकी एंगेजमेंट पर सहमत हुए।

ऐसे ना करें पालक का सेवन, हो सकती है किडनी स्टोन

कहा जाता है कि हरी सब्जियां खाना स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद होता हैं। जो बिलकुल सही है, हरी सब्जियों में सभी तरह के पोषक तत्व पाए जाते हैं। अगर हरी सब्जी में पालक की बात की जाए, तो पालक को सबसे सेहतमंद डाइट माना जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि पालक आपके हेल्थ के लिए फायदेमंद होने के साथ-साथ नुकसानदायक भी होता है। जी हां, पालक का ज्यादा सेवन आपको खतरे में डाल सकता है।

दरअसल अधिक मात्रा में पालक का सेवन करने से किडनी इन्फेक्शन के साथ बुखार, डायरिया और सेप्सिस जैसी गंभीर बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है। एक शोध के मुताबिक, कच्चे पालक में आक्सीलिक एसिड पाया जाता है, जो आंतों में खनिजों के लिए ऑक्सालेटेस या अघुलनशील लवण बनाने की क्षमता रखता है।

बता दें कि, ऑक्सालेट्स किडनी की पथरी में पाए जाते हैं। साथ ही आक्सीलिक एसिड पालक में पाए जाने वाले पोषक तत्वों जैसे आयरन, पोटेशियम, विटामिन ए और कैल्शियम के अवशोषण को बनने से रोकते हैं और अपने आप को और भी ज्यादा विकसित करते हैं। इसके अलावा सलाद के रूप में कच्चा पालक खाने से लिस्टिरिया, सल्मोनेला या ई कोली बैक्टीरिया फैल सकता है जिससे कई गंभीर बीमारी हो सकती हैं।

ऐसे करें सेवन

- अगर आपको पालक खाना बेहद पसंद है, तो आप बेबी पालक ही खाएं।
- पालक को पकाकर खाना ज्यादा बेहतर होता है, क्योंकि इसको पकाने से इसमें मौजूद ऑक्सीलिक एसिड नष्ट हो जाते है। जिसके बाद पालक में सिर्फ पोषक तत्व ही मौजूद रहते हैं। जो आपके सेहत के लिए लाभदायक होते हैं।

एक समय था जब लोग बिना चप्पल, जूतों के पैदल ही चलते थे, लेकिन अब गंदगी और चोट से बचने के लिए अधिकतर लोग पैरों में बिना कुछ पहने घर से बाहर नहीं निकलते। हांलाकी अगर आप वॉक करने के लिए साफ मैदान या घास पर जा रहे हैं, तो आपको चप्पल पहनने की अधिक आवश्यकता नहीं रहती, बल्कि नंगे पैर घास पर पैदल चलने से आपको कई लाभ होते हैं। आइए, जानते हैं उन्हीं के बारे में -

- सबसे पहला फायदा तो यह है, कि दिनभर आप अपने पैर जूते या चप्पलों से पैक रखते हैं, ऐसे में नंगे पैर खुली हवा में रहने से, पैरों को भरपूर ऑक्सीजन मिलती है, रक्त संचार बेहतर होता है, जिससे उनकी थकान या दर्द खत्म हो जाता है।
- नंगे पैर पैदल चलने से वे सारी मांसपेशियां सक्रिय हो जाती है, जिनका उपयोग जूते-चप्पल पहनने के दौरान नहीं होता। मतलब आपके पैरों के अलावा, उससे जुड़े सभी शारीरिक भाग सक्रिय हो जाते हैं।

- नंगे पैर पैदल चलते वक्त, आपके पंजों का निचला भाग सीधे धरती के संपर्क में आता है, जिससे एक्युप्रेशर के जरिए, सभी भागों की एक्सरसाईज होती है, और कई तरह की बीमारियों से निजात मिलती है।
- प्राकृतिक तौर पर धरती की उर्जा पैरों के जरिए आपके पूरे शरीर में संचारित होती है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है। इससे आपको भूमि तत्व से संबंधित रोग नहीं होते।
- दिनभर जूते-चप्पल पहनकर आप चलने में जरूर संतुलन बनाए रखते हैं, परंतु नंगे पैर चलना आपके शरीर की सभी इंद्रियों के संतुलन की प्राकृतिक चेतना को बरकरार रखने में मदद करता है।
- नंगे पैर चलने से शरीर में प्राकृतिक रूप से उर्जा बनी रहती है, और इससे शरीर के अंग अधिक सक्रिय, सुडौल व उपयोगी बनते हैं। इसके साथ ही आपका रक्तसंचार भी बेहतर होता है।
- नंगे पैर चलना एक तरह से प्रकृति के साथ, खुद के और करीब आने जैसा है। इसके जरिए आप खुद के प्रति अधिक जागरूक होते हैं और पहले से अधिक संवेदनशील होते हैं।
- इस प्रयोग से उर्जा का स्तर बढ़ने के साथ ही, तनाव, हाईपरटेंशन, जोड़ों में दर्द, नींद न आना, हृदय संबंधी समस्या, ऑथ्राईटिस, अस्थमा, ऑस्टियोपोरोसिस की समस्याएं भी समाप्त होती है, और रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ती है।

रेसिपी

शकरकंद की चाट

- 4 से 5 छोटी शकरकंद
- 2 छोटे चम्मच हरी चटनी
- 2 छोटे चम्मच इमली की मीठी चटनी
- 1/2 इंच अदरक (बारीक कटा)
- 1 चम्मच बारीक कटी हरी धनिया
- 1/4 छोटा चम्मच सेंधा नमक
- 1/2 नीबू

विधि

इमली की चटनी : 2 बड़े चम्मच इमली के गूदे को गरम पानी में आधे घंटे के लिए भिगो दें। फिर इसे पीसकर छान लें। इसमें 3 से 4 बड़े चम्मच चीनी डाल के थोड़ा गाढ़ा होने तक उबाल लें। इमली की चटनी तैयार है। इसे आप फ्रिज में स्टोर भी कर सकते हैं। **धनिया चटनी के लिए :** धनिया पत्ती, हरी मिर्च, अदरक, सेंधा नमक डालकर पीस लें। पिसे हुए पेस्ट में नींबू का रस मिल दें। आपकी हरी चटनी तैयार है। **चाट के लिए :** उबली हुई शकरकंद को छील कर 1/4 इंच के टुकड़ों में काट लें। इसमें सेंधा नमक, हरी मिर्च, जीरा पाउडर, अदरक, हरी धनिया, हरी चटनी, मीठी चटनी डाल के मिला दें। चाट को सर्व करने के लिए इसे प्लेट में निकालें और ऊपर से थोड़ा सा हरा धनिया, जीरा पाउडर व नीबू के रस से गार्निश कर सर्व करें।

दही के शोले

- 8 ब्रेड स्लाइस, तलने के लिए तेल
- 1/2 कप दही ■ 1 बारीक कटा प्याज ■ आधा कप बारीक कटी शिमला मिर्च ■ 2 टेबलस्पून मिक्स्ड सब्जियां (गाजर, फ्रेंच बीन्स, गोभी), 1/3 टीस्पून पेपर पाउडर ■ नमक स्वादानुसार
- 1 टेबलस्पून मैदा ■ 1 टेबलस्पून पानी

विधि

एक बोल में दही, सब्जियां, प्याज, काली मिर्च पाउडर और नमक डालकर मिलाएं।
ब्रेड स्लाइस के किनारों को चाकू की सहायता से काट दें। अब ब्रेड को बेलन से पतला कर लें।
मैदा और पानी का गाढ़ा घोल तैयार करें। इस घोल को ब्रेड के चारों किनारे पर लगाएं।
बीच में स्टफिंग भरे। इसे रोल कर दें।
ऐसे ही सारे रोल्स तैयार कर डीप फ्राई करें।
इसे बीच में काटें और पुदीने की चटनी के साथ सर्व करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष चू चे चो ला ली लू ले लो आ

मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। परिवार के साथ मनोरंजनिक स्थल की यात्रा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

वृष इ उ ए ओ वा वी वू वे वो

दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी के कारण तनाव पैदा हो सकता है। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। उतावलेपन से बचें। प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-6-9

मिथुन का की कू घ ङ छ के को हा

घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। शुभांक-5-6-7

कर्क ही हू हे हो डा डी डू डे डो

सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। प्रेमभाव बढ़ेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

सिंह मा मी मू मे मो टा टी टू टे

कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। दुर्लभ स्वप्न साकार होंग। शुभांक-3-5-7

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। स्त्री पक्ष का सहयोग मिलेगा शुभांक-2-5-7

तुला रा री रु रे रो ता ती तू ते

व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से कोशिश सफल होगी। शुभांक-2-4-6

वृश्चिक तो ना नी नू ने नो य यी यू

कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-6-9

धनु ये यो भा भी भू धा फा ढा भे

यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-4-6-8

मकर भे जा जी खी खू खे खो गा गी

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

कुंभ गू गे गो सा सी सू से सो दा

परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-8

मीन दी दू थ झ ञ दे दो चा ची

अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। इच्छित कार्य सफल होंगे। सुख-आनंद कारक समय है। शुभांक-2-4-6

लॉफिंग ज़ोन

रमन अपने दोस्त नरेश से बोला- क्या बात है, आजकल तुम्हारी प्रेमिका अक्सर चुप-चुप ही रहती है? तुमने उसे डाँटा क्या?

नरेश- नहीं यार! मेरी क्या मजाल है जो मैं उस डाँट सकूँ। दरअसल हुआ यूँ कि एक दिन हम दोनों फोटो खिंचवा रहे थे, तो फोटोग्राफर ने मेरी प्रेमिका से कहा 'जब आप चुप रहती हैं, तो एकदम कैटरीना की तरह दिखती है।'

□ □ □

एक भीड़ भरी खचाखच बस में एक युवती को जोर से धक्का लगा। युवती झल्लाई और पीछे खड़े युवक को चिल्ला कर बोली, जान वर हो क्या?

युवक ने रोमांटिक अंदाज में जवाब दिया- जान तो आप हैं, मैं तो बस आपका ही वर हूँ।

□ □ □

एक बार स्वीमिंग पुल के किनारे कपड़े रखे थे और वहाँ एक कागज का पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मेरे कपड़े मत चुराना- बॉक्सिंग चैंपियन रमन।

जब वह तैर कर बाहर निकला, तो देखा वहाँ से उसके कपड़े गायब थे और एक पुर्जा पड़ा था, जिस पर लिखा था- मुझे पकड़ने की कोशिश मत करना- मैराथन चैंपियन चमन।

□ □ □

काकुरो पहेली -4023

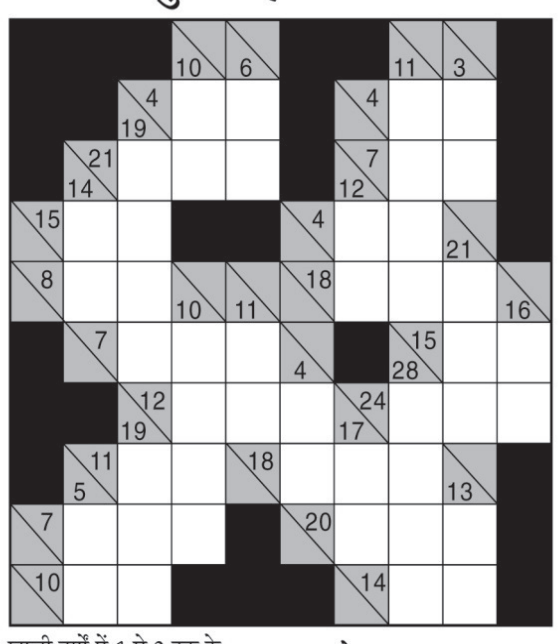

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

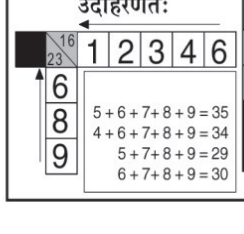

काकुरो - 4022 का हल

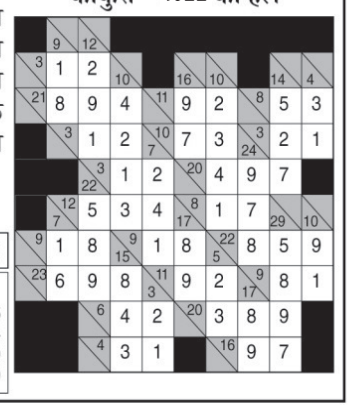

फिल्म वर्ग पहेली- 4023

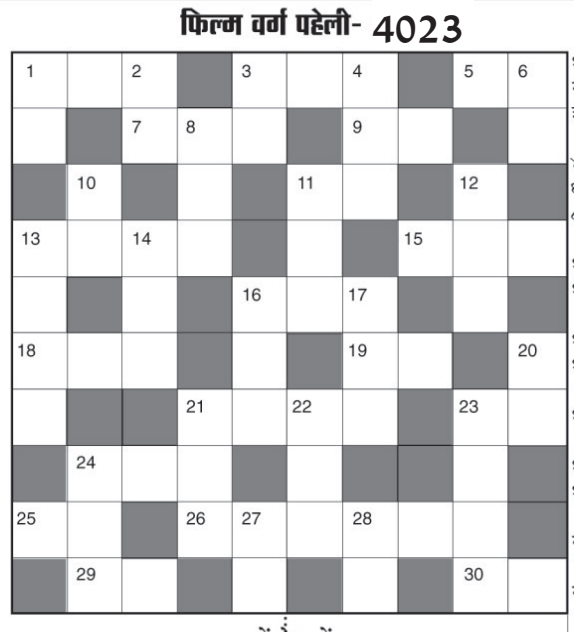

बायें से दायें:-

१. मनोजकुमार, हेमा की 'बाली उमरिया भजन करू कैसे' गीत वाली फिल्म-३
३. 'दिल तुझपे फिदा' गीत वाली सैफअली खान, काजोल की फिल्म-३
५. संजयदत्त, शरदकपूर, मनीषा, रवीना की 'ओ गोरी तू चली कहां' गीत वाली फिल्म-२
७. 'लकड़ी की काठी' गीत वाली नसीरू हीनशाह, शबाना की फिल्म-३
९. जीतेंद्र, परवीन बाबी की रविकांत निर्देशित एक एक्शन फिल्म-२
११. 'दीवाना तो कह दिया' गीत वाली विकास भल्ला, सुमीत सहगल, नीलम की फिल्म-२
१३. अजय देवगन, जूही चावला की 'लाल लाल होठों पें' गीत वाली फिल्म-४
१५. बोनीकपूर की फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' की नायिका थी-३
१६. अमिताभ, वहीदा, जीनत, परवीन की 'हर गोरी रानी यहां' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'बाबूजी जरा धीरे' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया मिर्जा की फिल्म-२
२१. अनिल कपूर, माधुरी की 'तू अपने दिल पे मेरा' गीत वाली फिल्म-४
२३. फिल्म 'कोशिश' में संजीवकुमार के साथ नायिका कौन थी-२
२४. फिल्म 'दिलजला' में जैकी श्रॉफ के साथ नायिका कौन थी-३
२५. 'क्या यही प्यार है' गीत वाली संजयदत्त, टीना मुनीम की फिल्म-२
२६. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'जलता है बदन' गीत वाली फिल्म-३,३
२९. फिल्म 'जीवन मृत्यु' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी-२
३०. फिल्म 'पहला पहला प्यार' में ऋषिकपूर, के साथ नायिका थी-२

ऊपर से नीचे:-

१. जैकीश्रॉफ, रवीना टंडन की फिल्म-२
२. 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
३. 'कागज कलम दवात ला' गीत वाली अमिताभ, गोविंदा, रजनीकांत की फिल्म-२
४. जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
६. 'हम तो तेरे आशिक हैं' गीत वाली फिल्म-२
८. मिथुन, आयशा जुल्का की 'थोड़ा इंतजार का मजा' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'ये हसीं वादियां' गीत वाली फिल्म-२
११. राजेश खन्ना, टीना मुनीम की 'जिंदगी प्यार का गीत है, गीत वाली फिल्म-३
१२. 'तिरछी टोपी वाले' गीत वाली फिल्म-३
१३. सुमीत सहगल, शिखा स्वरूप की 'पीछे पीछे आजा मेरी' गीत वाली फिल्म-४
१४. 'गर तुम भुला न दोगे' गीत वाली धर्मेन्द्र शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
१६. 'हवा में क्या है' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली जीतेंद्र, रणधीर, राकेश रोशन, रेखा की फिल्म-३
२०. देव आनंद, माला सिन्हा की 'कोई सोने के दिलवाला' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'हमारी ही मुट्ठी में' गीत वाली नाना पाटेकर, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-३
२२. अमिताभ, परवीन, आशापारेख कीफिल्म-३
२३. 'क्या मोहब्बत है' गीत वाली फिल्म-४
२४. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
२७. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली जॉन अब्राहम, बिपाशा बसु की फिल्म-२
२८. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4022

खा	मो	शी		आ	प	की	क	स	म
की		शा	दी		ड़ो		भी		स्त
	आ		वा	प	स		ना		
प	ह	चा	न		न	या	क	द	म
रा			गी	ता			भी		ड
या	रा	ना		ज	मा	ना		स	र
ध		य	ति	म			रा	नी	
न	म	क		ह	म	रा	ज		फ
	र्या			ल		जे			रा
अ	दा	ल	त		इं	द्र	कु	मा	र

सूडोकु -4023

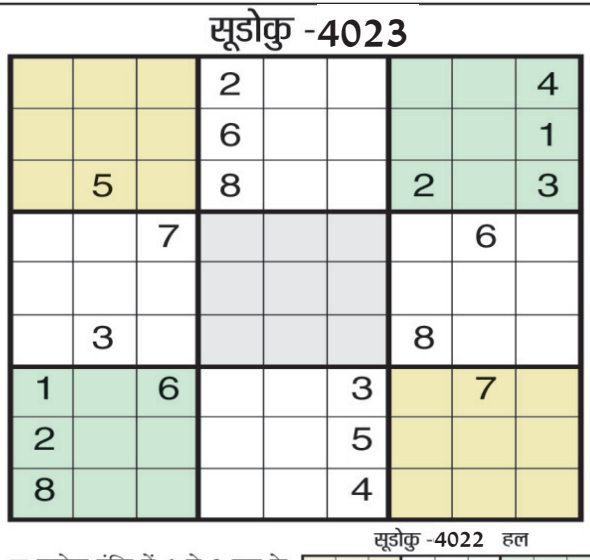

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -4022 हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 4023

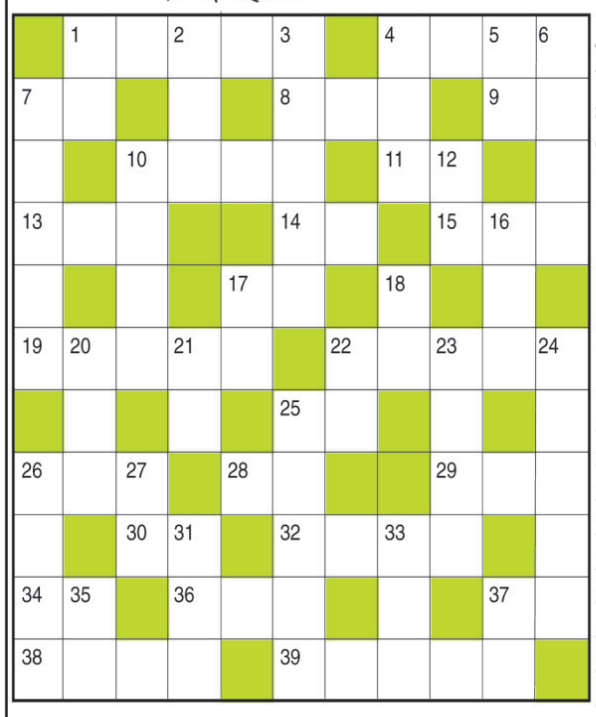

बाएँ से दाएँ

1.पावर हाऊस -5
4.दिमागी,कल्पित-4
7.हृदय-2
8.खोदना-3
9.प्रचार वाक्य,स्लोगन-2
10.नुकीला-4
11.कलिका-2
13.प्यारा,लाडला-3
14.विशिष्ट,विशेष-2
15.खर्च,उपभोग-3
17.नौका-2
19.नाम करण-2,3
22.चमकीला-5
25.महोदय (अंग्रेजी-2)
26.रनिवास,जनवासा-3
28.संध्या,सांझ-2
29.दलना,महीन करना-3
30.जस,सम्मान -2
32.कारागृह-4
34.आलाप,लय,सुर-2
36.पागल स्त्री-3
37.इंकार,मना-2
38.सराबोर,सना हुआ -4
39.वेश्या,तवायफ-5

ऊपर से नीचे

1.चूहे का घर-2
2.नेता-3
3.सार-संभार-2,3
4.आदर्श,कसौटी-3
5.छाती-2
6.अचरज भरा कार्य-4
7.हृदय को ठेस लगना-5
10.अनवरत वर्षा-4
12.जूं का अंडा-2
16.ओट,घूंघट-3
17.मां के पिता-2
18.दुख,कष्ट-2
20.राष्टीय पक्षी-3
21.पत्र,लैटर-2
22.गुप्तचर,दूत-2
23.कपड़ों के टुकड़े (अंग्रेजी-4)
24.रवानगी, प्रस्थान करना-3,2
25.समयुगीन,समवर्ती-5
26.बंद,स्ट्राइक-4
27.सुरा,शराब-2
31.वचन,प्रतिज्ञा-3
33.बंदर-3
35.नथनी,नथिया-2
37.शहद-2

शब्द पहेली -4022 का हल

आ	म		म	न		ग	ख		फां	श
म	न	न		शा	न		र	न		क
	म	क	र		त	न		र	म	
का		ल	ह	जा		भ	ला		द	म
था	क		ना	ति	न		वा	द		र्ज
	र	वा		य	म	ज		म	जा	
न		दा	स		क	त	रा		र	मा
व	न		ही	ना		न	ज	र		ला
	ल	त		ज	रा		न	म	न	
का		न	शा		त	र		ल	क	वा
ल	क्ष्य		क	र्ज		थ	ल		ल	त

अरनिया सेक्टर में मिला संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा

एजेंसी

जम्मू। सीमा पुलिस चौकी साई सेक्टर अरनिया के अधिकार क्षेत्र में आने वाले गरोरे नाले के पास सरदारी खेल मैदान में शनिवार को लगभग 06:55 बजे एक संदिग्ध पाकिस्तानी गुब्बारा देखे जाने की पुलिस को सूचना प्राप्त हुई। सीमा पुलिस चौकी साई की एक पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और इलाके को सुरक्षित कर लिया। हरे और सफेद रंग के इस गुब्बारे को कब्जे में ले लिया गया। बरामद वस्तु को आगे की जांच और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार आवश्यक कार्रवाई के लिए सीमा पुलिस चौकी साई में रखा गया है। वस्तु के स्रोत और उद्देश्य का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस सतर्क है और जनता से आग्रह करती है कि वे किसी भी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की सूचना निकटतम पुलिस स्टेशन को दें।

बलिदानियों की स्मृति संजोने के लिये राम मन्दिर में बन रहा स्मारक स्तम्भ

एजेंसी

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि मन्दिर के लिए पांच सौ वर्ष चले संघर्ष में अब तक प्राण न्यौछावर करने वाले समस्त बलिदानियों की स्मृति संजोने के लिये बने स्मारक स्तम्भ का राम मन्दिर ट्रस्ट के निर्माण समिति के चेयरमैन नृपेंद्र मिश्र निरीक्षण किया। रामजन्मभूमि परिसर में स्मृति संजोने के लिए सप्त मंदिर के निकट यह स्तम्भ निर्माण हो रहा है द्य नृपेंद्र मिश्र ने स्मारक का अवलोकन मीडिया को भी कराया।

महिला आरक्षण से जुड़े विषय पर देशव्यापी अभियान चलाएगी भाजपा

एजेंसी

नई दिल्ली। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) से जुड़े विषयों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देशव्यापी अभियान शुरू करेगी। इस संबंध में भाजपा मुख्यालय विस्तार भवन में कई बैठकें की गईं। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक उच्च स्तरीय संगठनात्मक बैठक की, जिसमें महिला आरक्षण से संबंधित राष्ट्रव्यापी अभियानों की रूप-रेखा और आगामी सांगठनिक रणनीतियों पर गहन चर्चा की गई। इसमें भाजपा महासचिव विनोद तावड़े, देशभर के प्रदेश अध्यक्ष और प्रभारी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान महिला आरक्षण के मुद्दे पर देशभर में भाजपा के कार्यक्रमों के आयोजन की रूप-रेखा तैयार करने के लिए नेताओं को निर्देश भी दिए गए ताकि अधिनियम के बारे में सभी लोगों को जानकारी मिले। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने अपने राष्ट्रीय एवं प्रदेश प्रवक्ताओं को भी ट्रेनिंग दी है, जो अपने-अपने राज्यों में महिला आरक्षण के बारे में कार्यक्रम आयोजित करने के साथ कार्यशालाओं का आयोजन करेंगे तथा पार्टी के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाएंगे। भाजपा ने इसकी जिम्मेदारी सोशल मीडिया देखने वाले नेताओं को भी दी जो फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम जैसे तमाम सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर महिला आरक्षण के विषय के सभी पहलुओं को आसान भाषा में लोगों तक पहुंचाएंगे।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम के लिए प्रधानमंत्री का अभिनंदन करेगा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण) के निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का अभिनंदन करेगा। 13 अप्रैल को विज्ञान भवन में सुबह 11 बजे आयोजित होने वाले कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी, राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर सहित कई महिला मंत्री और सांसद मौजूद रहेंगे। इसके लिए मंत्रालय ने खास तैयारियां की हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करता है, जिसे 2029 तक पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। यह कदम महिला सशक्तीकरण और विकसित भारत की दिशा में एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। सितंबर 2023 में संसद द्वारा सर्वसम्मति से पारित अधिनियम को अब 2011 के डेटा के आधार पर लागू करने का मार्ग प्रशस्त किया गया है। इसके लिए सरकार ने बजट सत्र को तीन दिन बढ़ाया है। 16 से 18 अप्रैल तक संसद में इस अधिनियम में संशोधन पर चर्चा की जाएगी और उसे पारित किया जाएगा। अधिनियम के संशोधन पारित होने के बाद लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत सीटों का आरक्षण सुनिश्चित हो जाएगा। इस अधिनियम का मकसद राजनीति में महिलाओं की भागीदारी को सुनिश्चित करना है।

असम के करीमगंज नॉर्थ में पुनर्मतदान का आदेश, 9 अप्रैल का मतदान रद्द

श्रीभूमि (असम)। असम विधानसभा चुनाव 2026 के तहत करीमगंज नॉर्थ निर्वाचन क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर 9 अप्रैल को संपन्न मतदान को चुनाव आयोग ने रद्द करते हुए पुनर्मतदान कराने का आदेश दिया है। आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 58(2)(ए) के तहत आयोग ने प्राप्त रिपोर्टों और परिस्थितियों की समीक्षा के बाद मतदान केंद्र संख्या 239 - बेबीलैंड हाई इंग्लिश स्कूल पर हुए मतदान को अमान्य घोषित किया है। हालांकि, चुनाव आयोग ने मतदान रद्द करने के सटीक कारणों का उल्लेख नहीं किया है। चुनाव आयोग ने उक्त मतदान केंद्र पर 11 अप्रैल (शनिवार) को पुनर्मतदान कराने का निर्णय लिया है। मतदान का समय सुबह 7:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक निर्धारित किया गया है।

रेगिस्तान में दिखी 'ब्रह्मास्त्र' की ताकत, अपाचे ने किया अपनी घातक क्षमता का प्रदर्शन

एजेंसी

जोधपुर। भारतीय सेना ने पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में अपने अत्याधुनिक अटैक हेलीकॉप्टरों के साथ युद्धाभ्यास का प्रदर्शन किया। यह प्रदर्शन 'ब्रह्मास्त्र युद्धाभ्यास' के तहत आयोजित किया गया, जहां आसमान से बरसती फायरपावर ने सेना की तकनीकी श्रेष्ठता और मारक क्षमता को जीवंत रूप से सामने रखा। इसमें अमेरिका की सबसे एडवांस्ड हेलफायर मिसाइलों के धमाके भी हुए। दावा है कि इन्हीं मिसाइलों का पिछले साल ईरान पर हमले में इस्तेमाल किया गया था। हेलफायर के अलावा राजस्थान के आसमान से अपाचे हेलिकॉप्टर ने भी अचूक निशान लगाए। कमांड सेंटर से दुश्मनों के ड्रोन्स को भी ब्लास्ट किया गया।इस युद्धाभ्यास ने मॉडर्न वॉर प्लांड को टेस्ट किया। सेना के अधिकारियों का कहना है कि आर्मी में नए हेलिकॉप्टर्स की एंट्री से ऐतिहासिक

बदलाव हुआ है। युद्धाभ्यास में अमेरिका में बनीं एजीएम-114 हेलफायर मिसाइलों का भी इस्तेमाल हुआ। इनसे आठ किलोमीटर दूर एक टैंक सहित दूसरे निशाने उड़ाए गए। इसके बाद हेलिकॉप्टर ने नीचे आकर 70 एमएम हाइड्रा रॉकेटों से हमला किए, जिससे दुश्मन के कैंप नष्ट हुए। अंत में हेलिकॉप्टर के नीचे लगी एम230 चेन गन से 1200 राउंड प्रति मिनट की रफ्तार से फायरिंग कर छोटे लक्ष्यों को भी निशाना बनाया गया। क्या होती है हेलफायर मिसाइलहेलफायर मिसाइलें अमेरिका द्वारा विकसित लेजर-गाइडिड सटीक हमले वाली हवा-से-जमीन पर हमला करने वाले मिसाइलें हैं। इनका वजन लगभग 45-50 किलोग्राम और रेंज 8-11 किलोमीटर होती है। हेलफायर का उपयोग ड्रोन, हेलिकॉप्टर और फाइटर जेट्स से किया जा सकता है। एक्सपर्ट्स का दावा है कि साल 2025 में ईरान पर हमले में इजराइल ने इन्हीं मिसाइलों को दागा था। एक कमांड से उड़ाए दुश्मन के ड्रोनसेना ने इस अभ्यास में हाईटेक रडार सिस्टम से दूर से ही ड्रोन की लोकेशन ट्रैक की गई। इसके बाद कंट्रोल रूम से ही मिसाइल और गन को कमांड देकर टारगेट लॉक करवाया गया। कुछ सेकेंड के इस प्रोसेस से सटीक निशाना लगाने में मदद मिली। सेना का यह सिस्टम 4 किलोमीटर दूर से आसानी से कमांड दे सकता है। एक्सरसाइज में आधुनिक रडार और एंटी-एयरक्राफ्ट गनों से ड्रोन टारगेट को नष्ट किया गया।

सीबीआई ने थाईलैंड से वांछित अपराधी साहिल चौहान का प्रत्यर्पण कराया

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने थाईलैंड से हरियाणा पुलिस के वांछित आरोपित साहिल चौहान का प्रत्यर्पण किया। वह लंबे समय से हत्या, हत्या के प्रयास, डकैती और अवैध हथियारों के इस्तेमाल जैसे मामलों में वांछित था। सीबीआई ने बताया कि साहिल चौहान भुप्पी राणा गैंग का सक्रिय सदस्य है और साल 2017 में यमुनानगर के जगाधरी कोर्ट परिसर में गैंग प्रतिद्वंद्विता के दौरान गोलीबारी के मामले में दोषी ठहराया गया था। जमानत पर रिहा होने के बाद वह फरार होकर विदेश चला गया था। सीबीआई ने गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के सहयोग से इंटरपोल चैनलों के माध्यम से कार्रवाई करते हुए उसे बैंकॉक से निर्वासित कर दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भारत वापस लाया, जहां हरियाणा पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया। एजेंसी ने बताया कि साहिल चौहान ने 4 जनवरी 2017 को यमुनानगर के जगाधरी कोर्ट परिसर में मोनू राणा पर गोलियां चलाई थीं, जब उसे लंबित आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए अदालत लाया गया था।

इस घटना के बाद उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल हुआ और अदालत ने उसे 10 साल की सजा सुनाई थी। हालांकि बाद में जमानत पर रिहा होने के बाद वह फरार हो गया और विदेश भाग गया।

हरियाणा पुलिस के अनुरोध पर एनसीबी-नई दिल्ली ने साहिल चौहान के खिलाफ रेड नोटिस जारी कराया था। इसके बाद उसे बैंकॉक में ट्रेस कर लिया गया और वहां से निर्वासित कर भारत लाया गया।

छत्तीसगढ़ के कांकेर में दो कारों की टक्कर में मासूम सहित 6 की मौत, 3 की हालत गंभीर

एजेंसी

कांकेर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात नाथिया नवागांव के पास दो कारों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में छह लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार रात करीब 11 बजे यह हादसा हुआ।

परिवार कांकेर के उड़कुडा का रहने वाला था। बताया जा रहा है कि सभी चीवरांज में शादी समारोह में शामिल होकर अपने गांव उड़कुडा लौट रहे थे, तभी नाथिया नवागांव के पास उनकी कार दूसरी कार से टकरा गई। दोनों कारें तेज रफ्तार में थीं और टक्कर इतनी भीषण थी कि वाहनों के परखच्चे उड़ गए। कार सवार एक ही परिवार के 3 महिला, 2 पुरुष और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरे कार में सवार 3 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस प्रशासन तुरंत मौके पर पहुंचा और घायलों को फौरन अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। हादसे में घायल तीनों लोगों को तुरंत एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल

कांकेर पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार सभी की हालत गंभीर बनी हुई है और उन्हें लगातार निगरानी में रखा गया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और हादसे के कारणों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। कांकेर एसपी निखिल राखेचा ने बताया कि नाथिया नवागांव के पास दो कारों की टक्कर में छह लोगों की मौत हुई है और तीन अन्य घायल हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है, इसके साथ ही मरने वालों की पहचान और बाकी जानकारियां जुटाई जा रही है। घायलों के उपचार के बाद उनसे भी जानकारी ली जाएगी। शवों का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए मॉर्चुरी में रखवाया गया, पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों को शव सौंपा जाएगा।

अभिनेता रणवीर सिंह ने सरसंघचालक से की मुलाकात

एजेंसी

नागपुर। फिल्म अभिनेता रणवीर सिंह ने यहां राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मुख्यालय में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत से मुलाकात की। इसके बाद वे रेशीमबाग स्थित स्मृति मंदिर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार एवं गोलवलकर गुरुजी की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित की। अभिनेता रणवीर सिंह शुक्रवार शाम लगभग 4 बजे डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अंतरराष्ट्रीय विमानतल पर उतरे। उनके साथ तीन लोगों की टीम भी थी। विमानतल से वे सीधे महाल क्षेत्र स्थित संघ मुख्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने संघ प्रमुख से मुलाकात की। इस दौरान रणवीर ने अपनी फिल्म 'धुरंधर' के बारे में जानकारी दी और संघ की कार्यप्रणाली तथा विभिन्न सेवा कार्यों के बारे में जाना। वे लगभग डेढ़ घंटे तक संघ मुख्यालय में रहे। इसके बाद रणवीर सिंह रेशीमबाग परिसर स्थित स्मृति मंदिर गए। वहां उन्होंने संघ के संस्थापक डॉ. केशव बलिराम हेडगेवार तथा

द्वितीय सरसंघचालक माधव सदाशिव गोलवलकर (गुरुजी) की समाधि के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने वहां के संघ पदाधिकारियों से बातचीत कर 'चित्रभारती' नामक संघ-प्रणीत संस्था के बारे में भी जानकारी ली। मुलाकात के बाद रणवीर सिंह पुनः नागपुर विमानतल के लिए रवाना हुए और रात्रि लगभग 8:15 बजे मुंबई के लिए प्रस्थान कर गए। रणवीर सिंह की शुरुआत से ही संघ के साथ वैचारिक निकटता रही है। इससे पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर उन्होंने सोशल मीडिया पर वीडियो साझा कर संघ के 100 वर्षों के त्याग, योगदान, बलिदान और यात्रा की सराहना की थी। साथ ही संघ शताब्दी के अवसर पर उन्होंने शुभकामनाएं भी दी थीं।

मुख्यमंत्री ने 'भीम ज्योति उत्सव' का किया शुभारंभ

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में कर्तव्य पथ पर आयोजित 'भीम ज्योति उत्सव' में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सहभागिता की। मुख्यमंत्री ने 'भीम ज्योति' प्रज्वलित कर पांच दिवसीय उत्सव का शुभारंभ किया और बाबा साहेब के संघर्षों को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी एवं भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान एक विशेष 'वॉकाथॉन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिसका उद्देश्य समाज में समानता और जागरूकता का संचार करना है। इसके उपरांत उन्होंने मेला स्थल का भ्रमण कर 50 से अधिक विभिन्न स्टॉल्स का निरीक्षण किया और वहां प्रदर्शित सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर बाबा साहेब के सम्मान में 'जय भीम' अंकित 6,000 से अधिक दीप प्रज्वलित किए गए, जिससे पूरे परिसर में श्रद्धा और समरसता का

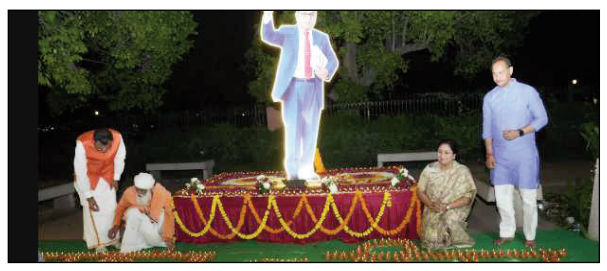

अद्भुत वातावरण देखने को मिला। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, समर्पण और सामाजिक न्याय का उत्कृष्ट उदाहरण है। उन्होंने बताया कि बाबा साहेब द्वारा रचित संविधान मात्र एक कानूनी दस्तावेज नहीं है, बल्कि यह देश के अंतिम पायदान पर खड़े नागरिक के अधिकारों और सम्मान की गारंटी है। उन्होंने आह्वान किया कि एक समतामूलक समाज के निर्माण के लिए हमें उनके विचारों को अपने आचरण में उतारना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भीम ज्योति उत्सव-2026 केवल एक सरकारी आयोजन नहीं बल्कि यह एक व्यापक जन-आंदोलन है। इसके तहत आयोजित होने वाली प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं, कार्यशालाएं और कला प्रदर्शनियां विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों को उनके संवैधानिक कर्तव्यों और अधिकारों के प्रति जागरूक करेंगी। उन्होंने आगे कहा कि दिल्ली सरकार सामाजिक न्याय और वंचित वर्गों के सशक्तिकरण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, और यह उत्सव उसी संकल्प की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इस अवसर पर मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि यह आयोजन केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज को अज्ञानता से ज्ञान की ओर ले जाने का एक सशक्त प्रयास है। उन्होंने कहा कि वर्तमान की दिल्ली सरकार द्वारा मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में वंचित वर्गों के उत्थान के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। उन्होंने बताया कि 'लखपति बिटिया योजना', छात्राओं को साइकिल वितरण तथा शिक्षा के क्षेत्र में सहायता जैसे प्रयासों के माध्यम से बेटियों और युवाओं को सशक्त बनाया जा रहा है। रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य दलित बस्तियों सहित समाज के हर वर्ग तक विकास की योजनाओं को पहुंचाना है ताकि बाबा साहेब के सपनों का समतामूलक समाज साकार हो सके।

वस्त्रों के लिए पीएलआई योजना के तहत 52 नए आवेदन स्वीकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने वस्त्रों के लिए उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तीसरे चरण के तहत 52 नए आवेदनों को मंजूरी दी। वस्त्र मंत्रालय के अनुसार इन 52 स्वीकृत आवेदनों में से 5 एमएमएफ परिधान के लिए, 19 एमएमएफ कपड़े के लिए, 18 तकनीकी वस्त्रों के लिए और 10 बहु-श्रेणी के लिए हैं।

मंत्रालय के मुताबिक 52 आवेदकों ने 6708 करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है, जिससे 21,186 करोड़ रुपये का कारोबार होने की उम्मीद है। स्वीकृत प्रस्तावों से वस्त्र क्षेत्र को, विशेष रूप से मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) कपड़ों, एमएमएफ परिधान और तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में, महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलने की संभावना है। ये निवेश घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाएंगे, नवाचार को बढ़ावा देंगे और वैश्विक वस्त्र बाजार में भारत की स्थिति को मजबूत करेंगे। उल्लेखनीय है कि वस्त्र उद्योग के लिए पीएलआई योजना सरकार की एक महत्वपूर्ण

पहल है, जिसका उद्देश्य उच्च मूल्य वाले वस्त्र उत्पादन को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना और देश भर में रोजगार के अवसर पैदा करना है। वित्त वर्ष 2025-26 की तीन तिमाहियों में पीएलआई में भाग लेने वाली कंपनियों द्वारा 944.48 करोड़ रुपये का निवेश, 4,473 करोड़ रुपये का कारोबार और 363.55 करोड़ रुपये का निर्यात दर्ज किया गया है।

मुख्यमंत्री से डेनमार्क के राजदूत की भेंट, डिफेंस, ग्रीन एनर्जी व इंफ्रास्ट्रक्चर में साझेदारी पर जोर

एजेंसी

लखनऊ। भारत में डेनमार्क के राजदूत रासमस अबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर दोनों पक्षों के बीच उत्तर प्रदेश में निवेश, प्रौद्योगिकी सहयोग तथा विभिन्न क्षेत्रों में संभावित साझेदारी को लेकर व्यापक और सकारात्मक चर्चा हुई। सरकारी प्रवक्ता ने जारी बयान में बताया कि भेंट के दौरान डेनमार्क के राजदूत ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में विगत नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश में हुए व्यापक परिवर्तन की सराहना की। उन्होंने कहा कि पहले भारत में निवेश की चर्चाओं में उत्तर प्रदेश का उल्लेख सीमित रहता था, किन्तु आज यह राज्य निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने प्रदेश की विशाल जनसंख्या, कुशल मानव संसाधन और सुदृढ़ होती आधारभूत संरचना को इसकी प्रमुख ताकत बताते हुए इन उपलब्धियों का श्रेय मुख्यमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। उन्होंने बताया कि राजदूत ने उत्तर प्रदेश में निवेश की व्यापक संभावनाओं का उल्लेख करते हुए विशेष रूप से डिफेंस कॉरिडोर में रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि रक्षा क्षेत्र में डेनमार्क का समृद्ध

अनुभव है और इस क्षेत्र में डेनमार्क की कंपनियां उत्तर प्रदेश में निवेश एवं तकनीकी साझेदारी के लिए उत्सुक हैं। इसके साथ ही 'वेस्ट-टू-एनर्जी' सेक्टर में डेनमार्क की विशेषज्ञता का उल्लेख करते हुए उन्होंने इस क्षेत्र में भी सहयोग की इच्छा जताई। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए राजदूत ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा, वेस्ट-टू-एनर्जी एवं हाइड्रोजन टेक्नोलॉजीज को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है। उन्होंने इस क्षेत्र में डेनमार्क की कंपनियों की सक्रिय भागीदारी की संभावनाएं व्यक्त कीं।जल प्रबंधन के क्षेत्र में सहयोग का उल्लेख करते हुए राजदूत ने बताया कि आईआईटी (बीएचयू) के साथ नदी पुनरुद्धार एवं जल शोधन से संबंधित एक परियोजना पर कार्य चल रहा है, जिसके संबंध में वे शीघ्र ही वाराणसी का दौरा करेंगे। इसके अतिरिक्त, कंप्रेस्ड बायोगैस सहित नवीकरणीय ऊर्जा के अन्य क्षेत्रों में भी डेनमार्क की कंपनियों की रुचि से उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया। राजदूत ने शिक्षा एवं कौशल विकास के क्षेत्र को भी सहयोग का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में डेनमार्क की भागीदारी से नॉलेज ट्रांसफर एवं स्किल डेवलपमेंट को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, एल्डरली हेल्थ केयर सेक्टर में बढ़ती वैश्विक मांग के दृष्टिगत उन्होंने उत्तर प्रदेश के युवाओं को भाषा प्रशिक्षण एवं आवश्यक कौशल प्रदान कर उन्हें अंतरराष्ट्रीय अवसरों से जोड़ने की इच्छा व्यक्त की। कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को सहयोग का एक प्रमुख आयाम बताते हुए राजदूत ने कहा कि कृषि-तकनीक, खाद्य प्रसंस्करण एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन में संयुक्त प्रयासों के माध्यम से टिकाऊ कृषि एवं वैल्यू-ऐडेड फूड प्रोडक्ट्स को बढ़ावा दिया जा सकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज देश की सबसे तेज़ी से विकसित होती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है, जहां निवेशकों के लिए पारदर्शी नीतिगत वातावरण, सुदृढ़ कानून-व्यवस्था और आधुनिक आधारभूत संरचना उपलब्ध है। उन्होंने डेनमार्क की कंपनियों को प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित करते हुए कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक निवेशक को आवश्यक सहयोग, सरल प्रक्रियाएं और सुरक्षित निवेश वातावरण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

तेलंगाना माओवादी सशस्त्र गतिविधियों से मुक्त घोषित, 42 कैडरों ने एक साथ डीजीपी के सामने किया आत्मसमर्पण

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना को माओवादी सशस्त्र गतिविधियों से पूरी तरह मुक्त घोषित हो गया है। राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवाधर रेड्डी ने यह घोषणा की। आज सीपीआई(माओवादी) से जुड़े शीर्ष कमांडर और 42 हथियारबंद नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। शीर्ष माओवादी नेता सोडी मल्ला उर्फ केशल उर्फ निखिल ने अपने दस्ते के साथ पुलिस के सामने हथियार डाल दिए। इस दस्ते में शामिल 42 कैडरों के आत्मसमर्पण के साथ ही पुलिस ने राज्य में माओवादी संगठनात्मक ढांचा पूरी तरह खत्म होने की घोषणा कर दी। शुक्रवार को

पुलिस महानिदेशकबी. शिवाधर रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना स्टेट कमेटी (टीएससी) को प्रभावी रूप से निष्क्रिय कर दिया गया है और राज्य में नक्सलवाद का सशस्त्र स्वरूप पूरी तरह समाप्त हो गया है। डीजीपी ने बताया कि मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति, जो 2007 से सक्रिय गतिविधियों से दूर है, को छोड़कर तेलंगाना से

जुड़े प्रमुख माओवादी चेहरों का लगभग अंत हो चुका है। उन्होंने तेलंगाना सरकार और मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की ओर से शेष पांच कैडरों–मुप्पला लक्ष्मण राव उर्फ गणपति (सीसीएम), पासनुरी नरहरी उर्फ संतोष (सीसीएम), जाडे रत्ना बाई उर्फ सुजाता (एससीएम), वार्था शेखर उर्फ मंगथु (एससीएम)और रंगाबोइना भाग्य उर्फ रूपी (एसीएम) से हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। पुलिस ने इसे राज्य में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान की बड़ी सफलता बताते हुए कहा कि इससे तेलंगाना में शांति, सुरक्षा और विकास को और मजबूती मिलेगी। उन्होंने बताया कि अब तेलंगाना से जुड़े केवल पांच सक्रिय भूमिगत माओवादी कैडर देश के अन्य राज्यों, विशेषकर छत्तीसगढ़ में सक्रिय हैं। इनमें से दो सीपीआई (माओवादी) के केंद्रीय समिति सदस्य (सीसीएम) हैं।

पुलिस के अनुसार आज आत्मसमर्पण करने वालों में प्रमुख नेता सोडी मल्ला उर्फ केशल उर्फ निखिल (पीएलजीए बटालियन कमांडर और दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी सदस्य), चापा नारायण उर्फ गजेंदर उर्फ मधु (स्टेट कमेटी सदस्य औरसचिव) तथा कडथी सान्नु उर्फ मंथू (बीके-एएसआर डिवीजन के डीवीसी सदस्य) शामिल है। आत्मसमर्पण के दौरान कैडरों ने 36 अत्याधुनिक हथियार और आठ सौ ग्राम सोना सहित अन्य सामग्रियां पुलिस को सौंपी दी है। पुलिस को सौंपे गए हथियारों में एके-47 राइफल, एसएलआर, इंसासराइफल थ्री नॉट थ्री राइफल, 9 मिमी स्टेन गन, पिस्टल और रिवॉल्वर और 1,007 जिंदा कारतूस शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत इन सभी को आवश्यक सहायता और पुनर्वास सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, ताकि वे सामान्य जीवन जी सकें।

मप्र के उज्जैन में बोरवेल के गड्ढे में गिरे मासूम की नहीं बच पाई जान, 22 घंटे चला बचाव अभियान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिला मुख्यालय से करीब 75 किमी दूर बड़नगर इलाके के पास ग्राम झालरिया में बोरवेल के खुले गड्ढे में गिरे दो साल के मासूम की जान नहीं बचाई जा सकी। करीब 22 घंटे चले बचाव अभियान के बाद एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने 200 फीट गहरे बोरवेल में 75 फीट पर फंसे बच्चे को लोहे की छड़, रस्सी और बोरवेल की मोटर निकालने वाली मशीन की मदद से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। पुलिस के अनुसार भेड़ें चराने के लिए आया राजस्थान के पाली जिले के एक परिवार का दो साल का बच्चा गुरुवार देर शाम करीब 7.30 बजे बोरवेल के खुले गड्ढे में गिर गया था। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। भोपाल से पहुंची एनडीआरएफ की टीम, हरदा, इंदौर और उज्जैन की एसडीआरएफ के साथ रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी रही। बोरवेल में कैमरा डालकर बच्चे की स्थिति पर नजर रखी जा रही थी, साथ ही उसे ऑक्सीजन सपोर्ट भी दिया गया। लेकिन ये प्रयास नाकाफी साबित हुए। बड़नगर थाना प्रभारी अशोक कुमार पाटीदार ने बताया कि बोरवेल में गिरने वाला दो वर्षीय मासूम भागीरथ पुत्र प्रवीण देवासी ग्राम गुडानला, जिला पाली (राजस्थान) का रहने वाला है। परिवार पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में भेड़ चराने के लिए रुका हुआ था। परिजन के मुताबिक, बच्चा दीवार के पास खेल रहा था। उसने पत्थर से बोरवेल का ढक्कन हटाया और बाल्टी समझकर पैर डाल दिया, जिससे वह सीधे अंदर गिर गया। बच्चे की मां ने उसे गिरते देखा और बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह गहराई में जा चुका था। परिवार ने गांव के सरपंच को सूचना दी। इसके बाद जिला प्रशासन को जानकारी दी गई। रात करीब साढ़े आठ बजे एसडीआरएफ समेत रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची और राहत-बचाव कार्य शुरू किया। भोपाल, इंदौर, हरदा और उज्जैन से आए 200 लोगों की रेस्क्यू टीम रातभर भागीरथ को बोरवेल से निकालने की कोशिश में जुटी रही। पांच पोकलेन की मदद से समानांतर सुरंग बनाई गई। चट्टानें आने से ड्रिलिंग बार-बार रुक रही थीं। बोरिंग में पानी आने से भी रेस्क्यू में परेशानी आई। घटना की जानकारी मिलने पर उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा मौके पर पहुंच गए थे। उज्जैन के पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा ने झालरिया गांव से बच्चे के शव को बड़नगर के सरकारी अस्पताल भेजा गया है। हमारी टीम भी वहीं जा रही है।

जीटी के सामने एलएसजी की घरेलू पिच पर अग्निपरीक्षा: नए सितारे संग वापसी की चुनौती

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को अपने घरेलू मैदान एकाना क्रिकेट स्टेडियम पर निराशाजनक रिकॉर्ड को पीछे छोड़कर गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ रविवार को होने वाले मुकाबले में वापसी करनी होगी। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले, एलएसजी के पास मुकुल चौधरी के रूप में एक नया सितारा उभरा है, जिन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा है, लेकिन घरेलू मैदान पर खराब प्रदर्शन एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। दोनों टीमों ने अपने पिछले दोनों मैच जीते हैं, जिससे उनका मनोबल बढ़ा हुआ है।

गुजरात टाइटंस ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन की रोमांचक जीत दर्ज कर अपना खाता खोला था, जबकि एलएसजी ने सनराइजर्स हैदराबाद और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ उनके मैदानों पर प्रभावशाली जीत हासिल की थी। हालांकि, एलएसजी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में लगातार संघर्ष कर रहा है। उसे अपने घरेलू मैदान को एक मजबूत गढ़ बनाना है तो खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

घरेलू मैदान पर एलएसजी का प्रदर्शन वाकई चिंताजनक रहा है। पिछले सत्र में, टीम ने यहां खेले गए आठ में से छह मैच हारे थे, जिसमें लगातार पांच हार शामिल थीं। यही वजह थी कि वे पिछले साल अंक तालिका में सातवें स्थान पर रहे। कुल मिलाकर, उन्होंने इस मैदान पर खेले गए 22 मैचों में से केवल नौ में ही जीत हासिल की है। मौजूदा सत्र में भी, घरेलू मैदान पर उनका पहला मैच निराशाजनक रहा, जहां दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 141 रन पर आउट करके छह विकेट से जीत दर्ज की थी। यह एलएसजी का इस सत्र में घरेलू मैदान पर दूसरा मैच होगा, और वे यहां अपने जीत के रिकॉर्ड को सुधारने के लिए बेताब होंगे।

एलएसजी के लिए केकेआर के खिलाफ पिछला मैच विशेष रूप से यादगार रहा, जब 21 वर्षीय राजस्थानी बल्लेबाज मुकुल चौधरी एक नए फिनिशर के रूप में उभरे। उन्होंने

आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की, जिसमें उनके आदर्श महेंद्र सिंह धोनी का पसंदीदा हेलीकॉप्टर शॉट भी शामिल था, जिससे उन्होंने क्रिकेट जगत का ध्यान अपनी ओर खींचा। आयुष बडोनी की फॉर्म में वापसी, जिन्होंने केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया, एलएसजी के लिए एक और सकारात्मक पहलू है, जो उनके बल्लेबाजी क्रम को मजबूत करता है।

यह मैच दोपहर में खेला जाएगा, और एकाना की धीमी पिच पर गुजरात के अनुभवी स्पिनरों राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर का सामना करना आसान नहीं होगा। राशिद ने दिल्ली के खिलाफ 17 रन देकर तीन विकेट लिए थे और अपनी टीम की एक रन से जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एलएसजी को अपनी घरेलू जमीन पर जीत की राह पर लौटने के लिए गुजरात के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना करते हुए बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

टीम इस प्रकार है

लखनऊ सुपर जायंट्स: ऋषभ पंत (कप्तान), मिचेल मार्श, एडन मार्क्रम, हिम्मत सिंह, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, मुकुल चौधरी, अक्षत रघुवंशी, जोश इंग्लिस, निकोलस पूरन, अब्दुल समद, शाहबाज़ अहमद, अर्शिन कुलकर्णी, आयुष बडोनी, मोहम्मद शमी, अवेश खान, एम सिद्धार्थ, दिग्वेश सिंह, आकाश सिंह, प्रिंस यादव, अर्जुन तेंदुलकर, एनरिक नोर्किया, नमन तिवारी, मयंक यादव, मोहसिन खान.

गुजरात टाइटंस : शुभमन गिल (कप्तान), साई सुदर्शन, जोस बटलर (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, ग्लेन फिलिप्स, शाहरुख खान, राहुल तेवतिया, राशिद खान, कगिसो रबाडा, मोहम्मद सिराज, अशोक शर्मा, प्रसिद्ध कृष्णा.

आलोचकों पर बरसे सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग, बताया रणनीति में बदलाव का कारण

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स के हेड कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने आईपीएल में टीम के हालिया प्रदर्शन को लेकर उठ रही आलोचनाओं का करारा जवाब दिया है। उन पर आरोप लग रहे थे कि वे मौजूदा टी20 क्रिकेट की बदलती जरूरतों के हिसाब से खुद को ढाल नहीं पा रहे हैं, लेकिन न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि वह पूरी तरह से खेल के नए आयामों से जुड़े हुए हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ महत्वपूर्ण मैच से पहले फ्लेमिंग ने अपनी बात रखते हुए स्वीकार किया कि खराब नतीजों के बाद आलोचना होना स्वाभाविक है, क्योंकि खेल में परिणाम ही लोगों की सोच तय करते हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह आईपीएल से पहले खेल की दिशा से अनभिज्ञ नहीं हैं, बल्कि वह पूरे साल दुनिया भर के अलग-अलग टी20 टूर्नामेंट्स में कोचिंग देते हैं और खिलाड़ियों की नीलामी प्रक्रियाओं में भी शामिल रहते हैं। इससे उन्हें इस फॉर्मेट में हो रहे बदलावों और वैश्विक खिलाड़ियों की गहरी समझ है, जो आईपीएल में भी उनके काम आती है। फ्लेमिंग ने पिछले सीजन के प्रदर्शन को स्वीकार करते हुए कहा, पिछले साल हम लय में नहीं थे, ये मैं खुद मानता हूं। लेकिन हमने जल्दी बदलाव किए हैं और अब टीम में कई युवा खिलाड़ी हैं। मुझे इस ग्रुप पर पूरा भरोसा है। हालांकि, इस सीजन में हम इसे अभी तक मैदान पर पूरी तरह दिखा नहीं पाए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फ्रेंचाइजी ने टीम में युवा खिलाड़ियों को शामिल कर एक नई रणनीति के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है।

अक्सर शांत और सौम्य रहने वाले स्टीफन फ्लेमिंग को बखूबी अंदाजा है कि आजकल उनके बारे में क्या बातें हो रही हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें चेन्नई को रिकॉर्ड पांच आईपीएल ट्रॉफियां जिताने का पर्याप्त श्रेय मिला है, तो उन्होंने विनम्रता, लेकिन दृढ़ता से अपनी बात रखी। फ्लेमिंग ने कहा, नहीं, असल में क्रेडिट मेरा नहीं, सिर्फ खिलाड़ियों का है। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए यह सिर्फ कोचिंग का एक और साल है। हमेशा से ऐसा ही रहा है कि खिलाड़ी ही मैदान पर कमाल करते हैं। मैदान के बाहर कोचिंग जरूरी होती है, लेकिन खिताब मैदान पर प्रदर्शन से जीते जाते हैं। फ्लेमिंग ने एमएस धोनी जैसे दुनिया के सबसे महान कप्तानों में से एक के साथ काम करने को अपना सौभाग्य बताया और कहा कि उन्हें अपने नतीजों पर गर्व है, लेकिन वह तारीफ या वाहवाही पाने के भूखे नहीं हैं।

आईपीएल 2026 : ऑरेंज कैप वैभव सूर्यवंशी को, पर्पल कैप रवि बिश्नोई के नाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने शुक्रवार 10 अप्रैल को डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को छह विकेट से हराकर अपनी लगातार चौथी जीत दर्ज की। जयपुर में खेले गए इस रोमांचक मैच में आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए बोर्ड पर 201 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया था, जिसे मेजबान राजस्थान ने दो ओवर शेष रहते हुए ही सफलतापूर्वक हासिल कर लिया। राजस्थान की इस शानदार जीत के सूत्रधार युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल रहे, जिन्होंने अपनी ताबड़तोड़ अर्धशतकीय पारियों से टीम को जीत की दहलीज तक पहुंचाया। मैच के हीरो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी रहे, जिन्होंने महज 26 गेंदों पर 8 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेली। इस धमाकेदार प्रदर्शन के साथ ही वैभव ने आईपीएल 2026 की ऑरेंज कैप पर कब्जा जमाया और टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए। अभी तक चार मैचों में उनके बल्ले से 50 की औसत और 266.67 के हैरतअंगेज स्ट्राइक रेट के साथ कुल 200 रन निकल चुके हैं। वैभव के साथ ध्रुव जुरेल ने भी 43 गेंदों पर 81 रनों की नाबाद पारी खेलकर टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया। जुरेल की इस पारी ने उन्हें आईपीएल 2026 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले टॉप-5 बल्लेबाजों में जगह दिलाई। दिलचस्प बात यह है कि अब इस लिस्ट के टॉप-3 में राजस्थान रॉयल्स के ही खिलाड़ी शामिल हैं, जिसमें वैभव सूर्यवंशी (200), यशस्वी जायसवाल (183) और ध्रुव जुरेल (176) शामिल हैं। इनके अलावा दिल्ली कैपिटल्स के समीर रिजवी (160) और कोलकाता नाइट राइडर्स के अंगकृश रघुवंशी (155) भी टॉप-5 में शामिल हैं। आरसीबी की ओर से कप्तान रजत पाटीदार ने 40 गेंदों पर सर्वाधिक 63 रन बनाए, जबकि विराट कोहली ने भी 200 के स्ट्राइक रेट से 32 रनों की तेजतर्रार पारी खेली। पाटीदार 142 रनों के साथ सातवें और कोहली 129 रनों के साथ आठवें पायदान पर हैं। ऑरेंज कैप की तरह ही, पर्पल कैप भी इस समय राजस्थान रॉयल्स के नाम है, जिसे युवा लेग स्पिनर रवि बिश्नोई ने अपने नाम किया है। बिश्नोई ने अभी तक चार मैचों में 9 विकेट चटकाए हैं और बेंगलुरु के खिलाफ भी उन्होंने दो महत्वपूर्ण विकेट हासिल किए।

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के बीच मुकाबला आज

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल -2026 में रविवार शाम को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (MI) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू (RCB) से होगा मुकाबला होगा। आईपीएल की दो सबसे पॉपुलर टीमों के बीच अब तक कुल 34 मुक़ाबले हुए हैं, जिसमें MI 19-15 से आगे है। हालांकि 2021 से हुए सात मुकाबलों में RCB की टीम ने पांच मुक़ाबले जीते हैं, जबकि MI को सिर्फ़ दो में ही जीत हासिल की है। वानखेड़े में हुए 12 मुक़ाबलों में मेज़बान MI 8-4 से आगे है।

यह मुकाबला ना सिर्फ़ दो पॉपुलर टीमों बल्कि लीग के दो सबसे सफल दिग्गज खिलाड़ियों के बीच भी होगा। RCB और MI के बीच हुए मैचों में विराट कोहली 922, जबकि रोहित शर्मा 629 रन बना चुके हैं। पिछली छह पारियों में कोहली ने MI के ख़िलाफ़ चार बार 40+ का स्कोर खड़ा किया है, जबकि वानखेड़े में रोहित, RCB के ख़िलाफ़ चार अर्धशतक लगा चुके हैं।

जॉश हेज़लवुड, रोहित को सात पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं, हालांकि रोहित का उनके ख़िलाफ़ स्ट्राइक रेट सिर्फ़ 116 का है। वहीं भुवनेश्वर कुमार भी रोहित को 16 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट किया है, जबकि रोहित उन पर 136 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं। वहीं अगर कोहली की बात की जाए तो जसप्रीत बुमराह ने उन्हें पांच बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए उन्होंने 17 पारियां ले ली हैं और 149 के स्ट्राइक रेट से रन ख़र्च किए हैं। ट्रेंट बोल्ट तो कोहली को 13 पारियों में सिर्फ़ एक बार आउट कर पाए हैं। मिचेल सैंटनर और हार्दिक पंड्या ने कोहली को 2-2 बार आउट तो किया है, लेकिन इसके लिए क्रमशः नौ और 10 पारियां ली हैं। वहीं दीपक चाहर और शार्दुल ठाकुर उन्हें सिर्फ़ एक-एक ही बार आउट कर पाए हैं।

डेथ ओवरों (17 से 20) में MIके निचले क्रम का सामना भुवनेश्वर कुमार से हो सकता है। भुवनेश्वर तिलक वर्मा और हार्दिक पंड्या दोनों को IPL में दो-दो बार आउट कर चुके हैं। हालांकि चार पारियों में दो बार आउट होने वाले तिलक उन पर 173 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं।

वहीं दूसरी ओर बुमराह के सामने RCB के लिए MI के पूर्व फ़िनिशर टिम डेविड होंगे। IPL 2025 से डेविड डेथ ओवरों में 237 के स्ट्राइक रेट से रन बनाते हैं और हर तीसरी गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। हालांकि बुमराह इसी दौरान डेथ ओवरों में सिर्फ़ 7.8 की इकॉनमी से रन देते हुए 15 के स्ट्राइक रेट से छह विकेट झटक चुके हैं। ऐसे में बुमराह बनाम डेविड मुक़ाबला भी दिलचस्प होगा।

इस मुक़ाबले में दो भाईयों की भिड़ंत भी देखना दिलचस्प होगा। एक समय MI का अहम हिस्सा रहे क्रुणाल पंड्या पिछले साल अपने प्लेयर ऑफ़ द फ़ाइनल के प्रदर्शन से RCB को उनका पहला ख़िताब दिला चुके हैं। क्रुणाल ने MIके ख़िलाफ़ सात पारियों में 72 रन बनाने के साथ-साथ आठ विकेट भी लिए हैं। वहीं हार्दिक पंड्या RCB के ख़िलाफ़ 164 के स्ट्राइक रेट से 18 पारियों में 361 रन बना चुके हैं, साथ ही सात विकेट भी लिया है। हार्दिक ने क्रुणाल की गेंदबाज़ी का पांच पारियों में सामना किया है और उनके ख़िलाफ़ 31 गेंदों में एक बार आउट होते हुए सिर्फ़ 29 रन ही बना पाए हैं।

मुकुल चौधरी एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे : डु प्लेसिस

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा बल्लेबाज मुकुल चौधरी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अपनी बल्लेबाजी से एक बेहतरीन फिनिशर नजर आ रहे हैंहै। डु प्लेसिस के अनुसार जिस प्रकार से वह आक्रामक होकर अंतिम ओवरों में खेलता दिखा इससे अंदाज होता है कि वह भविष्य में एक स्टार क्रिकेटर बनकर उभरेगा।मुकुल ने ईडन गार्डन्स में 27 गेंदों पर ही सात छक्के और दो चौके लगार नाबाद 54 रन बनाकर अपनी टीम सुपर जायंट्स को असंभव सी जीत दिला दी। डु प्लेसिस ने कहा, मैच को अंतिम गेंद ले जाने की उनकी समझ जबरदस्त दिखी। इस युवा खिलाड़ी में जबरदस्त ताकत और क्षमता है और उसकी बल्लेबाज का अंदाज देखकर हैरानी होती है। साथ ही कहा कि उसके कुछ स्ट्रोक देखकर मुझे महेन्द्र सिंह धोनी के शुरुआत दिनों का खेल याद आ गया। उसके फ्लिक शॉट्स कमाल के रहे। प्लेसिस ने बताया कि केकेआर टीम को इस बार भाग्य का साथ भी नहीं मिलता दिख रहा है। डु प्लेसिस ने कहा, सीजन में कुछ ऐसे छोटे-छोटे पल आते हैं जो निर्णायक साबित हो सकते हैं, जब आप पीछे मुड़कर देखते हैं तो सोचते हैं कि अगर वो पल हमारे पक्ष में गया होता, तो सीजन का नजारा कुछ और ही होता। केकेआर ने अभी तक एक भी मैच नहीं जीता है और इस समय कठिन स्थिति में है।

ऋषभ कप्तान के तौर पर जिम्मेदारी से खेलें : कैफ

नई दिल्ली । पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा है लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत को अब जिम्मेदारी से खेलना होगा। कैफ के अनुसार कप्तान होने के नाते उन्हें अच्छी बल्लेबाजी करनी होगी , तभी वह टीम के अन्य खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित कर पायेंगे। कैफ के अनुसार वह अब सीनियर खिलाड़ी हैं और उन्हें कठिन हालातों में अंत तक टिके रहना चाहिये। वह इस सत्र में अभी तक केवल एक मैचम में ही अच्छी पारी खेल पाये हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि उन्हें अपनी खेल की समझ में सुधार करते हुए लगातार अच्छे परिणामों के लिए जिम्मेदारी से खेलना होगा। सुपरजायंट्स को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ लक्ष्य का पीछा करते हुए कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली पर कप्तान केवल केवल 10 रन बना पाए थे और उनके शीर्ष क्रम के अन्य बल्लेबाज भी असफल रहे। नये बल्लेबाज मुकुल चौधरी के नाबाद 54 रन की सहायता से सुपरजायंट्स ने ये मैच किसी प्राकर से जीता। इस दौरान देखा गया कि कप्तान के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी रही। कैफ ने कहा, टीम की हालत को देखते हुए उन्हें अंत तक खेलते रहना चाहिये। वह अनुभवी खिलाड़ी हैं, ओर पिछले एक दशक से खेल रहे हैं। केकेआर के खिलाफ जब वह बल्लेबाजी करने आए तो स्थिति कठिन नहीं थी। उस समय टीम ने पहले पांच ओवरों में ही 40 से अधिक रन बना लिए थे। ऐसे में किसी एक बल्लेबाज को जिम्मेदारी लेनी थी और अंत तक बल्लेबाजी करनी थी। यह भूमिका कप्तान को निभानी चाहिए थी। उन्होंने साथ ही कहा, कप्तान होने के नाते अगर आप जिम्मेदारी नहीं लेते हैं, तो आप अपनी टीम को मैच में जीत नहीं दिला सकते। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया था लेकिन उन्हें निरंतरता बनाए रखने की जरूरत है। उन्हें मैच के हालातों के अनुसार और खेलते हुए ये सीखना होगा कि कब कैसी रणनीति अपनाने की जरुरत है। कैफ ने कहा, एक कप्तान का काम होता है कि वह लक्ष्य का पीछा करते हुए अंत तक खेलता रहे।

रवींद्र जडेजा ने रचा इतिहास: टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 के 16वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मैच में राजस्थान रॉयल्स के स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। इस मुकाबले में जडेजा ने टी20 क्रिकेट में अपने 4000 रन पूरे किए और इसी के साथ वह टी20 फॉर्मेट में 4000 रन और 200 विकेट लेने वाले दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ हार्दिक पांड्या ही हासिल कर पाए हैं। वैश्विक स्तर पर, जडेजा यह खास उपलब्धि हासिल करने वाले दुनिया के 25वें खिलाड़ी बन गए हैं, जो उनकी ऑलराउंड क्षमता को दर्शाता है। इस मैच में जडेजा ने गेंदबाजी में भी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 2 ओवर के स्पेल में सिर्फ 14 रन खर्च किए और रोमारियो शेफर्ड का महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किया।

मैच की बात करें तो, राजस्थान रॉयल्स ने आरसीबी से मिले 202 रनों के विशाल लक्ष्य को 6 विकेट से अपने नाम किया। आरसीबी द्वारा निर्धारित 201 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान की शुरुआत

हालांकि खराब रही, जब यशस्वी जायसवाल मात्र 13 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और ध्रुव जुरेल ने अपनी तूफानी बल्लेबाजी से फैंस का दिल जीत लिया। 15 साल के वैभव ने 300 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सिर्फ 26 गेंदों में 78 रनों की विस्फोटक पारी खेली, जिसमें 8 चौके और 7 गगनचुंबी छक्के शामिल थे। वैभव के आगे आरसीबी के गेंदबाज बेबस नजर आए। वहीं, ध्रुव जुरेल ने भी अर्धशतकीय पारी खेलते हुए एक छोर संभाले रखा और नाबाद 81 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचाया।

इससे पहले, आरसीबी ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर 201 रन बनाए थे। टॉप ऑर्डर के फ्लॉप होने के बाद कप्तान रजत पाटीदार ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 40 गेंदों में 63 रन बनाए, जिसमें 4 चौके और 4 छक्के शामिल थे। विराट कोहली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 16 गेंदों में 32 रन बनाकर आउट हुए। वेंकटेश अय्यर ने 15 गेंदों में नाबाद 29 रन और रोमारियो शेफर्ड ने 22 रनों का योगदान दिया। यह इस सीजन में आरसीबी की पहली हार है, जबकि राजस्थान रॉयल्स ने लगातार चौथी जीत दर्ज करते हुए टूर्नामेंट में अपना विजयी अभियान जारी रखा है।

आईपीएल में खरीददार न मिलने पर राइली रुसो का बड़ा बयान, आईपीएल को बताया फिल्म

नई दिल्ली । दक्षिण अफ्रीका के विस्फोटक बल्लेबाज राइली रुसो ने आईपीएल को लेकर एक विवादास्पद बयान दिया है, जिसमें उन्होंने इस लीग को क्रिकेट कम और फिल्म ज्यादा बताया है, जबकि पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) की जमकर तारीफ की है। यह बयान तब आया है जब आईपीएल 2026 की नीलामी में उन्हें कोई खरीददार नहीं मिला और उन्होंने खुद इस साल नीलामी के लिए अपना नाम नहीं भेजा था। रुसो का यह रुख क्रिकेट प्रेमियों के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर उनके आईपीएल के साथ पुराने जुड़ाव को देखते हुए।

राइली रुसो का आईपीएल से रिश्ता पुराना रहा है। उन्होंने 2014 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के साथ अपने आईपीएल करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद वह दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स जैसी टीमों का भी हिस्सा रहे। हालांकि, वह इस लीग में कभी अपनी छाप नहीं छोड़ पाए और उनका प्रदर्शन उम्मीदों के मुताबिक नहीं रहा। आईपीएल 2023 में दिल्ली कैपिटल्स ने उन्हें 4.60 करोड़ रुपये में खरीदा था, जबकि आईपीएल 2024 में पंजाब किंग्स ने उन पर 8 करोड़ रुपये खर्च किए थे। बावजूद इसके, खराब प्रदर्शन के चलते पंजाब किंग्स ने उन्हें रिलीज कर दिया, और इसके बाद उन्हें अगले साल की नीलामी में कोई खरीददार नहीं मिला। अब वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स के लिए खेल रहे हैं। रुसो ने आईपीएल और पीएसएल की तुलना करते हुए कहा, दोनों लीग के अपने-अपने फायदे और नुकसान हैं। आईपीएल एक बहुत लंबा टूर्नामेंट है, जबकि पीएसएल एक ज्यादा छोटा टूर्नामेंट है, जहाँ मुकाबला कहीं ज्यादा कड़ा होता है। उन्होंने आईपीएल पर तंज कसते हुए कहा, जाहिर है, आईपीएल को पूरे बॉलीवुड का समर्थन हासिल है, इसलिए यह असल क्रिकेट से ज्यादा एक फिल्म जैसा लगता है। यह टिप्पणी आईपीएल के ग्लैमर और उसके व्यापक प्रचार-प्रसार पर एक सीधा हमला है। उनके आईपीएल रिकॉर्ड की बात करें तो, रुसो ने कुल 22 मैच खेले हैं, जिनमें उन्होंने 23.65 की औसत से 473 रन बनाए हैं। इन आंकड़ों में कोई शतक शामिल नहीं है, और केवल कुछ ही अर्धशतक हैं, जो दर्शाता है कि वह आईपीएल में बड़े स्कोर बनाने में संघर्ष करते रहे हैं। एक समय आईपीएल टीमों द्वारा उन पर भारी-भरकम रकम खर्च की जा रही थी, तब उन्हें इस रंगारंग लीग से कोई दिक्कत नहीं थी। लेकिन जब उनकी परफॉर्मेंस में गिरावट आई और टीमों ने उनसे दूरी बनाना शुरू कर दी, तो उनका यह बयान सामने आया है, जो उनकी निराशा को उजागर करता है और क्रिकेट जगत में एक नई बहस छेड़ सकता है।

हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 : राजगीर में महिला व पुरुष वर्ग के फाइनल तय

राजगीर । बिहार/ बिहार के राजगीर में चल रही हॉकी इंडिया सब जूनियर नेशनल चैंपियनशिप 2026 का रोमांच अपने चरम पर पहुँच गया है। डिवीजन ए में पुरुष और महिला वर्ग के फाइनल मुकाबले तय हो चुके हैं, जिससे खिताब के लिए रोमांचक जंग की उम्मीद बढ़ गई है। सभी मुकाबले 12 अप्रैल को राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले जाएंगे। पुरुष वर्ग के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश का सामना हॉकी उत्तर प्रदेश से होगा, जबकि महिलाओं के फाइनल में हॉकी मध्य प्रदेश की टीम गत चैंपियन हॉकी झारखंड से भिड़ेगी। इन मुख्य मुकाबलों के अतिरिक्त, तीसरे स्थान के लिए भी दिलचस्प मैच खेले जाएंगे। महिलाओं के वर्ग में हॉकी ओड़िशा और हॉकी उत्तर प्रदेश कांस्य पदक के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी, वहीं पुरुषों में दादरा और नागर हवेली और दमन और दीव हॉकी का मुकाबला हॉकी पंजाब से होगा। सेमीफाइनल मुकाबलों की बात करें तो, पुरुष वर्ग में मध्य प्रदेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दादरा और नगर हवेली व दमन और दीव को 4-2 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। दूसरी ओर, हॉकी उत्तर प्रदेश ने एक कड़े मुकाबले में पिछले साल के चैंपियन पंजाब को 6-2 से करारी शिकस्त दी। यह मुकाबला पिछले साल के तीसरे स्थान के मैच का रीमैच भी था, जिसमें यूपी ने जीत दर्ज की थी। इस बार उत्तर प्रदेश के खिलाड़ी गोल स्कोरिंग में भी आगे रहे हैं, जहाँ शाहरुख अली 14 गोल के साथ टूर्नामेंट के शीर्ष स्कोरर बने हुए हैं। उनके साथी खिलाड़ी नीतीश यादव ने अपने सभी गोल पेनल्टी कॉर्नर से दागे हैं, जबकि दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव के धीरज पाल भी पांच गोल के साथ प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल हैं। महिला वर्ग में भी मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मध्य प्रदेश और झारखंड दोनों ही टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए फाइनल में प्रवेश किया है।

वैभव सूर्यवंशी के इंडिया डेब्यू की जोरदार मांग, क्या टूटेगा सचिन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में इन दिनों 15 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का नाम हर किसी की जुबान पर है। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अपने धमाकेदार प्रदर्शन से उन्होंने न केवल सबको चौंका दिया है, बल्कि टीम इंडिया में उनके डेब्यू को लेकर भी जोरदार बहस छिड़ गई है। उनकी असाधारण प्रतिभा को देखते हुए, ऐसी संभावना जताई जा रही है कि वे महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर का भारत के लिए सबसे कम उम्र में अंतरराष्ट्रीय डेब्यू करने का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सचिन ने 16 साल और 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पदार्पण किया था।

आईपीएल के मौजूदा सीज़न में, राजस्थान रॉयल्स का हिस्सा रहे वैभव ने सिर्फ चार मैचों में 266.66 के अद्भुत स्ट्राइक रेट से 200 रन बनाए हैं, जिसमें दो ताबड़तोड़ अर्धशतक शामिल हैं। हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ हुए मुकाबले में, उन्होंने अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवाया। 26 गेंदों में 8 चौकों और 7 छक्कों की मदद से 78 रनों की तूफानी पारी खेलकर उन्होंने 202 रनों का लक्ष्य दो ओवर शेष रहते हासिल करने में अपनी टीम की मदद की। इस यादगार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच भी चुना गया।

वैभव की इस शानदार फॉर्म से प्रभावित होकर, आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने उन्हें टीम इंडिया में डेब्यू का प्रबल दावेदार बताया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि वैभव जैसा प्रतिभाशाली खिलाड़ी, इतनी कम उम्र में, भारत के लिए सबसे कम उम्र में डेब्यू करने का हकदार है। धूमल ने जोर देकर कहा कि ऐसे दुर्लभ मौके को भुनाना चाहिए। धूमल की इस पोस्ट पर प्रशंसकों की भी जबरदस्त प्रतिक्रिया देखने को मिली, जिसमें कई यूजर्स ने वैभव को अविश्वसनीय टैलेंट करार देते हुए उनके तत्काल डेब्यू की वकालत की।

यह उल्लेखनीय है कि 15 वर्षीय वैभव अब सीनियर पुरुष टीम के लिए खेलने के पात्र हो चुके हैं। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने अंडर-19 टीम में भी अपना जलवा दिखाया है, जहां उन्होंने वर्ल्ड कप फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की एक शानदार पारी खेली थी। आईपीएल में, वे जसप्रीत बुमराह जैसे दिग्गज गेंदबाजों को भी चुनौती देने से नहीं हिचकिचाते। हाल ही में उन्होंने आरसीबी के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड की गेंदों पर लगातार तीन चौके जड़कर अपनी निर्भीक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। सामान्य तौर पर जहां 200 के स्ट्राइक रेट को बेहतरीन माना जाता है, वहीं वैभव ने कई बार 300 से अधिक के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी देखकर ऐसा लगता है कि वह सिर्फ रिकॉर्ड बनाने नहीं, बल्कि क्रिकेट में आक्रामक बल्लेबाजी की एक नई परिभाषा गढ़ने आए हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर अब दबाव बढ़ रहा है कि वे इस युवा सनसनी को जल्द से जल्द अंतरराष्ट्रीय मंच पर मौका दें।

'सैयारा' के बाद इस फिल्म में नजर आएंगे अहान पांडे, अली अब्बास जफर करेंगे निर्देशन

'सैयारा' फेम एक्टर अहान पांडे एक एक्शन-रोमांटिक फिल्म में नजर आएंगे। आज अली अब्बास जफर ने इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए फिल्म से अहान पांडे का पहला लुक शेयर किया है, जिस पर फैंस दिल हार बैठे हैं।

शूटिंग हुई शुरू

अहान पांडे की इस फिल्म की शूटिंग आज से आधिकारिक तौर पर शुरू हो गई है। जल्द ही मुख्य अभिनेत्री और आधिकारिक शीर्षक की घोषणा की जाएगी। फिल्म का निर्माण वाईआरएफ कर रहा है। इसकी शूटिंग मुंबई और विदेशों में होगी। इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर अहान की एक खास तस्वीर शेयर की और लिखा, 'और शुरू हो गई...' अहान पांडे की इस फिल्म के निर्देशक अली अब्बास जफर ने इंस्टाग्राम पर दो तस्वीरें शेयर की हैं। पहली तस्वीर अहान पांडे की है। इस तस्वीर में अहान के चेहरे का कुछ हिस्सा साफ नजर आ रहा है, क्योंकि बाकी की तस्वीर धुंधली है। छोटे बाल में अहान का यह लुक कमाल का लग रहा है।

सेलेब्स और फैंस के कमेंट्स

अहान की इस दूसरी फिल्म के पहले लुक ने सेलेब्स और फैंस का दिल जीत लिया है। अभिनेता अर्जुन कपूर ने लिखा, 'मास' और साथ ही फायर इमोजी बनाया है। टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने लिखा, 'बधाई हो अली सर', अहान की मां डीन ने लिखा, 'पूरी टीम को शुभकामनाएं', रजत बेदी ने लिखा, 'बधाई हो अली भाई', एक फैन ने लिखा, 'बहुत ज्यादा उत्साहित हूं', दूसरे फैन ने लिखा, 'अहान तुम कमाल कर दोगे', वहीं कई फैंस अहान के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अली और आदित्य की जोड़ी

'सैयारा' जैसी लव स्टोरी करने के बाद अब एक्शन-रोमांस फिल्म में आहान को एक बिल्कुल नए अंदाज में नजर आएंगे। यह फिल्म आदित्य चोपड़ा और अली अब्बास जफर की पांचवीं फिल्म है, जिनकी जोड़ी ने 'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' जैसी हिट फिल्में दी हैं।

जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में की खुलकर बातचीत

जान्हवी कपूर हाल ही में 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' फिल्म में नजर आईं थी। इनमें उनके साथ वरुण धवन, रोहित शरफ और सान्या मल्होत्रा भी अहम किरदार में नजर आए थे। राज शमानी को दिए इंटर्व्यू में जान्हवी कपूर ने अपने बॉयफ्रेंड के बारे में खुलकर बातचीत की, और बताया कि उन्हें बॉयफ्रेंड के साथ कितना सुरक्षित और अपनापन महसूस होता है।

कौन हैं जान्हवी कपूर के बॉयफ्रेंड?

जान्हवी कपूर और शिखर पहाड़िया एक दूसरे को काफी वक्त से डेट कर रहे हैं। वे अक्सर पार्टी, फैमिली फंक्शन और इवेंट्स में साथ नजर आते हैं। हाल ही में राज शमानी के साथ पॉडकास्ट में उन्होंने अपने रिलेशनशिप के बारे में खुलकर चर्चा की। उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं जान्हवी ने शिखर के बारे में बात करते हुए कहा, 'प्यार की वजह से मैं उनके साथ खुद का सबसे सच्चा वर्जन बन पाती हूं। मुझे एक ऐसा सुरक्षित एहसास मिला है, जहां मैं अपने दिल की बात सुन सकती हूं और उस पर भरोसा कर सकती हूं। उनकी मौजूदगी हमेशा मुझे यही एहसास देती है।' उन्होंने आगे कहा, 'उनके साथ मैं बिल्कुल बच्चे जैसी बन जाती हूं। यह एक ऐसी जगह है जहां मैं बिना किसी झिझक के खुद रह सकती हूं। उनके साथ मुझे सबसे ज्यादा मजा आता है।'

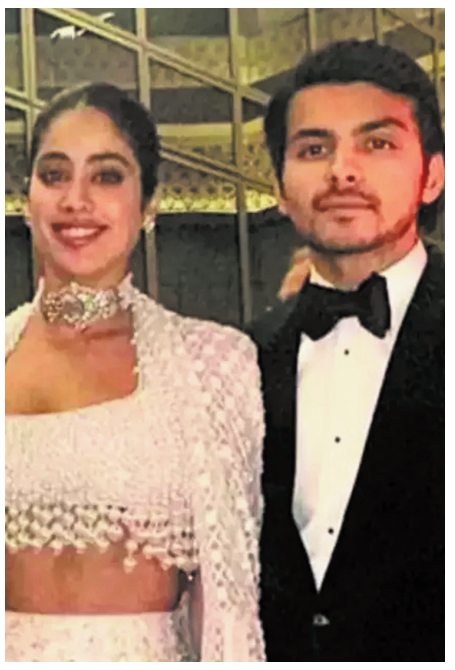

शिखर पहाड़िया के बारे में

शिखर पहाड़िया, पूर्व गृह मंत्री सुशीलकुमार शिंदे के नाती हैं। उनकी मां स्मृति शिंदे एक एक्ट्रेस हैं। उनके बड़े भाई वीर पहाड़िया ने हाल ही में फिल्म स्काई फोर्स से बॉलीवुड डेब्यू किया, जिसमें अक्षय कुमार, निम्रत कौर और सारा अली खान भी नजर आए।

जाह्नवी कपूर का अगला प्रोजेक्ट

वर्क फ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही लक्ष्य और टाइगर श्रोफ के साथ धर्मा प्रोडक्शंस की अगली एक्शन फिल्म 'लग जा गले' में नजर आ सकती हैं। खबरों के मुताबिक, इस फिल्म की शूटिंग पिछले महीने मुंबई में शुरू हो चुकी है, जिसे राज मेहता डायरेक्ट कर रहे हैं।

पृथ्वीराज ने पूरी की 'वाराणसी' की शूटिंग

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग का एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है। अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग पूरी होने की खुशखबरी दी है। शूटिंग खत्म होने के साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज के लिए एक साल की उलटी गिनती भी शुरू कर दी है। पृथ्वीराज ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सेट से एक चीट मील की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, 'बहुत मेहनत वाले शेड्यूल का आखिरकार अंत हो गया। चीट मील का पूरा मजा लिया।' इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म के निर्माता केएल नारायण को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट भी बताई। पृथ्वीराज ने लिखा, '7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।' फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक तेलुगु एडवेंचर ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एसएस राजामौली ने किया है। फिल्म का बजट 1300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में महेश बाबू रुद्र और भगवान राम के दोहरे रोल में दिखेंगे। प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे।

परिणीति चोपड़ा की नई पारी शुरू, 'मॉम टॉक्स' शो की होस्ट बनीं

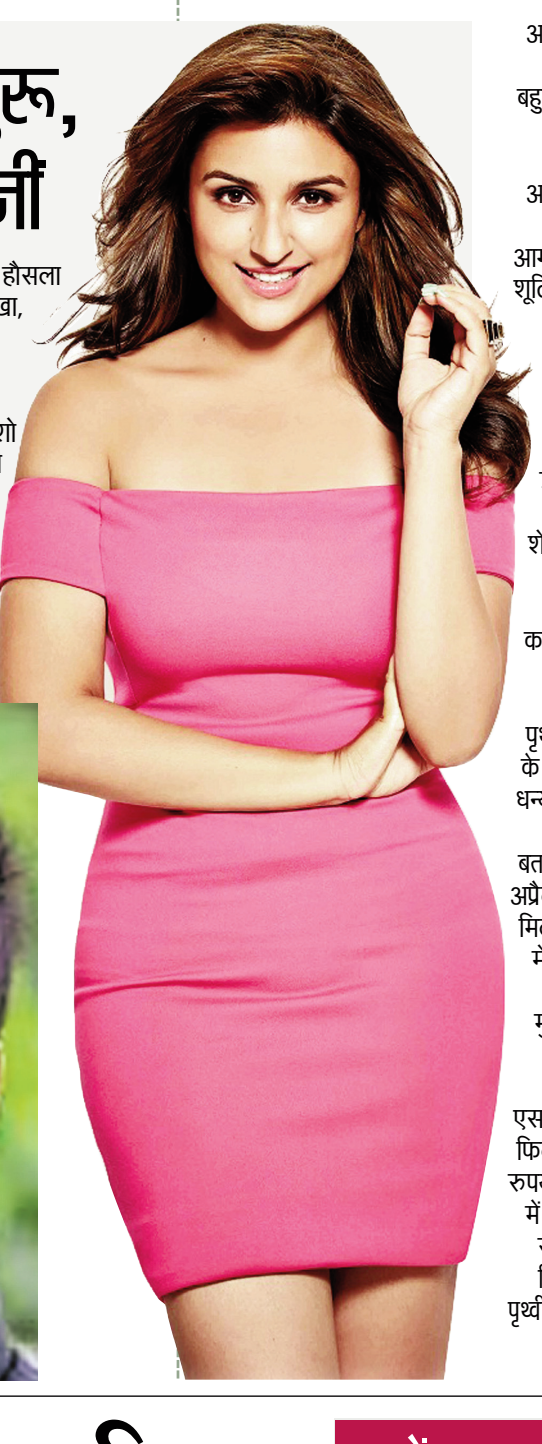

परिणीति चोपड़ा ने अपने करियर में एक नया और खास चैप्टर जोड़ते हुए टॉक शो होस्ट के रूप में शुरुआत कर दी है। उनके इस नए सफर पर पति और सांसद राघव चड्ढा ने भी सोशल मीडिया पर इमोशनल नोट शेयर कर उन्हें शुभकामनाएं दी हैं। परिणीति ने हाल ही में अपने टॉक शो 'मॉम टॉक्स' का टीजर जारी किया है। यह शो मातृत्व, प्रेग्नेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े उन पहलुओं पर आधारित है, जिन पर अक्सर खुलकर बात नहीं की जाती। खास बात यह है कि यह परिणीति का पहला टॉक शो है, जिसमें वह होस्ट की भूमिका में नजर आएंगी। पिछले साल मां बनीं परिणीति इस प्लेटफॉर्म के जरिए अपने अनुभवों के साथ-साथ अन्य लोगों की कहानियां भी सामने लाना चाहती हैं। उनका मानना है कि मातृत्व से जुड़े कई पहलू आज भी समाज में झिझक के साथ देखे जाते हैं। राघव चड्ढा ने उनका हौसला बढ़ाते हुए लिखा, 'बहुत गर्व है। बधाई हो। मैं हमेशा तुम्हारे साथ हूं। यह शो मातृत्व, प्रेग्नेंसी और बच्चों की परवरिश से जुड़े मुद्दों पर केंद्रित होगा

साउथ एक्टर विष्णु विशाल ने सोशल मीडिया से लिया ब्रेक

एक्टर-प्रोड्यूसर विष्णु विशाल ने कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। इनमें से कई फिल्में सुपरहिट रही हैं। उन्होंने सोशल मीडिया से कुछ समय के लिए ब्रेक लेने का फैसला किया है। उन्होंने अपने फैंस को भरोसा दिलाया है कि वे जल्द ही अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स से जुड़ी नई जानकारियों के साथ वापस लौटेंगे।
विष्णु विशाल ने लिया सोशल मीडिया से ब्रेक
एक्टर ने सोशल मीडिया से ब्रेक लेने वाली जानकारी देते हुए लिखा 'सोशल मीडिया से एक छोटा सा ब्रेक ले रहा हूं। जल्द ही फिल्मों से जुड़ी नई जानकारियों के साथ वापस आऊंगा। एक्टर 'वेनिला कबाड़ी कुझु', 'कुल्लारी कुट्टम', और 'रतसासन' के लिए जाने जाते हैं।

तीसरी बार इस निर्देशक के साथ कर रहे काम

यह घोषणा ऐसे समय में आई है जब रामकुमार के निर्देशन में बन रही उनकी अगली फिल्म 'इरंडु वानम' को लेकर लोगों में काफी उत्सुकता बढ़ रही है। 'मुंडासुपत्ती' और 'रतसासन' की सफलता के बाद, यह जोड़ी तीसरी बार एक-साथ काम कर रही है।

पूरी हुई अपकमिंग फिल्म की शूटिंग

पिछले साल जून में, विष्णु विशाल ने इस बात की पुष्टि की थी कि फिल्म 'इरंडु वानम' की शूटिंग पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया था कि शूटिंग 150 दिनों में पूरी हुई थी। सत्य ज्योति फिल्म्स के बैनर तले बन रही इस फिल्म में मामिता बैजू मुख्य अभिनेत्री के तौर पर नजर आएंगी। फिल्म का पहला लुक पोस्टर, जो पहले ही जारी किया जा चुका है, काफी दिलचस्प है। इसमें दोनों मुख्य कलाकार बादलों पर एक-दूसरे की विपरीत दिशा में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं।

विष्णु का वर्कफ्रंट

पिछली बार फिल्म 'आर्यन' में नजर आए विष्णु विशाल के पास अभी 'गट्टा कुश्ती' का सीक्वल भी पाइपलाइन में है, जिसका निर्देशन चेल्ला अय्यावु कर रहे हैं। वहीं, उनकी लंबे समय से अटकी हुई फिल्म 'मोहनदास' अभी तक रिलीज नहीं हो पाई है।

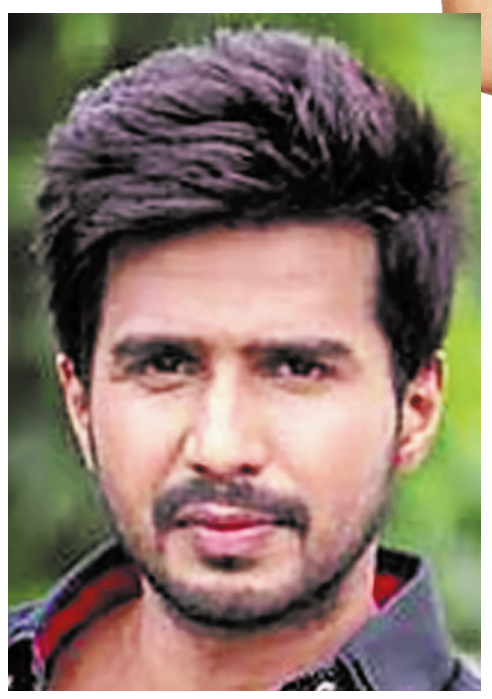

रणवीर सिंह कर सकते हैं चंद्रगुप्त मौर्य पर फिल्म: आदित्य धर के साथ फिर बन सकती है जोड़ी

धुरंधर फ्रैंचाइजी की सफलता के बाद अब सभी की नजर इस बात पर है कि डायरेक्टर आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट कौन सा होगा। एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि आदित्य धर रणवीर सिंह के साथ भी एक प्रोजेक्ट पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया, आदित्य धर इस समय तीन स्क्रिप्ट पर विचार कर रहे हैं। इनमें द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा, एक ऐतिहासिक फिल्म और एक बड़े लेवल की स्पोर्ट्स फिल्म शामिल है। उनकी अगली फिल्म इनमें से कोई एक हो सकती है, जब तक कि कोई नया प्रोजेक्ट प्राथमिकता में न आ जाए। एक सूत्र का कहना है कि द इम्मॉर्टल अश्वत्थामा आदित्य का ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है। इस फिल्म पर उन्होंने पहले काफी काम किया था, लेकिन ज्यादा बजट के कारण इसे रोक दिया गया था। अब उनकी सक्सेस और इंडस्ट्री में बढ़ते भरोसे के चलते इस प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करने की संभावना बनी हुई है।

चंद्रगुप्त मौर्य पर आधारित फिल्म पर चर्चा

एक अन्य सूत्र के मुताबिक, आदित्य धर चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल पर आधारित ऐतिहासिक फिल्म बनाने में भी दिलचस्पी रखते हैं। इस प्रोजेक्ट को लेकर उनकी रणवीर सिंह के साथ पिछले साल से बातचीत चल रही है। धुरंधर की सफलता के बाद दोनों फिर से इस पर चर्चा कर सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह विषय अभी तक ज्यादा एक्सप्लोर नहीं हुआ है और इसमें ड्रामा, एक्शन और पॉलिटिक्स जैसे कई मजबूत एलिमेंट हैं। अगर फिल्म अश्वत्थामा नहीं बनती, तो यह प्रोजेक्ट आगे बढ़ सकता है। इसके अलावा, एक स्पोर्ट्स ड्रामा भी शुरुआती स्टेज में है, जो बड़े लेवल पर बनाया जा सकता है। हालांकि इसकी जानकारी अभी साफ नहीं है।
कहा जा रहा है कि डायरेक्टर के पास कई प्रोजेक्ट्स के विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे एक ब्रेक के बाद ही अगले प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ेंगे। डायरेक्टर ने पिछले तीन साल रणवीर सिंह के साथ 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी पर काम करते हुए बिताए हैं। इसलिए, अब वे कुछ समय का ब्रेक लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक बात पक्की है कि आदित्य धर की अगली फिल्म और बड़े कैनवास पर बनने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य धर एक बार फिर रणवीर के साथ काम करने के इच्छुक हैं। इस बार वे मौर्य साम्राज्य के संस्थापक पर आधारित एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म पर काम करेंगे। आदित्य धर पिछले साल से ही रणवीर के साथ बातचीत कर रहे हैं।

क्यों रुका 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' पर काम

बात करें 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' की तो यह आदित्य धर के उन पैशन प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसे कथित तौर पर बजट संबंधी दिक्कतों के चलते कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। हालांकि, 'धुरंधर' से अच्छी-खासी कमाई के बाद इस फिल्म पर फिर से काम शुरू होने की संभावना बन गई है। लेकिन, अगर इसे हरी झंडी नहीं मिलती है, तो कहा जा रहा है कि यह ऐतिहासिक ड्रामा ही आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट है। इसके अलावा, ऐसी भी चर्चा है कि आदित्य धर एक स्पोर्ट्स ड्रामा पर भी काम कर रहे हैं।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रैसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। इससे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।